खण्ड-07 सत्र-04 अंक-41

सोमवार 27 मार्च, 2023
06 चैत्र, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

चौथा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-04 में अंक 36 से अंक 43 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-4 सोमवार, 27 मार्च, 2023/06 चैत्र, 1945 (शक) अंक-41

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	3-35
3.	ध्यानाकर्षण (नियम-54)	36-38
4.	सदन में अव्यवस्था	39-48
5.	वार्षिक बजट (2023-24) पर चर्चा	49-198
6.	अनुदानों की मांगें (2023-24)	199-205
7.	विनियोजन संख्या(03 विधेयक, 2023 प्रस्तुतिकरण एवं पारण	206-209
8.	वित्त विभाग द्वारा विधान सभा सचिव की वित्तीय शक्तियों पर अंकुश लगाए जाने के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य	210-213

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-4 सोमवार, 27 मार्च, 2023/06 चैत्र, 1945 (शक) अंक-41

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.04 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1 श्री अजेश यादव	10. श्री दिनेश मोहनिया
2 श्री अखिलेशपति त्रिपाठी	11. श्री दुर्गेश कुमार
3 श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.	12. श्री गिरीश सोनी
4. श्री अमानतुल्ला खान	13. श्री गुलाब सिंह
5. श्री अब्दुल रहमान	14. श्री हाजी युनूस
6. श्रीमती बंदना कुमारी	15. श्री जय भगवान
7. सुश्री भावना गौड़	16. श्री जरनैल सिंह
8. श्री बी एस जून	17. श्री करतार सिंह तंवर
9. श्री धर्मपाल लाकड़ा	18. श्री महेंद्र गोयल

20. श्री मुकेश अहलावत
21. श्री नरेश बाल्यान
22. श्री नरेश यादव
23. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
24. श्री प्रवीण कुमार
25. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
26. श्री ऋतुराज गोविंद
27. श्री रघुविंदर शौकीन
28. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
29. श्री शरद कुमार चौहान
30. श्री सोमदत्त
31. श्री शिवचरण गोयल
32. श्री सोमनाथ भारती
33. श्री सही राम
34. श्री एस के बग्गा
35. श्री विनय मिश्रा
36. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
37. श्री अजय दत्त
38. श्री अभय वर्मा
39. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
40. श्री अजय कुमार महावर
41. श्री जितेंद्र महाजन
42. श्री महेन्द्र यादव
43. श्री मदन लाल
44. श्री मोहन सिंह बिष्ट
45. श्री ओमप्रकाश शर्मा
46. श्री पवन शर्मा
47. श्री प्रलाद सिंह साहनी
48. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
49. श्री सुरेंद्र कुमार
50. श्री विजेंद्र गुप्ता

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्रा-4 सोमवार, 27 मार्च, 2023/06 चैत्र, 1945 (शक) अंक-41

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.04 बजे समवेत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए ।

राष्ट्रगीत-वन्दे मातरम्

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत। विशेष उल्लेख 280 श्री नरेश बाल्यान जी, सोमदत्त जी, राजेश गुप्ता जी भी अनुपस्थित, सोमदत्त जी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री सोमदत्तः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान डूसिब विभाग की ओर दिलाना चाहता हूँ और पिछले लगभग 3 महीने से चीफ इंजीनियर वहां न होने की वजह से जनता के बहुत सारे काम उनके टैंडर रुके हुए थे, मेरी असेंबली भी इसमें से एक है और बड़ी संख्या में जेजे क्लस्टर की जनता हाइली इफेक्टेड रही। लगातार इसके लिए सीईओ डिपार्टमेंट के

थे उनसे बात करता रहा, करता रहा टैंडर लगवा दीजिए, टैंडर लगवा दीजिए रिक्वेस्ट करते रहे लेकिन इतनी लापरवाह पूर्ण प्रणाली डूसिब के अंदर है मैं हैरान हूँ इसको देखकर और जनता बहुत परेशान रही पिछले लगभग 3 महीने से। मेरी आपसे रिक्वेस्ट है इसके लिए जो भी अधिकारी दोषी हैं, अगर एक चीफ इंजीनियर अपाइंट नहीं कर पा रहे एक डिपार्टमेंट में तो सोचने की बात है कि उस विभाग की क्या कार्य प्रणाली होगी। तीन महीने तक लोगों के काम रुके रहे, बड़ी संख्या में बुरे तरीके से काम सफर करते रहे। मेरा आपसे निवेदन है इसके लिए जो भी अधिकारी दोषी हैं, जिम्मेदार हैं उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद, प्रमिला टोकस, (अनुपस्थित)। हाजी युनूस।

श्री हाजी युनूसः अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान अपनी विध ानसभा के तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर दिलाना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, सबसे पहला मुद्दा सबमर्सिबल, दूसरा रहने का मकान, तीसरा भूमाफिया का पुलिस के साथ मिलीभगत से सरकारी जमीनों पर कब्जा। अध्यक्ष जी, मेरी विधानसभा में अधिकांश गरीब लोग रहते हैं जो आपस में तीन–तीन, चार–चार लोग मिलकर पानी की कमी की वजह से ज्वाइंट सबमर्सिबल कर लेते हैं। अध्यक्ष जी, जब ये दुकानदार के पास जाते हैं तो 50–60 हजार रुपये में जो काम होना चाहिए दुकानदार 80–90 हजार रुपये इनसे मांगता है। जब वे

उससे पूछते हैं की भई ये 80–90 हजार रुपया किस चीज का आप मांग रहे हो तो वो कहता है कि इसमें एमसीडी वालों को भी देना है, पुलिस को भी देना है और एसडीएम को भी देना है। अगर उनको नहीं देंगे तो आपका सबमर्सिबल नहीं लगेगा। अगर कोई अपनी जिम्मेदारी पर कि हम पुलिस से बात कर लेंगे, हम एमसीडी वालों से काउंसिलर से बात कर लेंगे, अपनी जिम्मेदारी पर अगर कोई करना चाहता है तो पुलिस आकर उसका सामान उठाकर ले जाती है और उसके घर से किसी न किसी को पकड़कर ले जाते हैं और पुलिस वाले इतनी बदतमीजी करते हैं कि मजबूरन उनको या तो पैसा देना पड़ता है या वो सामान ही जब्त हो जाता है, फिर वो पैसा देकर जैसे–तैसे उसको छुड़वाते हैं। यही हालत अध्यक्ष जी अगर कोई गरीब आदमी अपने घर पर एक कमरा भी डालने लगे तो ईंट–बदरपुर तो बाद में आता है पुलिस और एमसीडी के लोग पहले आ जाते हैं और ये हालत कर देते हैं अगर कोई पैसा न दे इनको तो उनके साथ भी यही व्यवहार होता है, या तो उनके मकान को सील कर देंगे या नोटिस चिपका देंगे। वो गरीब आदमी परेशान हो जाता है और परेशान होकर मजबूरन वो पुलिस और एमसीडी को पैसा देता है। अगर पैसा न दे तो वो अपना मकान नहीं बना सकता।

अध्यक्ष जी, तीसरा जिस तरह से जब से हमारे एलजी विनय सक्सेना जी आए हैं और उससे पहले से भी चल रहा था लेकिन

जब से ये आए हैं, दिल्ली में भू-माफिया इतना सक्रिय हो चुका है अध्यक्ष जी सरकारी जमीनों पर खुलेआम कब्जे हो रहे हैं। अभी कुछ ही दिन पहले का वाक्या है अध्यक्ष जी, मेरी विधानसभा में भाजपा के पूर्व विधायक पर कोर्ट के जरिए एफआईआर हुई जो ये अखबार और एफआईआर की कापी है। अध्यक्ष जी, हमारे तो ईमानदार और वर्ल्ड फेमस मंत्रियों को ये लोग एलजी साहब बेगुनाह जेल में डाल देते हैं लेकिन ऐसी चीजों पर एलजी साहब कोई संज्ञान नहीं लेते।..

माननीय अध्यक्षः अब लिखे हुए से बाहर जा रहे हैं आप।

श्री हाजी युनूसः अध्यक्ष जी, ये मुझे असल में अभी एफआईआर और ये अखबार की कटिंग बाद में मिली।

माननीय अध्यक्षः तो जितना आपने लिखा है नहीं अखबार की कटिंग का जिक्र कर दिया आपने जो इसमें लिखा उस तक सीमित रहें कोई बात नहीं अखबार की कटिंग का मैं मना नहीं कर रहा हूँ।

श्री हाजी युनूसः चलिये मैं लिख दूँगा अध्यक्ष जी, लिखकर दे दूँगा। अध्यक्ष जी, लॉ एंड आर्डर की हालत इतनी बुरी है कि आम आदमी का तो जीना ही दिल्ली के अंदर इस वक्त दुभर हो रहा है। यहां तक कि अध्यक्ष जी मेरी स्वयं की गाड़ी पर दो-तीन हमले हो चुके हैं लेकिन पुलिस की हालत यह है कि एसएचओ दयालपुर ने एफआईआर तक करने की जेहमत नहीं समझी कि मेरी

गाड़ी पर हमला हो रहा है और वो एफआईआर कर लें। दोबारा अध्यक्ष जी दूसरा हमला मेरी गाड़ी पर मेरे बच्चे फैमिली उसमें मौजूद थी तो मेरे बेटे ने छोटी सी वीडियो क्लिप बना ली,तब जाकर उस वीडियो की वजह से एफआईआर तो हुई अध्यक्ष जी लेकिन एफआईआर होने के बाद जब वो वीडियो में गाड़ी का नंबर आ गया तो पुलिस ने उन लोगों की बाहर ही बाहर जमानत ले ली जबकि उसमें साफ वीडियो के अंदर मौजूद है कि वो कुछ भी कर सकते थे मेरी फैमिली पर, मेरी दोनों सबसे छोटी बच्चियां और बेटा था उनको मार भी सकते थे। दिल्ली के अंदर इस वक्त जबसे ये एलजी साहब आए हैं, गुंडा माफिया इतना बेखौफ है कि न तो उन्हें जब विधायक की गाड़ी का और विधायक की फैमिली को और मेरी गाड़ी के पीछे लिखा भी हुआ है विधायक।...

माननीय अध्यक्षः हाजी जी हो गया अब देखिये मैंने एक निर्णय दिया था जितना इसमें लिखें उतना बोलें।

श्री हाजी यूनुसः अध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि इन चीजों पर संज्ञान लेते हुए इस पर जो भी हो सके जल्द से जल्द और उचित कार्रवाई कराने का कष्ट करें, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी।

श्री अजय कुमार महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय का ध्यान

राजधानी में लगातार आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आज दिल्ली की किसी भी कालोनी को ले लीजिए वहां आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक इस कदर है जहां रात में सोना बड़ा मुश्किल हो रहा है, वहीं लोगों का गली से गुजरना दुभर हो गया है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैं रोक रहा हूँ न, मैं खुद ही रोक रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: अरे मैं रोक रहा हूँ भई, भई मैं देख रहा हूँ, रोक रहा हूँ भई मैं रोक रहा हूँ उनको।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैं खुद रोक रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई देखिये माननीय सदस्य आपकी बारी आएगी आप बोलिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं अब इनको बोलने दीजिए।

..व्यवधान..

श्री अजय कुमार महावर: तो वसंत कुंज साउथ थाना के इलाके में इन आवारा कुत्तों ने तीन दिनों में दो मासूम बच्चे सगे भाईयों को मार डाला जो बड़ी विदीर्ण घटना थी, हमारे आदरणीय मेंबर बी.एस. जून जी ने भी इसका जिक्र किया था। 10 मार्च को 7 साल के लड़के पर हमला किया था अब 12 मार्च को उसके छोटे भाई पर हमला कर दिया, इसमें छोटे भाई की मृत्यु भी हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में प्रतिदिन 100 से ज्यादा लोगों को कुत्ते काट रहे हैं, बंदरों का भी अलग काटने का मामला है। इस विषय में अध्ययन करने के लिए और उससे निपटने के लिए हमारे इस सदन के एक माननीय सदस्य जिन्होंने इस पर मेहनत भी की है रिसर्च भी की है श्री सोमनाथ भारती जी की अध्यक्षता में दिल्ली विधानसभा की एक हाउस कमेटी का गठन भी किया गया था अध्यक्ष महोदय जिन्होंने दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार के कई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करके दिसंबर 2019 में अपनी एक रिपोर्ट सदन में रखी थी। अध्यक्ष जी मेरा आपके माध्यम से मंत्री महोदय से अनुरोध है कि सिर्फ दिल्ली नगर निगम पर इसकी जिम्मेदारी न छोड़ें और खुद दिल्ली सरकार इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए कड़े से कड़े मजबूत फैसले ले और श्री सोमनाथ भारती जी की अध्यक्षता वाली ये जो कमेटी की रिपोर्ट जो उन्होंने पेश की है इसे लागू करें क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने काफी रिसर्च की है इन पर। इनकी जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाएं साथ ही इनके रहने के लिए

अलग-अलग जगह विकसित किये जाएं जहां गली के आवारा कुत्तों व बंदरों को पकड़कर रखा जाए, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अनिल कुमार बाजपेयी जी।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय का ध्यान गांधी नगर के एसडीएम आफिस को नंद नगरी में हस्तांतरण की ओर दिलाना चाहता हूँ। 2012 में एसडीएम आफिस गांधी नगर से नंद नगरी यह कहकर ट्रांसफर किया गया था कि इसको वापस गांधी नगर लाया जाएगा। आज इतने वर्षों के बाद भी इसको वापस नहीं लाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि एसडीएम इलेक्शन आफिस गांधी नगर में है। तीन चुनाव मैंने भी लड़े हैं और तीनों की सारी कार्यविधि गांधी नगर एसडीएम आफिस से हुई है। सरकारी विभाग डूडा के अंतर्गत एमएलए फंड का सारा काम भी गांधी नगर डीएम आफिस पुराने आफिस से किया गया है, फिर नंद नगरी क्यों। हैरानी की बात यह है कि गांधी नगर से नंद नगरी तक जाने के लिए कोई सीधी बस नहीं चलती है, सीधी ट्रांसपोर्टेशन नहीं है, लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष जी, मैं पहले भी कई बार इस मुद्दे को दिल्ली विधानसभा में उठा चुका हूँ। अध्यक्ष जी, मैं इस मामले को सदन से लेकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं राजस्व मंत्री तक हर जगह इसकी गुहार लगा चुका हूँ। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर गांधी नगर की जनता की

जायज परेशानी को देखते हुए इसको अविलंब कैबिनेट में पास कराने की कृपा करें। माननीय अध्यक्ष जी, मेरे साथ–साथ कृष्णा नगर के विधायक माननीय बग्गा जी यहां पर बैठे हुए हैं और विश्वास नगर के विधायक माननीय श्री ओम प्रकाश शर्मा जी बैठे हुए हैं, इसका वहां जाने का इनके क्षेत्र में भी उसका असर पड़ रहा और मैंने व्यक्तिगत रूप से भी माननीय अध्यक्ष जी आपसे कई बार इसकी गुहार लगाई है, मेरा अनुरोध है कि इस बार कम से कम इतने साल हो गये हैं मुझे विधानसभा में उठाते हुये, कमेटी में भी हमने कई बार उठाया है, प्लीज़ अध्यक्ष जी, इस पर कोई कार्रवाई की जाये, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः ओमप्रकाश शर्मा जी।

श्री ओमप्रकाश शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री महोदय का ध्यान पूरी दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना की ओर दिलाना चाहता हूँ। मंत्री महोदय भले ही ये दावा करें कि पूरी दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगा दिये परन्तु मैं मंत्री महोदय की जानकारी में लाना चाहता हूँ कि मेरी विधानसभा क्षेत्र विश्वास नगर में आज दिन तक एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लग पाया है। बार–बार सभी डिपार्टमेंटों को चिट्ठी लिखने के बाद उनका जवाब आता है, कभी कहते हैं 15 लगा दिये, कभी कहते हैं 50 लगा दिये कहां लगा दिये हैं उसकी जानकारी किसी प्रकार

की नहीं देते। मेरी विधानसभा विश्वास नगर में आज दिन तक क्यों नहीं एक भी सीसीटीवी कैमरा लग पाया ये दिल्ली सरकार का विश्वास नगर, विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ सौतेला व्यवहार है। अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से अनुरोध करता हूँ कि मेरी विधानसभा क्षेत्र विश्वास नगर में जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगवाये जायें जिससे कि वहां की जनता को इसका लाभ मिल सके, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः पवन शर्मा जी। अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे मेरे क्षेत्र की एक बहुत गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र में खानपुर बंजारा कैम्प करके एक झुग्गी बस्ती है और अभी कुछ दिन पहले यहां से एम.बी. रोड़, खानपुर बंजारा कैम्प के पास से एक रोड़ निकाल रही थी तो उसके लिये मैट्रो ने कुछ झुग्गियों की ज़मीन एक्वायर की और उन झुग्गियों को तोड़ दिया। पहले मैट्रो ने कहा की मैट्रो उन झुग्गीवासियों को पैसे देगी या उनको मुआवज़ा देगी या उनको दुकानें देंगी क्योंकि यहीं पर कुछ झुग्गी में अपना वो भरण-पोषण करने के लिये ये लोग ये कुछ काम भी कर रहे थे तो आज वो झुग्गियां तोड़ दी गई हैं और ये केस मैट्रो ने डूसिब पर ट्रांसफर कर दिया कि डूसिब इसको देखेगी जबकि डूसिब को भी मैट्रो ने अभी मुआवज़ा नहीं दिया। मेरे संज्ञान में आया है कि उन्होंने सिर्फ 10 परसेंट उसका मुआवज़ा दिया है और गंभीर विषय यह है की जो झुग्गीवासी वहां पर रह रहे थे और

अपना भरण-पोषण कर रहे थे आज वो सब रोड़ पर बैठे हुये हैं और मैट्रो ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और डूसिब को कह रहे हैं कि आप इनका रिहैब्लिटेशन करो। अध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से मेट्रो से ये निवेदन है कि इन लोगों को आप मुआवज़ा दें, जिनकी दुकानें गई हैं उनको दुकानें बनाकर दें, जिनके झुग्गियां टूटी हैं उनको कहीं पर फ्लैट बनाकर दें और नहीं तो जो भी कैश का मुआवज़ा बनता है वो दें। इस केस को डूसिब पर ना डालें क्योंकि आज तक जो भी जगह मैट्रो लेती है वो मैट्रो ही उसका रिहैब्लिटेशन करती है। मेरे क्षेत्र के निवासी जो बंजारा कैम्प के निवासी हैं वो बहुत दुःखी हैं उनकी आज रोटी-रोज़ी नहीं चल रही है। तो मेरा आपसे ये विनम्र निवदेन है कि इस केस को मैट्रो को बुलाकर पूछा जाये कि भई आप इनका कैसे रिहैब्लिटेशन करेंगे और अगर डूसिब और मैट्रो दोनों मिलकर करना चाहते हैं तो जल्द से जल्द उनको रिहैब्लिटेट किया जाये, उनको मुआवज़ा दिया जाये और उनको दुकान, मकान जो भी बनाकर दे सकते हैं वो दिये जायें, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से लोक निर्माण विभाग के माननीय मंत्री महोदय का ध्यान करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले रोड़ जो की भजनपुरा से शेरपुर मोड़ तथा शेरपुर मोड़ से दयालपुर, दयालपुर से करावल नगर तक जाने वाली सड़क की ओर दिलाना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, ये दो विधानसभाओं को ये रोड़ जाती है जोकि भजनपुरा चौक से दोनों विधानसभाओं के बीचों बीच एक अवैध मज़ार बनी हुई है जिसकी वजह से भजनपुरा चौक पर आये दिन ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न होती है और लोगों के आने-जाने का परेशानियों का सामना करना पड़ता है, यही नहीं अध्यक्ष महोदय, करावल नगर की बसें भी इधर आने में काफी दिक्कतें हो रही हैं, इतना ही नहीं चाँद बाग मेन रोड़ के ऊपर अनाधिकृत कब्जे हैं। सर, इस रोड़ के ऊपर लोगों ने गाड़ियों की पार्किंग वगैरह इस रोड़ पर बनाई हुई है जिसकी वजह से लोगों का आना-जाना दुश्वार है। यही नहीं इस रोड़ पर होटल बनाये गये हैं, रेहड़ी वालों द्वारा रोड़ पर जाम की स्थिति उत्पन्न की जा रही है। इस संबधा में संबंधि त अधिकारियों को बार-बार कहने के बावजूद अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। यही हालत खजूरी चौक से लेकर के शहीद भगत सिंह तक रोड़ के ऊपर ऑटो-रिक्शा वाले, रेहड़ी वाले, पटड़ी वालों ने सड़कों को जाम कर रखा है जिसकी वजह से भारी ट्रैफिक जाम की समस्याओं से जूझना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री जी से अनुरोध है कृपया संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर के मेरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली सड़कों को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाये, साथ ही दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से इनमें ऑटो-रिक्शा, रेहड़ी इनसे भी मुक्त कराई जाये ये मेरा आपने नम्र निवेदन है, आपने बोलने का समय दिया, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री ऋतुराज गोविंद जी।

श्री ऋतुराज गोविंदः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने 280 के तहत मुझे बोलने का मौका दिया। किराड़ी विधानसभा क्षेत्र पूरी दिल्ली में एकमात्र कॉन्सिटिट्वेंसी है जो 99 प्रतिशत अनॉथराइज़् कॉलोनी है और हमारे यहां पर जो जल भराव है बरसात के दौरान और वैसे भी क्योंकि पानी की निकासी ही सबसे बड़ी प्रोब्लम है, पिछले डेढ़ साल लगातार चप्पल घिसकर के दिल्ली-भटिंडा रेलवे लाइन पर में एक बड़ा नाला का निर्माण कार्य होना है जोकि 70 कॉलोनियों का पानी का निकासी एकमात्र नाले से होगा। रेलवे से ज़मीन ले ली गई है MOU हो गया है पूरा प्रोजेक्ट तैयार है हमारे माननीय मंत्री मनीष सिसोदिया जी जब यू.डी. मिनिस्टर थे उन्होंने ऑलरेडी ज्वांइट मीटिंग करके in principle approval दे दिया।..

माननीय अध्यक्षः भई ऋतुराज जी एक सैकेंड रूकिये, मैंने तीन दिन पहले एनाउंस किया था जितना इसमें लिखकर देंगे उतना पढ़ने की इजाज़त है।

श्री ऋतुराज गोविंदः जितना इसमें लिखा है उतना ही पढ़ रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः ना, उससे ज्यादा बोल रहे हैं।

श्री ऋतुराज गोविंदः सर।

माननीय अध्यक्षः नहीं हम जल्दी में कर लेते हैं और फिर जब बोलने लगते हैं तब हम, आप अच्छा बोलते हैं।

श्री ऋतुराज गोविंदः अभी ये डिटेल में लिखकर अभी हम दे देंगे आपको, विषय तो वही है अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः नहीं तो सदन पटल पर यही विषय रखा गया है बस चार लाइन का।

श्री ऋतुराज गोविंदः इसी विषय पर बोल रहा हूँ कि दिल्ली-भटिंडा रेलवे लाइन पर जो नाला बनना है अध्यक्ष महादेय आज से 100 दिन बाद आज से 100 दिन बाद जब दिल्ली में बरसात होगी तो ये 70 की 70 कॉलोनी डूब जायेगी अगर इसको समय पर एग्जिक्यूट नहीं किया गया। मेरा हाथ जोड़कर निवेदन है फाइनॉन्स मिनिस्टर से और यू.डी. मिनिस्टर से final stage expenditure and finance committee है जहां पर ये प्रोजेक्ट ऑलरेडी लंबित है माननीय हमारे जो मंत्री हैं फाइनॉन्स मिनिस्टर वो इस बात को इन्श्योर करें की जल्दी से जल्दी expenditure and finance committee की मीटिंग हो और इस प्रोजेक्ट को जल्दी से जल्दी पास किया जाये ताकि ये प्रोजेक्ट जल्दी से ज़मीन पर चालू हो। 100 दिन के बाद जब बरसात होगी अध्यक्ष महोदय ऐसी स्थिति होगी ज़मीन के नीचे से भी पानी आ रहा है और पूरा का पूरा एरिया floded हो जायेगा, इसलिये मेरा हाथ जोड़कर निवेदन है फाइनॉन्स मिनिस्टर से यू.डी. मिनिस्टर से कि हम किराड़ी के 8 लाख लोगों का जो जीवन है वो एक नाले से उनका जो जीवन है बेहतर हो सकता है, उसको जल्दी से जल्दी करने की कृपा करें ऐसा मेरा आपसे हाथ जोड़कर निवेदन है।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई विजेंद्र जी फिर दिक्कत है आपके साथ।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं एक ओर तो उधर से कोई बोलता है तो आप लोग कहते हैं डिस्टर्ब मत करो।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः तो आपको क्या दिक्कत है आप मुझे बताईये ना, आप मुझे बताईये ना क्या कहना है आपको।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं बैठ जाईये, मैं, इजाज़त नहीं दी है मैंने, मैं कोई इजाज़त नहीं दे रहा हूँ प्लीज़, मैं मैं कोई इजाज़त नहीं दे रहा हूँ प्लीज।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिये। बिधूड़ी जी, बिधूड़ी जी, भई प्लीज़, बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय परिवहन मंत्री जी का ध्यान दिल्ली सरकार द्वारा डी.टी.सी. के रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन नहीं मिलने तथा डी.टी.सी. में तैनात किये गये बस मार्शलों को समय पर वेतन नहीं

दिये जाने के महत्वपूर्ण मामले की ओर दिलाना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, पेंशन प्राप्त करने वाला कोई भी रिटायर्ड कर्मचारी आज के समय में पेंशन राशि से कितनी मुश्किलों से अपना और अपने आश्रितों का भरण-पोषण करता है यह सभी जानते हैं। इसलिये दिल्ली सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली परिवहन निगम के किसी भी पेंशनधारकों को पेंशन मिलने में देरी नहीं होनी चाहिये, दूसरी ओर डी.टी.सी. बसों में तैनात लगभग साढ़े चार हज़ार बस मार्शलों को भी कई महीने से मासिक वेतन समय पर नहीं दिया जाता है जिस कारण इनके परिवारजनों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष जी, दूसरी ओर डी.टी.सी. में लगभग 700 पद रिक्त होने के बावजूद अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति नहीं की जा रही है और जिन लोगों को अनुकंपा के आधार पर कॉन्टैक्ट पर नियुक्ति मिली थी उन्हें सालों बाद भी स्थाई नहीं किया जा रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा किये गये वायदे के अनुसार कान्ट्रैक्ट पर कार्यरत हज़ारों कर्मचारियों को अभी तक नियमित नहीं किया गया है। जिसके कारण उनमें दिल्ली सरकार के प्रति अत्यंत असंतोष और आक्रोश है। अतः अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से माननीय परिवहन मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि डी.टी.सी. के पेंशनरों एवं अस्थाई कर्मचारियों तथा डी.टी.सी. बसों में तैनात मार्शलों आदि की समस्याओं को जल्द से जल्द समाधान करवाने की कृपा करें। आदरणीय अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री जी ने भी इन समस्याओं के समाधान के लिये डी.टी.सी. के कर्मचारियों से, मार्शलों से अनेक

बार वायदा किया है। मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी यहां बैठे हुये हैं, कि जरूर मुख्यमंत्री की कमिट्मेंट को पूरा करेंगे और हज़ारों डी.टी.सी. के कर्मचारियों के साथ मार्शल्स के साथ न्याय करेंगे ऐसा मैं सरकार से उम्मीद करता हूँ बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री कादियान जी।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान जो रिंग रोड़ है धोला कुंआ से और मायापुरी की तरफ जो जा रहा है एक फ्लाईओवर है माननीय अध्यक्ष जी उस फ्लाईओवर के नीचे अवैध पार्किंग बनी हुई है और जब उसको पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने कहा की हमारी जानकारी में ये पार्किंग नहीं है तो वो एक घिसापिटा सा फोटोकॉपी वाला पत्र लेकर आ गये किजी एमसीडी ने हमें परमीशन दी है।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः 10 हजार रुपए हर गाड़ी वाले से वो ले रहे हैं महीने के हिसाब से। तो उस अवैध पार्किंग को हटाया जाए और एमसीडी को ये निर्देश दिलाया जाये कि वो ऐसे पत्र जारी न करें क्योंकि जो जमीन पीडब्ल्युडी की है, वो पीडब्ल्युडी के अधिकारियों को, उस पर आपत्ति है। गांव के लोगों की गाड़ियां जो पहले मुफ्त में खड़ी होती थी, आज पार्किंग माफिया उनसे पैसे वसूल कर रहे हैं। इस कार्रवाई पर रोक लगाई जाए और फ्लाईओवर के नीचे का जो एरिया है, उसका सौंदर्यकरण कराया जाए।

माननीय अध्यक्ष जी, एक और समस्या मेरे क्षेत्र में है कि जो रोड हैं वंदे मातरम रोड, करोल बाग से धौलाकुंआ होते हुए एयरपोर्ट जा रहा है तो वहां पर एडवर्टाइजमेंट के लिए बहुत से यूनीपोल लगे हुए हैं। वो सारे के सारे यूनीपोल आप देखोगे हर 100 मीटर पर एक यूनीपोल लगा हुआ है। किसी की परमिशन नहीं है। मैंने पीडब्ल्युडी अधिकारियों से पूछा कि भई ये यूनीपोल किसकी परमिशन से लगे हैं तो बोले जी हमारी परमिशन से तो लगे नहीं हैं। ऐसे ही धौलाकुआं एयरपोर्ट के आस पास लगे हुए हैं। रिंग रोड पर ऐसे कई यूनीपोल लगे हैं, जो एडवर्टाइजमेंट के लिए लगे हैं और ये सारे के सारे अवैध यूनीपोल को हटवाने का निर्देश पीडब्ल्युडी को दिया जाए।

माननीय अध्यक्ष जी, ये दिल्ली कैंटोनमेंट असेम्बली का जो क्षेत्र है, वो एमसीडी के तहत आता भी नहीं है। फिर भी वो फर्जी एमसीडी की वो दिखा देते हैं कि जी एमसीडी ने हमें परमिशन दे रखी है जबकि मैंने एमसीडी कमिश्नर से बात की तो वो कहते हैं जी हमारा तो ये क्षेत्र नहीं है तो हम परमिशन दे नहीं सकते। फिर ये पता नहीं कहां से वो फर्जीवाड़ा करके परमिशन ले लेते हैं। तो इन सब पर रोक लगाई जाएं, जिससे राज्य को जो रेवेन्यू लोस हो रहा है, उसकी भी भरपाई हो और अवैधयूनिपोल एडवर्टाइजमेंट माफिया और पार्किंग माफिया से छुटकारा मिल सके। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का अवसर दिया।

माननीय अध्यक्षः श्री अखिलेशपति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मेरे क्षेत्र का एक अति महत्वपूर्ण विषय उठाने का मौका दिया है। ये मामला मैट्रो के चतुर्थ फेज में चल रहे निर्माण से संबंधित है और उसके स्टेशन के नामकरण से संबंधित है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में ऐतिहासिक गुरूद्वारा, गुरूद्वारा श्री नानक प्याऊ साहिब स्थित है। ये वो गुरूद्वारा है, जहां पर जब पूरे दिल्ली में महामारी फेल गयी थी, मानवता संकट में पड़ गयी थी, उस समय धान्य गुरू गुरू नानक देव साहिब जी ने आकरके प्याऊ का स्थापना किया और उस प्याऊ के जल को ग्रहण करने से सभी लोगों का जो हैजा का बीमारी फेला हुआ था, इंसानियत खत्म हो रही थी, मानव खत्म हो रहे थे, उसको बचाने का काम हुआ था वहां से। अब वो स्टेशन बनकर तैयार होने वाला है। बिल्कुल गुरूद्वारे के अपोजिट साइड में, ये लोक भावना है पूरे क्षेत्र के लोगों का, मेरे विधान सभा के क्षेत्र के लोगों का भावना है कि इस मेट्रो स्टेशन का नाम गुरूद्वारा श्री नानक प्याऊ साहिब डेरावल नगर रखा जाए ताकि एक ओंकार का संदेश देकरके पूरे दुनिया को अपना एक परिवार मानने वाले धान्य गुरूदेव, गुरूनानक देव साहिब जी को हम लोग अपनी तरफ से एक जो 550वां वर्ष भी पीछे पूरा किया है और सरकार का लगातार ध्यान दे रहा है कि ऐसे महान संतों, ऐसे महान गुरूओं के परंपरा को आगे बढ़ाते रहें।

आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी इसके बहुत पक्षधर रहे हैं। हमारे दो साथी भाई जरनैल सिंह जी और हमारे चांदनी चौक से विधायक साहनी साहब यहां बैठे हुए हैं। उनके पास भी तमाम् लोगों ने कई बार जाकर मीटिंगें कर ली हैं। हमारे आस पास के क्षेत्र के विधायक हैं साथी दिलीप पाण्डे जी उनके पास भी कई बार संगत के लोग गए हैं। आज इस भावना को पूरा करते हुए मैं सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से गुजारिश करना चाहता हूँ अध्यक्ष जी कि इस स्टेशन का नाम गुरूद्वारा श्री नानक प्याऊ साहिब के नाम पर रखा जाए और साथ ही एक और मेट्रो स्टेशन हमारे क्षेत्र में है वो दूसरी विधान सभा के क्षेत्र के नाम पर रख दिया गया है, अशोक विहार के नाम पर।..

माननीय अध्यक्षः भई ये विषय इसमें..

...व्यवधान...

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः है लिखा है। लिखा है सर। अशोक विहार मेट्रो स्टेशन रख दिया गया है, उसका नाम भी गुजरावाला टाऊन मेट्रो स्टेशन रखने का काम किया जाए क्योंकि जो क्षेत्र है, उस क्षेत्र के नाम से नामकरण हो स्टेशन का। इसमें विसंगति आ गयी थी, ये दोनों पूरा किया जाए। ये लोक भावना से जुड़ा हुआ मुद्दा है। बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत बहुत आभार।

माननीय अध्यक्षः जो माननीय सदस्य देर से आए हैं, मैं अब उनके नाम बोल रहा हूँ। उसके बाद आने वालों का नाम नहीं

लूँगा। श्री नरेश बाल्यान जी, राजेश गुप्ता जी, प्रमिला टोकस जी, पवन शर्मा जी।

श्री पवन शर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

...व्यवधान...

श्री पवन शर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे 280 के तहत् बोलने का अवसर दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान आदर्श नगर विधान सभा की कॉलोनी मजलिस पार्क की तरफ दिलवाना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मजलिस पार्क की चार पांच गलियां 10, 11 और 12 और 13 नंबर जब भी बारिश आती है, उसमें जल भराव हो जाता है। लोगों के घरों में पानी घुस जाता है, लोगों के बेड, अलमारी वगैरह बहुत सामान खराब हो जाता है, तो इसकी वजह ये है कि जो हमारे पीडब्ल्युडी के नाले हैं, तो कॉलोनी के पानी की निकासी की दिक्कत है, पीडब्ल्युडी के नाले का लेवल, ग्राउंड लेवल ऊंचा है कॉलोनी से तो पहले भी ये प्रश्न मैंने उठाया था अध्यक्ष महोदय और पीडब्ल्युडी के अधिकारियों से मैं मिला भी हूँ। काफी बार बोला भी है मैंने, लेकिन अभी तीन दिन पहले बारिश आयी फिर वही हाल हुआ। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपा करके मेरी विधान सभा की इस समस्या का समाधान निकलवाया जाए। धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्ष: श्री जय भगवान जी।

श्री जय भगवान: धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे 280 के तहत् अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का अवसर प्रदान किया। अध्यक्ष जी मैं सबसे बड़ी तो जन समस्या है आज के टाइम में, उसपर बोलने जा रहा हूँ। आज पूरी दिल्ली और पूरे देश के अंदर जो रैम्प की जो समस्या है, वो बहुत बड़ी समस्या है। चाहे वो अन-अर्थोराइज कॉलोनी है, चाहे वो सेक्टर है, चाहे वो हमारे गांव है चाहे हमारे रिसैटलमेंट कॉलोनियां हैं, सभी के अंदर अध्यक्ष महोदय, जगह जगह लोग अपने घर के बाहर न रैम्प बना लेते हैं, उस रैम्प की वजह से जैसे हमारी जो सरकार है चाहे वो पीडब्ल्युडी का रोड है, चाहे वो एमसीडी का रोड है, चाहे वो हमारे फ्लड का रोड है चाहे वो डीडीए का रोड है, सभी लोग रोड पर रैम्प बनाते हैं।

अध्यक्ष महोदय और जैसे कि हम लोग माननीय विधायक जितने भी यहां पर बैठे हुए हैं, सभी विधायक जैसे रोड बना रहे हैं तो जिसका घर है वो रैम्प बना देता है फिर उसको देखकर दूसरा रैम्प बना देता है, उसको देखकर तीसरा रैम्प बना देता है तो वहां पर इंक्रोचमेंट हो जाता है रोड और नया रोड बिल्कुल खराब हो जाता है अध्यक्ष महोदय, जिसकी वजह से बहुत ज्यादा परेशानियां होती है, लड़ाई-झगड़े होते हैं। तो ये जो मुद्दा अध्यक्ष महोदय, बहुत बड़ा मुद्दा है और पूरे देश का मुद्दा है और पूरी दिल्ली का मुद्दा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ इस पर एक कानून बने कि कोई भी व्यक्ति अपने घर के बाहर रैम्प न बनाये, जिससे कि दिल्ली

साथ-सुथरी लगेगी, सुन्दर भी रहेगी और जो साफ-सफाई की जो समस्या है, उससे भी हमें समाधान मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय दूसरा मेरा मुद्दा ये है कि जितने भी हमारे पीडब्ल्युडी के रोड हैं, जो मेन रोड है हमारे जैसे कि चाहे मेरी बवाना विधान सभा के अंदर दो रोड है। एक कंझावला रोड और एक बवाना रोड। उन दोनों रोडों पर जो पीडब्ल्युडी की हाई टेंशन वायर है, वो बहुत ज्यादा मेन रोड के अंदर पोल आये हुये हैं अध्यक्ष महोदय। तो मेरा निवेदन है सदन के अंदर क्योंकि मैंने कई बार टाटा पावर को भी लिखा है कि ये जो सारी हाई टेंशन वायरें हैं, मेन रोड से हटा दी जाएं, जिससे कि जो इंक्रोचमेंट हैं, वो पूरी तरीके से हट जाएगा और जो रोड पर जो जाम लगता है, वो जाम से मुक्ति मिलेगी।

अध्यक्ष महोदय तीसरी मेरी समस्या है अवैध दुकानें। अध्यक्ष महोदय, ये भी पूरी दिल्ली का मुद्दा है और पूरे देश का भी मुद्दा है। अध्यक्ष महोदय, आज कल न फैशन हो गया है कि लोग अपनी जो दुकानें हैं, दुकान के अंदर सामान न रख के दुकान के बाहर 20 फुट सामान रखते हैं और जो मेन रोड होते हैं, उस पर इंक्रोचमेंट कर देते हैं जिससे आम जनता को आने जाने में बहुत ज्यादा परेशानी होती है। वहां से एम्बुलैंस भी नहीं निकल सकती रोडों से। तो अध्यक्ष महोदय मेरा निवेदन है इस पर भी एक कानून बनना चाहिए कि लोग अपनी दुकान के अंदर ही सामान लगाएं। दुकान से बाहर बिल्कुल सामान न रखें।

चौथा मेरा अध्यक्ष महोदय हम लोग पीडब्ल्युडी रोड से बाईपास के ऊपर जाते हैं तो अध्यक्ष महोदय, हमने फ्लाईओवर बनाया हैदरपुर से सीधा मधुबन चौक तक लेकिन जब हम लोग नीचे उतरते हैं हैदरपुर पर तो अध्यक्ष महोदय, वहां दो दो, ढाई ढाई घंटे जाम लगता है, जिसकी वजह से आम जनता बहुत ज्यादा परेशान होती है और बहुत ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय पीडब्ल्युडी जो हमारे मंत्री हैं, मैं उनका ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ कि जो हैदरपुर फ्लाईओवर बना रखा है आपने मेट्रो स्टेशन के पास में, वहां से एक कनेक्टिविटी सीधा जो हमारी जो यमुना कैनाल है, हरियाणा यमुना कैनाल से डीटीयू कॉलेज तक सीधा निकाल दें एक फ्लाईओवर, जिससे जो बवाना और हरियाणा को जाने वाले जो लोग हैं, वो नॉन-स्टोप वहां से चले जाएंगे, जिससे वहां पर जाम नहीं लगेगा और एक अध्यक्ष महोदय, जो हमारा जो नीचे सेक्टर 13 के अंदर नीचे एक फ्लाईओवर बनाया जाए, जिससे कि लोग जो हैदरपुर नीचे से जाते हैं,..

माननीय अध्यक्षः ये जय भगवान जी, आप जो पढ़ रहे हैं, इसमें..

..व्यवधान..

श्री जय भगवानः अध्यक्ष महोदय जी आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया,..

माननीय अध्यक्षः सेक्टर 13 वाला कोई मेंशन नहीं है।

श्री जय भगवानः बहुत बहुत धन्यवाद, नमस्कार, जय हिंद।

माननीय अध्यक्षः गिरीश सोनी जी।

श्री गिरीश सोनीः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने 280 के तहत् मुझे मेरी ही नहीं बल्कि दिल्ली की पूरी समस्या के विषय में बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी लगभग 45 जेजे कॉलोनियों में रिहायशी प्लॉट हैं। जेजे टेनामेंट में, झुग्गी में, विकल्प में पूनर्वासित किया गया। इस कॉलोनी के अधिकतर अनधिकृत अवैध वैधा डैमेज पेयी भुगतान जो प्रति माह निश्चित किया गया उसे देकर वे रह रहे हैं। स्लम विभाग अब जबकि डुसिब है, ने अनधिकृत लोग जो 1980 से पहले रह रहे थे, ऐसे लोगों को डैमेज पेयी बना दिया गया। मतलब उनसे उनका वो डैमेज चार्ज ले लिया गया, इस कारण तीन वर्ग बन गए। लाइसेंसी डैमेज पेयी व अवैध काबिज, ऐसे काबिजों की संख्या सुनिश्चित करने के लिए जेजे टेंनामेंट रघुवीर नगर में कितने अधिकृत, अनधिकृत अवैध काबिज व डैमेज पेयी काबिज हैं तत्कालीन शहरी विकास मंत्री ने सर्वे करने का आदेश जारी किया। वर्ष 1987 में विभाग आदेशों के अनाधिकृत, काबिज जोकि 1980 से पहले के रह रहे थे, डैमेज पेयी प्रतिमाह निश्चित किया गया। ऐसे काबिजों को डैमेज पेयी की जगह trespasser की श्रेणी में मान लिया गया। अध्यक्ष जी, डूसिब बोर्ड की पिछली मीटिंग में अजेंडा आइटम 31/34, टेबल अजेंडा में

प्रस्ताव किया गया कि सभी खरीद-फरोख्त, काबिज के खिलाफ कोई भी कार्रवाई न की जाए, अवैध काबिज trespasser को छोड़कर। इस संबंध में इन लोगों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई न की जाए जोकि डैमेज पेयी अवैध काबिज हैं, वे विभाग के रिकॉर्ड में 1980 से पहले रह रहे हैं, ऐसे लोगों की श्रेणी को डैमेज पेयी माना जाए, न कि अवैध काबिज, व ऐसे लागों के खिलाफ कोई भी बेदखल की कार्रवाई न की जाए। इस प्रस्ताव को बोर्ड एजेंडा में लगाकर सन 1980 से पहले के जे.जे.कॉलोनी, JJ tenement के अवैध काबिज हुए डैमेज पेयी लोगों को भी नियमित पॉलिसी के हकदार माना जाए व कोई भी बेदखल कार्रवाई न की जाए। मैं ये चाहता हूँ अध्यक्ष जी ये फ्लैट्स जो हैं, 1980 से अगर लोग वहां रह रहे हैं पहले से, इतने पुराने रह रहे हैं तो उनको, मैं समझता हूँ कि इसके लिए एक पॉलिसी डूसिब बोर्ड बनाये। धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः नरेश यादव जी।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, मेरे महरौली में डीडीए द्वारा तोड़फोड़ की गई थी और ये मुद्दा मैंने विधान सभा में इस तोड़फोड़ होने से पहले भी उठाया था कि ये इस तरह की वहां संभावना है। अध्यक्ष जी, आज जिन लोगों के घर तोड़े गये वो भटक रहे हैं, उनके पास में आधारभूत सेवाएं, सुविधाएं नहीं हैं। तो मैं आपके माध्यम से दिल्ली सरकार को भी ये निवेदन करूंगा,

डीडीए के जो अध्यक्ष हैं वो एलजी साहब हैं, उनसे भी निवेदन करूंगा कि जिन लोंगों के घर तोड़े गये हैं उनको आधारभूत सुविधाएं दी जाए। अध्यक्ष जी, ये जो डेमोलिशन की गई थी ये गलत डिमार्केशन की वजह से की गई थी। ये डिमार्केशन डीएम-साउथ के द्वारा डीडीए द्वारा दबाव में कराई गई, जिसमें वहां के लोगों को इस डिमार्केशन में शामिल नहीं किया, न उनको कोई नोटिस दिया गया, न उनको पता चला कि उनका ये जो है घर है वो इस डिमार्केशन की वजह से लधा सराय गांव में आ गये हैं जबकि वो महरौली गांव में मकान बने हुए हैं सारे। अध्यक्ष जी, ये दो गांव हैं, लध सराय और महरौली गांव, इनका एक बॉर्डर लगता है, लगभग दो किलोमीटर की लाइन है अध्यक्ष जी, उसमें ये जो एरिया ये बता रहे हैं इसमें बहुत थोड़ा-थोड़ा एरिया उस लाइन के आसपास का है जिसमें ये डेमोलिशन की गईं और अध्यक्ष जी, इस डिमार्केशन के बारे में जब हमें पता चला तो माननीय मंत्री-कैलाश गहलौत जी को मुख्यमंत्री साहब ने निर्देश दिए थे कि इसको रद्द किया जाए, इसमें एक नेचुरल जस्टिस का हवाला नहीं दिया गया और न ही लोगों को इसमें शामिल किया गया। तो अध्यक्ष जी, इसके बावजूद भी ये तोड़फोड़ हुई थी। आज भी अध्यक्ष जी लोग दहशत में जी रहे हैं, उनको नहीं पता कि कब डीडीए दुबारा से तोड़फोड़ कर देगी, कब वो वहां पर आ जाएंगे बुलडोजर लेकर, तो आपसे निवेदन है, सरकार से मेरा निवेदन है, एल.जी. साहब से मेरा निवेदन है कि इन लोगों के बारे में सोचा जाए और एक सही

डिमार्केशन वहां पर करवाई जाए जिसमें इन सब लोगों को शामिल किया जाए। धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सुश्री भावना गौड़ जी।

सुश्री भावना गौड़ः मेरा नंबर नहीं था तो मैं लाई नहीं लिखा हुआ, आप कहें तो मैं वैसे ही बोल दूँ।.. अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा-पालम और पालम के अंदर एक वार्ड है, साधा नगर वार्ड,..

माननीय अध्यक्षः कॉपी दे दीजिए उनको एक। कॉपी दिलवा रहा हूँ मैं।

सुश्री भावना गौड़ः जी। जी, शुक्रिया। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरी पालम विधान सभा के साधा नगर वार्ड में एक भूमि का टुकड़ा है जो ग्राम सभा के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके अलावा और जो भी भूमि है वो लगभग-लगभग डीडीए के अधिकार क्षेत्र में आ गई हैं, ग्राम सभा ने उन्हें डीडीए को सौंप दिया है। लेकिन अभी इस फिलहाल 840 गज के टुकड़े को डीडीए को हस्तांतरित नहीं किया गया है। रेवेन्यू विभाग के अनुसार यह भूमि ग्राम सभा की है और क्योंकि यह एरिया क्षेत्रल में कम से कम, अधिक जनसंख्या के लोग यहां पर रहते हैं, यहां रहने वाले लोगों के लिए कोई पार्क की व्यवस्था नहीं है। अध्यक्ष महोदय, साधा नगर के कुछ गणमान्य लोग आज से कुछ वर्ष पूर्व डी.एम. साहब

और हमारे एस.डी.एम. साहब से जाकर के मिले और उन्होंने कहा क्योंकि साधा नगर जो बहुत ज्यादा जनसंख्या वाला एरिया है और क्योंकि वहां पर कोई भी पार्क नहीं है तो यहां पर इस पार्क का, पार्क को, इस भूमि के 840 गज के टुकड़े को पार्क के तौर पर, इस पर पार्क का निर्माण किया जाए, ये विचार उन्होंने अपने अधिकारियों के समक्ष रखा। ऐसा सुनने में आया है कि अधिकारियों ने इस क्षेत्र के लोगों की इस मांग को मान लिया और इस भूमि पर पार्क बनाया जाए, यह तय हुआ।

किंतु अध्यक्ष महोदय आज की स्थिति इसके कुछ विपरीत है। यहां के वर्तमान पार्षद जोकि बीजेपी की हैं उनके पति और पूर्व पार्षद जो साध नगर से रहे थे, उनके बेटे ने किसी भी तरीके से आनन-फानन में आकर के ग्राम सभा के इस टुकड़े को अपने नाम गलत रजिस्ट्री करवाकर के करवा लिया है और आज उस पर लगभग तीन लेंटर डाले जा चुके हैं। जो वर्तमान में पार्षद हैं उनके पति जो बीपेजी से हैं, जो पूर्व में पार्षद रहें उनके बेटे जो बीजेपी से थे, उन दोनों ने मिलकर के ग्राम सभा के इस 840 गज के प्लॉट पर, इस प्लॉट को एक बिल्डर को बेच दिया। लगभग तीन लेंटर उसके ऊपर डाले जा चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, क्षेत्र के अधिकांश लोग जो मुझसे आकर के मिले, उन्होंने इस भूमि के टुकड़े को बचाने की गुहार मुझसे की है। अध्यक्ष महोदय, मैं 280 के माध्यम से इस विषय पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ तथा आपके माध्यम से अधिकारियों से ये निवेदन करना चाहती

हूँ, जोकि हमारे दिल्ली सरकार के ही अधिकारी हैं, डी.एम., एस. डी.एम., दोनों दिल्ली सरकार के अंतर्गत आते हैं, इस पर जो लेंटर डाले गये हैं उसको हटाया जाए वहां से और ये भूमि साध नगर के लोगों के लिए पार्क के तौर पर हम अपने क्षेत्र के लोगों को सौंप पाये, इतना निवेदन है। आपने 280 में बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद सर।

माननीय अध्यक्षः सुरेंद्र कुमार जी।

सुश्री भावना गौड़ः और सर इस विषय को जांच के लिए किसी कमेटी को सौंप दिया जाए।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, आपने 280 में बोलने का समय दिया उसके लिए धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको अपनी विधान सभा गोकलपुर, पीडब्लूडी- रोड मंत्री का ध्यान भी विधान सभा के सेवाधाम मंडोली रोड की तरफ लेकर जाना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, मंडोली के सेवाधाम रोड पर यूपी बॉर्डर, आसपास में औद्योगिक क्षेत्र के कारण रोज हजारों गाड़ियां आती जाती हैं जिसके कारण से रोजाना 6 से लेकर 7 घंटे भयंकर जाम की समस्या रहती है जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति तक आना जाना नामुमकिन सा हो जाता है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जनहित में ये गुजारिश करना चाहता हूँ कि ये रोड मेरे विधान सभा की लाइफलाइन रोड है और जिससे कि ये दोनों वार्ड, जौहरीपुर वार्ड और आपका हर्ष विहार वार्ड, दोनों से

टचिंग है। तो आपसे मैं कहना चाहता हूँ कि ये रोड पीडब्लूडी के अधीन आती है, इस सड़क को चौड़ा करने के लिए पीडब्लूडी, डी.एम., एस.डी.एम., ट्रैफिक पुलिस और पुलिस के अधिकारियों के साथ एक कमेटी का गठन करके अविलंब इस सड़क को चौड़ा करने का काम किया जाए। मैं पहले भी इस विषय पर कई बार आग्रह कर चुका हूँ लेकिन विभाग द्वारा कभी भी इस पर संज्ञान नहीं लिया गया। कृपया इस पर तुरंत कार्रवाई करवाने का कष्ट करें। धन्यवाद सर।

माननीय अध्यक्षः भूपेन्द्र सिंह जून जी। श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों जी।

श्रीमती राजकुमारी ढिल्लोः अध्यक्ष महोदय जी, आपने मुझे 280 पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करती हूँ। अध्यक्ष महोदय जी, एक हमारी योजना है 'जहां अंधोरा, वहीं उजियारा' उसके तहत जितने भी विधान सभा में नगर निगम की गलियां हैं या डूबिस की गलियां है वहां हमारी एक योजना शुरू हुई थी कि हर घर के बाहर, जिसके माथा जो है घर का कम चौड़ा है, जहां सीमेंटिड पोल नहीं लग सकते एमसीडी की पतली-पतली गलियों में वहां पर, जिसमें हम निवासियों को 20 यूनिट की हम सब्सिडी भी हम देते हैं लेकिन जो ये हमारी योजना है ये तकरीबन एक साल से बंद पड़ी हुई है तो अध्यक्ष जी बहुत ही आज की ये जरूरत है, बहुत अच्छा दिल्ली सरकार काम कर रही है, सीसीटीवी कैमरे लगा रहे हैं, लोगों की एक मांग है ये कि वहां

पर जो हमारी योजना को अभी एक साल से रोका हुआ है, किसी कारणवश रूकी हुई है वो, उसको अध्यक्ष जी, लोगों की, निवासियों की मांग पर अब उसको तुरंत उसको चालू करवायें। धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः अभय वर्मा जी। अंतिम है ये।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय लोक निर्माण विभाग की मंत्री महोदया का ध्यान लक्ष्मी नगर विधान सभा क्षेत्र में स्थित गणेश चौक जोकि मदर डेयरी, मुख्य रोड पर है, वहां पर एक फुटओवर ब्रिज बनाने का प्रस्ताव पिछले 3 सालों से लंबित है। कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ पत्राचार एवं व्यक्तिगत मुलाकात कर आग्रह कर चुका हूँ परंतु अभी तक इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। आदरणीय अध्यक्ष जी, इस फुटओवर ब्रिज का बनना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि मंडावली, साउथ गणेश नगर, पांडव नगर और गणेश नगर कॉम्प्लेक्स के लोगों को मुख्य रोड पार करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे आम लोगों में बहुत दिक्कत होती है। यहां तक मंडावली और साउथ गणेश नगर के निवासियों को अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन जाने के लिए काफी घूमकर जाना पड़ता है। विभाग द्वारा मुझे यह बताया गया कि इस कार्य के लिए फंड स्वीकृत हो गया और यह कार्य टेंडर प्रक्रिया में है। यह विभाग लगभग एक साल से मुझे अलग-अलग बहाने बताकर विलंब कर रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा लक्ष्मी नगर विधान

सभा क्षेत्र में होने वाले हर कार्य के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। मेरे विधान सभा क्षेत्र से जुड़े हुए लोक निर्माण विभाग के कार्यों में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए अध्यक्ष जी। माननीय मंत्री महोदया जी से आग्रह है कि इस अति महत्वपूर्ण विषय को संज्ञान में लेकर जल्द से जल्द फुटओवर ब्रिज बनाने की प्रक्रिया के अड़चनों को दूर कर अविलंब फुटओवर ब्रिज बनाने का कार्य शुरू किया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः मुझे ये विषय सबसे पहले लेना चाहिए था, बधाई का, ये गलती रही मेरे से। ये देश के लिए बहुत ही खुशी और गौरव का विषय है कि महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत ने चार गोल्ड मेडल जीते हैं। भारत की बेटियों ने चार गोल्ड मेडल जीतकर सभी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। मैं चारों पदक विजेता खिलाड़ियों नीतू, स्वीटी बूरा, निखत जरीन, और लवलीना को हार्दिक बधाई देता हूँ। आशा है इन खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से देश के अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। धन्यवाद।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई मैं देखिये विषय मुझे जो समय है मेरा निर्धारित है।

श्री अभय वर्माः चौबिस, पर एक अकेला भी रह गया है,..

माननीय अध्यक्षः नहीं कई रह गये हैं, कई रह गये हैं। अब एक रह गया कोई तो एक छूटेगा ना, एक, दो, तीन ऐसा थोड़ी है जी। माननीय सदस्य अजय महावर ने श्री कैलाश गहलोत मान्य वित मंत्री और श्री गोपाल राय माननीय विकास मंत्री के विरुद्ध सदन में प्रस्तुत होने से पहले बजट की जानकारी कथित रूप से लीक होने का आरोप लगाते हुए नियम 66 के अंतर्गत विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। मैंने इस शिकायत की जांच की है और यह पाया है कि बजट की कोई जानकारी लीक नहीं हुई जिसे विशेषाधिकार हनन माना जा सके। इसके अलावा लोकसभा में इसी तरह के एक उदाहरण के तहत दिनांक 3 मार्च, 1956 को लोकसभा के माननीय अध्यक्ष ने भी यह व्यवस्था दी थी कि बजट की जानकारी देना विशेषाधिकार हनन का मामला नहीं है। अतः मैं इस नोटिस को निरस्त करता हूँ। ध्यानआकर्षण नियम 54 मुझे श्री जरनैल सिंह माननीय सदस्य से नियम 54 के अंतर्गत ध्यानाकर्षण की सूचना प्राप्त हुई है मैं जरनैल सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि वे संक्षेप में अपना विषय प्रस्तुत करें।

श्री जरनैल सिंहः बहुत-बहुत..

माननीय अध्यक्षः एक, एक इनको ये लोकसभा के निर्णय की कॉपी दे दीजिए।

श्री जरनैल सिंहः बहुत-बहुत मेहरबानी स्पीकर साहब, स्पीकर साहब नियम 54 विच इस बहुत ही गंभीर मामले नू रखां दां

समाधाण वास्ते तोडा धन्यवाद। कल तो वे हिसाब लोग फोन करके इस मसले ते मेरे आगे रोस प्रकट कार्या ने। ए साडे देश दे प्रधानमंत्री दा पीएमओ ग्रीवेंस पोर्टल है एडे उते स्पीकर साहब एक ऑप्शन है, आंतरिक सुरक्षा के संबंध में उस ऑप्शन दे आगे होर विकल्पा तो तुसी जाओ ते उदे विच क्लियर लिख्या होया है सिख मिलिटेन्सी एक्टीविटी सिख उग्रवादी गतिविधियां भारत/विदेश। स्पीकर साहब मैं पुछना चाह रहे हैं किस हक दे नाल, ए प्रधानमंत्री दी साईट ते सिखा नू, उग्रवादी लिखा गया है। स्पीकर साहब ऐ किन्ना दे बारे लिख रहे ने। इस देश दी आजादी बिच जे 121 बंद्या ने फांसी दीती है, फांसी ते चढ़े ने ते उसदे बिचों 93 सिक्ख सी। स्पकीर साहब जी 2626 बंदे उमरकैद दी सजा भोगण गये ने देश दी आजादी वास्ते, ते उसदे बिचों 2147 बंदे सिख सी। आज शहीदे आजम भगत सिंह, करतार सिंह सराबा आज उधाम सिहं जी दी आत्मा ते की बीत रही होएगी कि आजाद भारत बिच साडे देश दी प्रधानमंत्री दी साइट ते सानू उग्रवादी लिखा जाएगा। स्पीकर साहब किस धारम दी गल करदे हो। कोई धारम आतंकवाद नहीं सिखांदा। आतंकवाद दा कोई धारम होंदा ही नहीं। पर तुसी किस धरम दे बारे कह रहे हो, जो धर्म हमेशा सरबत दे भले दी गल करदा है, सिखा ने हमेशा मनुखता दी सेवा कीती है जो हमेशा लंगर लगांदे है। किथे आपदा आ जाए ते हमेशा सबतो आगे मदद करन लई खड़े होंदे ने। ते भारत दी आजादी छडो आजाद भारत बिच देश दी सरहदां ते रक्षा करदे होये। जो सबतो ज्यादा तिरगें बिच लिपट के लाशां किसे दी आंदिया ने ते ओ सिखा दी

आंदिया ने स्पकीर साहब ऐ हो की रिया है। जिस धारम बिच बच्चा बच्चा जे बोल रिया है ''तेरी मिट्टी में मिल जावां गुल बणके मैं खिल जांवा इतनी सी है आरजू'' सानू बचपन ते सिखाया जांदा है, देश दे धारम दी रक्षा वास्ते मर मिट जाओ। पर हो की रिया स्पीकर साहब ते प्रधानमंत्री दी वेबसाईट ते हो रिया है। स्पीकर साहब इस गल ते लोग पूछ रहे नें, साढे तो जवाब नहीं दिता जा रिया भई आजाद भारत विच जद साढा कंस्टीटयूशन दा अनुच्छेद 15 ए कहंदा है कि धर्म दे नां ते किसी वी बंदे नाल कोई गतिकरां नहीं होयेगा ते ए कि कर रहे ने स्पीकर साहब, ऐदा जवाब कौन देगा। आज मैं पूछना चाहदां प्रधानमंत्री साहब तो तुसी पिछले गुरूपर्व ते सारे सिख समुदाय तो माफी मंगी दोवे हाथ जोड़ के ते कया सी मैं तीनों खेती कानून बंद करदां पर तुसी उसतो बाद हमेशा सिखां नूँ इस तरीके नाल सतांदे रहोगे, उनां दे नाल इस तरीके वितकरां करदे रहोगे, ए केड़ा कानून कहदां है। स्पीकर साहब मैं चाहदां कि इस मसले ते जो वी दोषी ने सख्त कार्रवाई होवे ते प्रधानमंत्री साहब ऐदा स्पष्टीकरण देन कि दोषियां ते कार्रवाई करन । मेहरबानी स्पीकर साहब ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई मैंने इजाजत नहीं दी। मैंने बिधूड़ी जी मैंने आपको परमिशन नहीं दी।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैंने आपको इजाजत नहीं दी है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप टोटल देख लीजिए ना। एक सेकण्ड, एक सेकण्ड बैठिये आप, आप बैठिये, आप बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप बैठिये, एक सेकण्ड मेरी बात सुन लीजिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं प्रधानमंत्री जी का पोर्टल, उस पोर्टल पर अगर ये डला है सिख आतंकवादी तो यहां चर्चा नहीं करेंगे, उस समाज से जुड़े व्यक्तिो कहां चर्चा करेंगे। पार्लियामेंट में जाएंगे चर्चा करने,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः एक सेकण्ड अभी मैंने पूरी बात नहीं की। अगर वो पोर्टल पर नहीं डला है, गलत है आप उसकी स्टडी करके मुझे बताइये। एक्शन होगा। ये नहीं, सदन को व्यवस्था से चलने दीजिए, प्रधानमंत्री सदन से बड़े नहीं हैं। मैं उनका मान सम्मान करता हूँ, प्लीज।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ी (माननीय नेता प्रतिपक्ष): इसकी जानकारी लेकर..

माननीय अध्यक्ष: हां, मुझे दीजिए।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ी: आप सदन में मुझे उस पर बोलने का जरुर अवसर देंगे एक बार।

माननीय अध्यक्ष: हां मैं दूँगा। हां बिलकुल दूँगा, आप लीजिए जानकारी लीजिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई इसपर, इसपर चर्चा नहीं है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैं आग्रह कर रहा हूँ, उन्होंने रख दिया है विषय।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: जरनैल सिहं जी ने ये जो मुद्दा उठाया है सदन के पटल पर..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई महाजन जी अब ऐसे नहीं प्लीज।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: ये बहुत ही संसेटिव है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं ऐसे नहीं चलेगा।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं मैंने व्यवस्था दे दी है सारी।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: बहुत ही संवेदनशील है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैंने अच्छी व्यवस्था दे दी, ठीक व्यवस्था दे दी है।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: किसी भी धर्म के साथ आतंकवाद को जोड़ना..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: उन्होंने पढ़ा है, अगर वो गलत है, तो आप मुझे जानकारी में लाईये।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: ये बहुत निंदनीय है। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से जरनैल सिंह जी ने ये मुद्दा उठाया है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई मैंने उनको..

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: और पीएमओ पोर्टल पर..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैंने व्यवस्था दे दी है ना।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय,..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैंने व्यवस्था दे दी ना।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: बिधूड़ी जी,

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय ये किसी भी धर्म के साथ, आतंकवाद को नहीं जोड़ सकते।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अरे भई ये कोई भाषण है जो, आप विषय पर आइये ना। अभी लंच में जाकर देख लीजिए, लंच बाद आइये। मैंने व्यवस्था दे दी

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः ये जो पीएमओ, पीएमओ पोर्टल के माध्यम से..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैंने आपको व्यवस्था दी है। वो बोलना चाहते हैं सब उस पर।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः मेरे साथी जरनैल सिंह जी ने ये मुद्दा सदन के संज्ञान में लेकर आए हैं और आज मैं बता दूँ, अध्यक्ष महोदय इस प्रकार की हरकतों से..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूँ..

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः इस प्रकार की हरकतों से सैप्रेटिस्ट ग्रुप का साथ दे रही है भाजपा।

..व्यवधान..

(विपक्ष/सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी की गईं)

श्री सोमनाथ भारतीः भाजपा आज सैप्रेटिस्ट ग्रुप को प्रोखालिस्तानी ग्रुप को, साथ दे रही है। ये बात सदन के पटल पर आनी चाहिए।

...(व्यवधान)...

(सत्ता पक्ष व विपक्ष के कुछ माननीय सदस्यों द्वार सदन में नारेबाजी की गईं)

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगणों से प्रार्थना करता हूँ कृपया बैठें।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः ये बहुत ही संवेदनशली मुद्दा है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिये, सभी सदस्य बैठें प्लीज।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः इसके ऊपर बीजेपी को और प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिये, बैठिये।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः इस प्रकार से एक धर्म को

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई जरनैल जी आप बैठ जाइये आपकी बात आ गयी है।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः वो धर्म जिसने देश के लिए इतनी कुर्बानियां दीं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी बैठिये अब।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी मैंने कोई इजाजत नहीं दी।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: उनका नाम हिंद की चादर के रूप में लिखा जा चुका।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: सोमनाथ जी मैंने कोई इजाजत नहीं दी है।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: ये तो बहुत ही निंदनीय है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: हो गयी बात ना। विषय आ गया है।

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारती: इस पर संज्ञान लें और केंद्र सरकार से इसके ऊपर आप सफाई मांगे।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: बैठिये-बैठिये,अखिलेश जी बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: अब बैठाइये सबको, बैठाइये अब।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अरे मैंने बैठा दिया है सबको, कौन खड़ा हुआ है दिखाइये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः किसको, बैठिये-बैठिये प्लीज, बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई बिधूड़ी जी मैं आलाउ नहीं करुंगा बिलकुल।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं एक सेकण्ड बैठिये ओमप्रकाश जी।

..व्यवधान..

श्री ओमप्रकाश शर्माः आप पक्षपात मत करो।

माननीय अध्यक्षः मैंने पक्षपात नहीं किया, मैंने क्लियर रुलिंग दी है..

माननीय अध्यक्षः मेरी बात सुन लीजिए।

श्री रामबीर सिहं बिधूड़ी (नेता प्रतिपक्ष): हां सुनाइये।

माननीय अध्यक्षः जरनैल सिंह जी ने जो कुछ सदन में पढ़ा है, अगर वो गलत है तो बिधूड़ी जी लेकर आएं, उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी ये बात गलत है। मैं सबको इजाजत दे देता हूँ बोलने की।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं इस विषय पर बोलने की इजाजत दे देता हूँ। वो भी बोलेंगे, आप भी बोलना।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये कोई तरीका थोड़ी है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिए, अब बैठिए आप।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिए अब प्लीज। आप विषय को समझ लीजिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी ये ठीक नहीं है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप देख लीजिए। जो तय हुआ था..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जरनैल जी बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जरनैल जी बैठिये, बैठिये, हो गया। वार्षिक बजट पर चर्चा श्री कैलाश गहलौत जी, माननीय वित्त मंत्री द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2023 को प्रस्तुत वार्षिक बजट पर चर्चा प्रारंभ होगी। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि चर्चा के दौरान वे अपना भाषण केवल बजट की विषय वस्तु तक ही सीमित रखें और अनावश्यक विस्तार न करें तथा तथ्यों को बार-बार न दोहराएं। भाषा की मर्यादा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सदन के समय के सदुपयोग का भी हमें पूरा ध्यान रखना है ताकि अधिक से अधिक सदस्यों को अपने विचार रखने का मौका मिल सके। मैं एक प्रार्थना कर रहा हूँ, एक माननीय सदस्य ने जिस विषय को रख दिया है, दूसरा माननीय सदस्य जब बोलने लगे बजट पर बहुत लंबी चर्चा, उसी विषय को ना दोहराएं, कोई दूसरा विषय दोहरा लें। अब सदस्य चर्चा में भाग लेंगे। श्री सोमनाथ भारती जी। नाम दे दीजिए मुझे विजेंद्र जी। बिधूड़ी जी।

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय आपका बहुत–बहुत धन्यवाद आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी की सरकार का 8 बजट शुरु से ले कर इससे पहले तक, हमारे सीनियर साथी डिप्टी चीफ मिनिस्टर मनीष सिसोदिया जी ने रखा। उस चीज को हम सब ने नोटिस किया और मिस किया। ये बजट उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए, नए वित मंत्री साहब, कैलाश गहलोत जी ने रखा, उनको बहुत–बहुत बधाई इस ऐतिहासिक बजट को प्रस्तुत करने के लिए, आम आदमी पार्टी की सरकार का 9वां बजट है ये और ये बजट ये दर्शाता है कि क्या कारण है, किन कारणों से भाजपा और कांग्रेस, आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार से विचलित रहती है। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी के आने के पहले जब भाजपा और कांग्रेस की सरकारें हुआ करती थीं, तो कभी भी आम आदमी बजट को लेकर, सरकारों को लेकर उतना उत्साहित नहीं होता था, उन्हें लगता नहीं था कि हमारे लिए कुछ आएगा। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी की सरकार आने के बाद जनता को लगने लगा कि हो तो सकता है। ये बजट जो 2015 में 30 हजार करोड़ था और इस बार 78,800 करोड़ हो गया। इस प्रकार की वृद्धि पूरे हिन्दुस्तान के इतिहास में कहीं नहीं देखने को मिला। अरविन्द केजरीवाल जी की लीडरशिप का अरविन्द केजरीवाल जी ने जो भारतीय राजनीति में एक पैराडाइम शिफ्ट किया, जहां जनता आज तक कभी विश्वास नहीं करती थी कुछ तो हो सकता है या नहीं

हो सकता है, कोई किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं करती थी। आज शिक्षा के माध्यम से, स्वास्थ्य के माध्यम से, बिजली के माध्यम से, पानी के माध्यम से जन-सुविधाओं के माध्यम से जो आशा की किरण जगी है, जो दिल्ली में हो रहा है, उसी का कारण है कि भाजपा की सरकारें और भाजपा की केन्द्र सरकार आज आम आदमी पार्टी के विरोध में खड़ी है। अध्यक्ष महोदय एक-एक शब्द, एक-एक वाक्य, एक-एक अनाउंसमेंट ये दिखाता है इस बजट स्पीच के माध्यम से माननीय कैलाश जी ने जो सदन में पढ़ा। यही तो कारण है। कारण क्या रहा जब आप, पहली बार जो लोग कहते हैं कि जी फ्री, फ्री, फ्री और जिस प्रकार से इस बढ़ती हुई महंगाई कहा था भाजपा ने कि बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार भाजपा सरकार, मोदी सरकार। आम आदमी पार्टी की सरकार ने केजरीवाल जी के नेतृत्व में हम सबके लिए गर्व का विषय है, दिल्ली के अंदर महंगाई की दर 4 परसेंट है। जबकि गुजरात में 30 साल से भाजपा की सरकार चल रही है, वहां महंगाई की दर 8 परसेंट है अध्यक्ष महोदय। यूपी में महंगाई की दर 7.8 परसेंट है। पूरे हिन्दुस्तान के अंदर सबसे कम महंगाई की दर अगर कहीं है तो वो दिल्ली है अध्यक्ष महोदय इसके लिए माननीय केजरीवाल जी को और वित्त मंत्री को बहुत-बहुत मुबारकबाद और धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मैं जब बजट स्पीच सुन रहा था और आज मैं अध्ययन कर रहा था तो जिस प्रकार से आम आदमी के लिए स्कूलों में entrepreneurship curriculum ले लें। mindfulness curriculum ले लें।

इन्फ्रास्ट्रैक्चर डेवलपमेंट ले लें। School of Excellence ले लें। जो हमारे पिंसिपल्स, टीचर जिनको हमने अब्रोड भेजा पढ़ने के लिए और अध्ययन पाने के लिए और आकर के बच्चों को आगे पढ़ाने के लिए, ये इतिहास है। केजरीवाल साहब के नेतृत्व में दिल्ली ने इतिहास रचा है कि कोई सरकार आम आदमी के लिए काम करती है तो वो आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार है अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, ये बात जग जाहिर है कि जितने शासक हुए, जितनी सरकारें बनीं सबका एक ही मोटो रहता है कि भई किस प्रकार से गरीब को गरीब रखो और अमीर को एक दो से दोस्ती कर लो, उसी से सारी सरकारें चलाओं, उनसे पैसे लो, उनसे चुनाव लड़ों, उनसे सब कुछ करो और उन्हीं को बाद में मदद करो। हम सबने देखा किस प्रकार से करीब–करीब एक ही वक्त दोनों सरकारें आईं। माननीय मोदी जी की सरकार आई मई 2014 में और केजरीवाल साहब की सरकार आई दिसम्बर 2013 में तो 5 महीने के अंतर में सरकारें आईं एक तरफ एक सरकार ने शिक्षा के माध्यम से ये सुनिश्चित कर दिया अगर देश आगे बढ़ेगा तो वो गरीबों के बच्चों को आगे पढ़ा के आगे बढ़ेगा। गरीबों के बच्चों के सपनों को पूरा करके आगे बढ़ेगा। किस प्रकार से गरीबों के बच्चों ने आईआईटी में दाखिला पाया। किस प्रकार से गरीबों के बच्चों ने मेडीकल में दाखिला पाया। किस प्रकार से गरीबों के बच्चों ने स्कॉलरशिप के माध्यम से जो हमारी जय भीम योजना है, फ्री कोचिंग की योजना है, उसके माध्यम से यूपीएससी की तैयारी

करी। ये सारी की सारी चीजें ये दर्शातीं हैं कि आम आदमी पार्टी केजरीवाल सरकार का एक ही धयेय है, वो धयेय है किस प्रकार से इस देश के पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति को पॉवरुल करना, सशक्त करना। वहीं दूसरी तरफ केन्द्र की मोदी सरकार आज तक एक भी योजना ऐसी नहीं है कहीं भी एक भी कहीं भी एक योजना ऐसी नहीं है, जोकि ये दर्शाये कि केन्द्र की मोदी सरकार तनिक भी चिंतित है कि इस देश के गरीब के बच्चे कैसे पढ़ें और कैसे बढ़ें। हम सबने देखा गुजरात के चुनाव के दौरान किस प्रकार से जब स्कूल में कॉम्पीटेटिवनेस की बात आ गई कि भई केजरीवाल की सरकार दिल्ली में इस प्रकार school of excellence बनाई है तो हम सबने देखा माननीय मोदी जी ने एक टैन्ट में स्कूल बनवाया। 30 साल सरकार में रहने के बाद टैन्ट में स्कूल बनवाया और उसके जरिये दर्शाने का प्रयत्न किया कि हम भी स्कूल में कॉम्पीटेटिव हो सकते हैं। हमने भी स्मार्ट क्लास बनाये हैं और अगले दिन जब वहां मीडिया वाले पहुंचे कि भई कहां है वो स्कूल हम देखना चाहते हैं तो मालूम पड़ाये तो स्कूल टैन्ट में था और वो गायब हो चुका है। अध्यक्ष महोदय मैं इस बात के लिए बधाई देता हूँ अपनी सरकार को कि इस बार भी बजट में 23-24 परसेंट बजट का हिस्सा जो है वो एजुकेशन पर रखा है। ये इतिहास है इस देश में किसी भी सरकार ने आज तक शिक्षा पे इतना जोर नहीं दिया जोकि हमारी सरकार ने दिया है अध्यक्ष महोदय। उसी प्रकार स्वास्थ्य में ले लें और वो जरूरी है, देखिए

शिक्षा पे जोर देना क्यों जरूरी है। अगर शिक्षा पे जोर ना देंगे तो जो कहा जा रहा है कि भई नाली के गैस से चाय बना लो तो उसको काउंटर करने के लिए तो बच्चा शिक्षित होना चाहिए ना। तो जब बच्चा शिक्षित होगा तब ही तो इस बात को समझ पायेगा कि भईया नाली के गैस से चाय नहीं बन सकता। जब बच्चा शिक्षित होगा, तभी तो इस बात का संज्ञान लेगा कि भईया थाली बजाने से कोरोना दूर नहीं होगा। वो पूरे देश को थाली बजवा दी। बोला थाली बजाओं। कई महिलायें बहुत जोर–जोर से बजायें कि भई जल्दी कोरोना भाग जायेगा। वहां कोरोना जल्दी आ गया। केंडिल जलवाया अध्यक्ष महोदय यही तो घबराहट है मोदी सरकार को कि भई अगर बच्चे पढ़–लिख गए तो जो उनकी ऊल–जुलूल स्टेटमेंट्स हैं, ऊल–जुलूल बयान हैं। ए प्लस बी स्क्वायर और स्क्वायर और स्क्वायर और ब्राकिट और स्क्वायर मतलब समझ में नहीं आया क्या बोल रहे हैं।..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी कन्क्लूड करिये, सोमनाथ जी अब कन्क्लूड करिये।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय कि इन्हीं कारणों से मैं अब आ रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः नहीं, नहीं कन्क्लूड करिये।

श्री सोमनाथ भारतीः बस दो मिनट और लूँगा, करूंगा।

माननीय अध्यक्षः नहीं दो मिनट नहीं है।

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय, तो ये शिक्षा के ऊपर जो..

माननीय अध्यक्ष: सोमनाथ जी मैं प्रार्थना कर रहा हूँ इसको कन्क्लूड करिये।

श्री सोमनाथ भारती: माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने भाषण के माध्यम से पूरे देशवासियों को, दिल्लीवासियों को बताया कि केजरीवाल सरकार प्रतिबद्ध है इस देश के गरीबों को उच्चतम से उच्चतम शिक्षा मुफ्त में देने के लिए और ये ही शुरूआत, ये ही कारण है।

माननीय अध्यक्ष: सोमनाथ जी अब कन्क्लूड करिये प्लीज।

श्री सोमनाथ भारती: बस दो मिनट दे दो मुझे।

माननीय अध्यक्ष: नहीं, नहीं अब देखिये फिर समय सब गड़बड़, एक मिनट पहले हो गया है।

श्री सोमनाथ भारती: हम तो सच्चाई बता रहे हैं। सच्चाई पर तो आपको आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: नहीं ठीक है बाकि और सदस्यों को भी बोलना है।

श्री सोमनाथ भारती: अगर हम सच्चाई ना बतायें तो बता दीजिए।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी सभी, देखिए 19 की लिस्ट है मेरे पास।

श्री सोमनाथ भारतीः हम तो अच्छी सच्चाई बता रहे हैं आपको..

माननीय अध्यक्षः नहीं सोमनाथ जी प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः कि कैसे गैस से चाय बनती है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी को, माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद करता हूँ कि आज पूरे भारत वर्ष में चूँकि मैं साउथ के कई राज्यों का प्रभारी रहा और वहां देखा कि आज एक व्यक्ति, एक मात्र व्यक्ति है पूरे हिन्दुस्तान की राजनीति में जिसने ये सिद्ध कर दिया कि अगर सरकारें चाहे, अगर सरकार ईमानदार हो तो गरीबों की सारी समस्याओं का समाधान सरकार कर सकती है और यही कारण रहा आज पूरे देश में अध्यक्ष महोदय..

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः अब हो गया। अब सोमनाथ जी प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः आखरी लाईन।

माननीय अध्यक्षः नहीं अब नहीं। ..

..व्यवधान..

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय ये हो रहा है कि अरे भईया शिक्षा में बदलाव तो हो सकता है, स्वास्थ्य में बदलाव तो

हो सकता है, गरीबों का कल्याण तो हो सकता है, जन-सुविधायें आ तो सकती हैं, लेकिन आ सकती हैं तो वो शख्स का नाम है अरविन्द केजरीवाल और ये मांग पूरे देश में गूंज रही है और यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस इस प्रकार से प्रताड़ित है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से इस ऐतिहासिक बजट के लिए और जिस प्रकार से दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर को डेवलप किया जा रहा है, वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है। जी-20 पहली बार हिन्दुस्तान के अंदर हो रहा है। दिल्ली को मॉर्डन और हर प्रकार से सुसज्जित करने का जो काम हो रहा है उसके लिए मैं वित्तमंत्री जी को और माननीय मुख्यमंत्री जी को आपके जरिये धन्यवाद करना चाहता हूँ। जय हिन्द, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः देखिए माननीय सदस्यों से प्रार्थना 8 मिनट में वो अपनी बात पूरी करें सभी तभी पूरा हो पायेगा जितने नाम हैं। राजेन्द्र पाल गौतम जी। 13 मिनट ले गए सोमनाथ जी। हाँ जी।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। इसमें तो कोई संदेह नहीं है कि माननीय अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली की सरकार ने कुछ ऐतिहासिक काम किये हैं। केवल भारत ही नहीं पूरी दुनिया के अंदर एजुकेशन पे इतना बजट किसी सरकार ने नहीं रखा। भारत के किसी ना केन्द्र सरकार ने, ना राज्य सरकार ने हेल्थ पे कभी इतना बजट रखा और जिस देश में हेल्थ और एजुकेशन का बजट कम होगा वो देश कभी भी दुनिया में

तरक्की के मामले में आगे निकलने का ख्वाब छोड़ दे। जो देश के नेता देश को विश्वगुरू बनाने की बात करते हैं वो करना छोड़ दें, चूँकि केन्द्र सरकार ने एजुकेशन पे भी और हेल्थ पर भी दोनों पे इस बार बजट घटा दिया जो बेहद शर्मनाक है। हमारी सरकार ने माननीय अरविन्द जी के नेतृत्व में बहुत सारे ऐतिहासिक काम किये हैं। उनमें से एक ऐतिहासिक काम ये है कि हर साल पूरे देश के अंदर सीविर के अंदर सीवर क्लीन करते हुए हमारे गरीब समाज के लोग दम घुटने से मर जाया करते थे। ऐतिहासिक दृष्टि से दिल्ली की सरकार पहली सरकार है, जिसने दिल्ली के सीवर को क्लीन करने के लिए एक योजना बनाई सीवर साफ करने के लिए 200 मशीन लेकर आए और उन मशीनों का मालिक उन्हीं लोगों को, उन्हीं परिवारों को बनाया जिनके परिवारों ने सीवर साफ करते हुए अपनी जान गंवाईं अगर दिल्ली की सरकार ऐसी योजना बना सकती है तो क्या बाकी इस देश की राज्य सरकारों को नहीं बनानी चाहिए। वहां सीवर के अंदर लोग दम घुटने से हमारे समाज के लोग मरते हैं, क्या उन सरकारों को दिखाई नहीं देता। लेकिन साथ ही साथ मैं अपनी सरकार से एक निवेदन करूंगा, चूँकि इतिहास लिखने का काम तो हमारी सरकार कर रही है तो हमको ही करना है। अभी भी सैपटिक टैंक के अंदर, चूँकि सैपटिक टैंक प्राइवेट बिल्डिंग में होते हैं और प्राइवेट बिल्डिंग में सरकारी गाड़ी नहीं जा पाती। सैपटिक टैंक में अभी भी कुछ घटनाएं सैपटिक टैंक को क्लीन करते हुए लोगों की जान गई है। इसके ऊपर हमारी सरकार

ने तय किया था कि 150 मशीनें वो लेकर आयेंगे और जल बोर्ड वो स्कीम को लेकर आयेगा और आगे सेप्टिक टेंक के अंदर भी हम अपने लोगों की जान नहीं जाने देंगे जो अफसरशाही के चलते रूकी हुई है। मैं निवेदन करता हूँ माननीय एल.जी. महोदय से इस सदन के माध्यम से कि कम से कम अपने अफ़सरों को हिदायत दें कि दिल्ली की सरकार जब कोई स्कीम लोगों की जान बचाने के लिये बनाती है तो कम से कम उसमें रोड़ा न अटकायें, उस स्कीम को जल्दी से जल्दी पारित किया जाये। और मुझे इस बात को कहने में तो गर्व है कि जो 2014-15 में जो बजट 30900 करोड़ के करीब था उसको हम 78800 करोड़ पर ले आये। लेकिन साथ ही साथ हर क्षेत्र में हमने अच्छा काम किया और इस बार जिस तरह दिल्ली को सुंदर शहर बनाने का सपना इस बजट में हमने देखा है। मैं कुछ सजेस्टिव फॉर्म में कुछ बातें कहने चाहता हूँ चूँकि जो अड़चन दिल्ली की सरकार लाख योजना बना ले, कितनी ईमानदारी से काम कर ले लेकिन अगर अफसरशाही एल.जी. के निर्देश पर, आदेश पर या उनके संरक्षण में या उनकी गाईडेंस में अगर दिल्ली की स्कीमों को रोकेगी तो दिल्ली. ये केवल सरकार की स्कीम नहीं रूक रही है ये गरीबों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है माननीय एल.जी. साहब के द्वारा। हमारा दिल्ली सरकार का एससी/एसटी/ ओबीसी वेल्फेयर डिपार्टमेंट मैं उसके बारे में आपको बताना चाहता हूँ। हमारी एक स्कीम है 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' जिसने गरीब से गरीब परिवार के बच्चे को आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, जज, कलेक्टर,

साईंटिस्ट, प्रोफेसर बनने का एक सपना दिखाया और वो सपना साकार हुआ जब वो स्कीम लागू हुईं तो एक मजदूर का बच्चा उसी आईआईटी दिल्ली के अंदर सलेक्ट हुआ शुभम नाम का जिसमें हमारे दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का बच्चा आईआईटी में एडमिट हुआ। लेकिन आज मुझे यह कहते हुए बेहद दुख हो रहा है कि अफसरशाही की लापरवाही और घोर एडामेंट रवैये की वजह से पिछले साल 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' की एक भी क्लास नहीं लग पाई और जो हजारों बच्चों का भविष्य बनना था वो अफसरशाही की वजह से धाराशायी हो गया। शर्म आती है, मैं धिक्कार करता हूँ ऐसी विचारधारा पर जो सरकार के काम को रोके। अरे केवल सरकार से किस बात का बदला ले रहे हो, आप सरकार से ले रहे हो या दिल्ली की गरीब जनता से ले रहे हो? आपने 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' रोक दी। और तो और जो हम अपने बुजुर्गों को, विधावाओं को, विकलांगों को जो हम लोग पेंशन देते हैं 2 हजार और ढाई हजार रूपये की, आपको ये जानकार ताज्जुब होगा शायद सब लोगों को न पता हो केंद्र सरकार का ओल्ड एज पेंशन में जहां ढाई हजार हम देते हैं वहां केवल 500 रूपये का शेयर है और जहां 2 हजार रूपये देते हैं वहां केवल 200 रूपये का शेयर है लेकिन उसके बावजूद पिछले लगभग डेढ साल से केंद्र सरकार ने उसमें एक भी रूपया नहीं दिया जिसकी वजह से विकलांगों का, विधावाओं का और बुजुर्गों की पेंशन कई कई महीने इसलिये डिले

हुई क्योंकि केंद्र सरकार का शेयर नहीं आया और हमें अपने वित्त विभाग से स्पेशल अपना मूव करके फाईल स्पेशल बजट बार बार लेना पड़ा कि जब केंद्र से आ जायेगा तब उसको रिकूप कर लेना फिलहाल कम से कम लोगों की पेंशन चली जाये। तो ये किसका बदला ले रहे हैं, कैसी सरकार चला रहे हैं ये, ये तो गरीबों के खिलाफ काम कर रहे हैं, ये नहीं होना चाहिये। लेकिन मैं अपनी दिल्ली की सरकार को बधाई देता हूँ, शुभकामनाएं देता हूँ, लगातार आप बेहतरीन काम कर रहे हैं और साथ ही साथ इसपे मैं शर्मिंदा महसूस करता हूँ कि पिछले 25 सालों से 325 करोड़ रूपया केवल केंद्र सरकार दिल्ली को दे रही है और वो भी अब बंद कर दिया अगली बार से नहीं मिलेगा। आप ये अन्याय क्यों कर रहे हैं? जब आप प्रति व्यक्ति के हिसाब से जो पैसा देते हैं उसमें 41 परसेंट का जो हमारा शेयर है वो पूरा का पूरा शेयर आप खा रहे हैं। ये उचित नहीं है और मैं इसके साथ साथ अब अपनी सरकार को, अपने इस बजट में मैं माननीय मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूँ और आपके साथ साथ अपने एजुकेशन मिनिस्टर आतिशी जी नहीं हैं लेकिन यहां से मेरी बात चली जानी चाहिए। कुछ मैं सजेस्टिव फॉर्म में मैं आपको कहना चाहता हूँ कि हमारी सरकार जब इतने ऐतिहासिक काम कर रही है तो थोड़े से ऐतिहासिक काम अभी और करने की जरुरत है। जैसे- फोर एग्जाम्पल- हमने डॉक्टर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस बनाए। इससे पहले ये राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय के रूप में जाने जाते थे, जिसमें

सरकारी स्कूल के ही बच्चे केवल ऐन्ट्रेंस एग्जाम दे सकते थे, छठी में एडमिशन होता था। अब हमने ये कर दिया नाइन्थ क्लास में एडमिशन होगा, लेकिन हमने इसमें एक जो बदलाव किया, इसे हम कह सकते हैं हमने न्याय करने की कोशिश की, लेकिन कभी-कभी न्याय करने के साथ-साथ अनजाने में अन्याय भी हो जाता है। हमने क्या किया इस स्कीम में प्राईवेट स्कूलों के बच्चों को भी ओपन कर दिया और 9वीं क्लास में ऐंट्रेंस से एडमिशन कर दिया। उसका नुकसान ये हुआ चूँकि हमारे पास एमसीडी तो थी नहीं, प्राईमरी स्कूल एमसीडी के पास थे और एमसीडी के स्कूलों की हालत इतनी खराब थी वहां से बच्चे जो पढ़ के आये वो इस लायक नहीं बन पाये और हमने, जब इसमें हमने प्राईवेट स्कूलों को ओपन कर दिया तो आज Dr. Ambedkar School of Excellence के अंदर जो 9वीं क्लास में एंट्री हो रही है उसमें मेजोरिटी में वो जो प्राईवेट स्कूलों से बच्चे पढ़ के आये केवल वो जा रहे हैं। तो मैं माननीय एजुकेशन मिनिस्टर जी को ये सजेस्ट करना चाहता हूँ इस स्कीम में थोड़ा सुधार किया जाये। बेशक प्राईवेट बच्चों के लिये भी ओपन रखा जाये लेकिन 25 परसेंट प्राईवेट स्कूल के लिये छोड़ा जाये 75 परसेंट उसमें सरकारी स्कूल के बच्चों के लिये निर्धारित कर दिया जाये।..

माननीय अध्यक्षः गौतम जी।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः ये मेरा सजेशन है।

माननीय अध्यक्षः कंक्ल्यूड करिये, कंक्ल्यूड करिये, प्लीज।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः मैं बिल्कुल टाईम ज्यादा नहीं लेता हूँ। कुछ गलत कह रहा हूँ तो मुझे रोक दीजिये। कम से कम दो मिनट दे दो।

माननीय अध्यक्षः नहीं नहीं रोकने की बात नहीं है। नहीं गलत कुछ नहीं।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः कभी कभी एक आदमी 20-20 मिनट ले लेता है और मुझे आप 5 मिनट में टोकते हैं सर। मुझे प्लीज दो मिनट दीजिये मैं ज्यादा नहीं लूँगा, आप घड़ी देख लीजिये।

माननीय अध्यक्षः चलिये ठीक है।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः दो मिनट के अंदर अपनी बात खत्म करूंगा।

माननीय अध्यक्षः लीजिये, लीजिये।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः दूसरा मेरा एक और सजेशन है कि एलजी साहब के पास ये बात यहां से जानी चाहिये एससी/एसटी/ओबीसी वेलफेयर डिपार्टमेंट में अधिकारियों की कमी है पहली बात। पचास परसेंट से भी कम पे स्टाफ पे वो डिपार्टमेंट चल रहा है। दूसरी बात जहां एक साल, पिछले डेढ साल का रिकार्ड निकाल के देखिये इन अधिकारियों ने किया क्या है? सारी स्कीमें इन्होंने ठप कर दी हैं। कुछ नहीं हो रहा, बदनामी हमारी हो रही है। हमें लोग कहते हैं आप एससी/एसटी से जीत के जाते हो, आपकी सरकार के रहते हमारे काम नहीं हो पा रहे। इसीलिये नहीं

हो पा रहे क्योंकि जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना का जो पैसा जिन इंस्टीट्यूट ने कोचिंग दी, उनको पैसा हमारे डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी ने फाईल रोक के रखी हुई है। आज तक पेमेंट नहीं की। बाद में उन्होंने कहा हम सर्वे करायेंगे, सब सर्वे हो लिया, फीडबैक फॉर्म ले लिये, बच्चों से भी ले लिये, इंस्टीट्यूशन से भी ले लिये। जब तुमने सारी कार्यवाही पूरी कर ली कम से कम अब तो उनका पैसा दो। आप पैसा दे नहीं रहे हो, आगे का पूरा एक साल जीरो हो गया कोईकोचिंग नहीं और अगले साल भी जीरो होने की संभावना दिख रही है चूँकि अधिकारियों की इच्छाशक्ति काम करने की नहीं दिखती। और दुख तो तब होता है जो अधिकारी काम रोक रहे हैं उन्हीं अधिकारियों को अच्छे अच्छे विभाग दिये जा रहे हैं। इसका मतलब जानबूझकर आप सरकार के काम को रोकना चाहते हैं। तो इस निवेदन के साथ साथ मैं एक दो सजेशन मेरे छोटे छोटे से करके मैं अपनी बात को खत्म करूंगा चूँकि मुझे आपने जो दो मिनट का जो टाईम दिया है मैं उसी में अपनी बात को रखँगा। हमने एक स्कीम को सुधारा स्कॉलरशिप स्कीम को। हमने 9वीं और 10वीं को 5 हजार रूपया और 11वीं और 12वीं को हमने 10 हजार रूपया स्कॉलरशिप एससी/एसटी/ओबीसी के बच्चों को देने का योजना बना दी तो जो पहली से 12वीं तक की स्कीम खत्म कर के हमने 9वीं से 12वीं तक की तो बना दी लेकिन अभी पहली क्लास से 8वीं क्लास तक की स्कीम अभी भी नहीं बनी है जिसकी वजह से हमारा सैकड़ों करोड़ का जो

एससी/एसटी का जो फंड है, जो स्पेशल कंपोनेंट प्लान फंड का पैसा है, travel sub प्लान का पैसा है वो पैसा पूरा स्पेंट नहीं हो पा रहा जिसकी वजह से हमारी बदनामी हो रही है। मैं चाहता हूँ माननीय मंत्री जी के माध्यम से पहली क्लास से 8वीं क्लास तक की स्कीम को भी जो हमने बना के रखी हुई है उसको भी जल्दी से जल्दी पास किया जाये और इसके साथ साथ एक निवेदन और है एक स्कीम हमने अपने एससी/एसटी/ओबीसी वेलफेयर डिपार्टमेंट के माध्यम से बनाई थी Financial Assistance Scheme for Higher Education in Abroad उसमें हमने 5 लाख का वो रखा था लेकिन आज महंगाई इतनी ज्यादा है कि एक साल का कोर्स करने अगर आदमी जाता है एलएलएम करने तो उसको जो 25-25, 30-30, 40-40 लाख रूपया वो खर्चा होता है लेकिन चूँकि उसमें ये है कि पहले आप एडमिशन लो, ीस वहां जमा करो और उसकी रसीद जमा करो तब हम 5 लाख देंगे। अब उसको वहां 25 लाख देने हैं उसके पास पैसा नहीं है, वो नहीं कर पाता। और दूसरी तरफ एससी/एसटी का फंड खर्च होता नहीं दिखता। तो मैं एक सजेशन देना चाहता हूँ माननीय अपने वित्त मंत्री जी को कि आपसे मेरा करबद्ध निवेदन है माननीय मुख्यमंत्री जी से मेरा करबद्ध निवेदन है दो स्कीम पे विशेष रूप से मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि आप डेढ़ सौ करोड़ का फंड आप इतने बड़े 78800 करोड़ में से केवल डेढ़ सौ करोड़ का फंड इन गरीब बच्चों के लिये आप रख दीजिये चूँकि जो मेरे पास ऐसे बहुत लोग आते हैं और शायद सारे हमारे विधायक साथियों के पास आते होंगे

कि हम लोग free education, compulsory education, quality education की बात तो कर रहे हैं पर हम बात कर रहे हैं 12वीं तक की, हमारे ही अपने इंजीनियरिंग कालेज के अंदर 2 लाख 46 हजार रूपया एक साल की फीस है, 4 साल का कोर्स है और हॉस्टल का खर्चा, खाने का खर्चा अलग है। यानि 4 साल का कोर्स है, एक साल में कम से कम 3 लाख का खर्च है। चार साल का मतलब 12 लाख से 15 लाख का खर्च है। उस पैसे को न दे पाने की वजह से बच्चों के इंजीनियरिंग में सलेक्शन होने के बावजूद हमारे अपने इंजीनियरिंग कालेज में सलेक्शन होने के बावजूद उन बच्चों के एडमिशन नहीं हो रहे, बच्चों के एडमिशन कैंसिल हो रहे हैं। जब हम इतना बड़ा दिल खोल के दिल्ली की जनता की भलाई के लिये, गरीबों के लिये काम कर रहे हैं तो मैं माननीय वित्त मंत्री जी से निवेदन करता हूँ एक डेढ़ सौ करोड़ का बजट आप इस काम के लिये रखिये कि जो बच्चा अपनी फीस जिसने एग्जाम तो पास कर लिया, डीटीयू में उसका एडमिशन ऑफर हो गया, एनएसयूटी में हो गया या दूसरे हमारे कालेज में या दिल्ली नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में हो गया। अब उसके बाद पैसा जमा करना है, पैसा जमा करने के लिये पैसे नहीं हैं। तो कम से कम ऐसे बच्चों के फीस का इंतजाम हमारी सरकार कर दे और जो बच्चे विदेश में जिनको ऑफर हो जाता है वो बच्चे आके देश का नाम रोशन करेंगे, समाज को आगे बढ़ायेंगे, दिल्ली को एक मजबूत शहर बनाने में अपनी भूमिका निभायेंगे, उनकी विदेश की

पढ़ाई का खर्चा चाहे बेशक सौ सीट हमने रखी है अब तक टोटल तीन गये हैं, तीन सालों में, इसको चाहे सौ सीट से घटा के आप बेशक 25 सीट कर दो केवल, लेकिन उनकी पूरी बाहर की, विदेश की पढ़ाई का खर्चा सरकार उठाये।..

माननीय अध्यक्षः गौतम जी, 14 मिनट।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः इसको और आप अपने इस बजट में आप एड करेंगे तो मैं आपका ऋणी रहूँगा और अपनी सरकार के इस बेहतरीन बजट पेश करने पर मैं माननीय मंत्री जी को और अरविंद केजरीवाल जी को बधाई देता हूँ। साथ ही साथ अगर आप मेरे इस छोटी सी स्कीम को इस 78800 करोड़ में से डेढ़ सौ करोड़ डेडिकेटिड इन गरीब बच्चों के लिये भी रख देंगे तो पूरा दिल्ली के लोग आपके आभारी रहेंगे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत बहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भीम, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे दिल्ली के बजट पे चर्चा का मौका दिया। अध्यक्ष जी, देश में जब किसी भी राज्य में बजट पेश होता है तो वहां के लोगों की नजर उस बजट पर होती है क्योंकि ये बजट सिर्फ खर्च करने के लिये नहीं है, ये दिल्ली के और उस राज्य के लोगों के टैक्स का पैसा है जो हम उस टैक्स के पैसे को उनके वेल्फेयर में, उनकी जीवन के अच्छे उपयोग के लिये लगाते हैं। तो मैं माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

जी का इस बजट को 78800 करोड़ करने पर जब दिल्ली की सरकार में हम आये थे तो 31 हजार करोड़ रूपये का बजट था। आज 78800 करोड़ का बजट ये विशाल बजट बनाकर दिल्ली के लोगों को देने के लिये विशेष धन्यवाद देना चाहता हूँ और हमारे वित मंत्री जी ने इसपे बहुत मेहनत और लगन से ये बजट बनाया है इसके लिये उन्हें विशेष साधुवाद। इस बजट में जो मुख्य चीज देखने को मिली कि दिल्ली सरकार की मंशा बहुत साफ है और ये मंशा है कि दिल्ली में लगातार शिक्षा पे जो बजट खर्च किया जा रहा है वो पूरे देश में कोई ऐसा राज्य नहीं है जिसमें शिक्षा का बजट 20 परसेंट या 25 परसेंट रहा। इस साल शिक्षा पे 21 परसेंट टोटल बजट का दिल्ली की सरकार ने रखा है और ये बहुत ही बड़ा बजट बनाकर दिल्ली के लोगों को दिया गया है और मुझे लगता है कि इससे जो फायदा पिछले कुछ सालों में देखा गया है सरकारी स्कूलों का जो कायाकल्प हुई है।

सरकारी स्कूल में जो बच्चे पढ़ रहे हैं वो आज सपना देख रहे हैं कि हम डाक्टर बन सकते हैं, आज सपना देख रहे हैं हम इंजीनियर बन सकते है, आज सपना देख रहे हैं हम आईएएस बन सकते हैं और वो बन रहे हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों से बच्चे आईआईटी में ऐडमिशन ले रहे हैं। ये पहले कभी नहीं था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट 98 परसेंट दसवी का, बारहवीं का मेरे जैसे क्षेत्र में जहां दक्षिणपुरी मदनगीर के स्कूलों में 50 परसेंट अगर रिजल्ट आ जाए दसवीं, बारहवीं का तो बहुत बड़ी बात थी

आज वहां सौ–सौ परसेंट आ रहा है ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और इसके पीछे माननीय मुख्यमंत्री जी का जो विजन है कि अगर इस देश का बच्चा पढ़ा लिखा होगा तो वो इस देश का निर्माण करेगा और यहां पर हम एक ऐसे देश के अंदर रह रहे हैं जो इस देश को चलाने वाले हैं उन पर बड़ा क्वैशचन मार्क हैं आप कितने पढ़े–लिखे हो? ये पढ़ाई की जो लड़ाई है ये सोच है, ये एक विचारधारा है जो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने दी थी और उन्होंने कहा था कि शिक्षा शेरनी का वो दूध है मैं हर बार अपने बजट चर्चा पर ये जरूर कोर्ट करता हूँ शिक्षा शेरनी का वो दूध है जो पीएगा वो दहाड़ेगा और हम लोग जो दलित और गरीब तबके से गरीब समाज से आते हैं हम आज यहां खड़े हैं सिर्फ इस वजह से कि हमें अच्छी पढ़ाई मिली। इस देश के लाखों लोग, इस देश के लाखों बच्चे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पढ़ाई मिली और यही देश का सबसे बड़ा मॉडल है कि इस देश में लोगों को डेवलपमेंट चाहिए। मैं पूरे विश्व में शांति दूत के रूप में जाता हूँ देखता हूँ और एक ही चीज समझ में आती है कि आज भारत कहते हैं हम 21वीं सदी में हैं 75 साल हमारी आजादी को पूरे हो गए लेकिन आज भी हमारा देश करीबन 50 साल 60 साल पीछे हैं। मेरे एक साथी को बड़ा इंटरेस्ट आ रहा है कि मैं इंग्लिश में बोलूँ?.. भई मुझे लगता है कि दिल्ली की जनता चाहती है It is all whatever you say but अध्यक्ष जी I would like to once again congratulate my Finance Minister that he

has actually done a lot of homework, lot of hard work to make sure that the budget of education is contained, maintained and it is for the people of Delhi and children of Delhi and second thing I would like to mention here that the health budget also has been very great. I would say that the health of the people in this country is very important and this very simple fact must be understood by the Prime Minister of India and I would like to say that the health is wealth and that is why almost 16 percent of the budget has been spent on the health, and today our finance minister has also very clearly given a road map as to how we can make Delhi the most beautiful, the most struggle free and clean road because the Delhi is also now going to host G-20 which is the world famous programme and that is why he has given a significant budget to maintain PWD road, to make sure that there are 26 new fly-overs comes, to make sure that there are 106 more electrical bus comes on the road and also to give, to maintain these buses, there has to be a significance bus centers, depots, where he has already planned 56 new bus centers where this electric bus can be maintained and managed. Also this is to just acknowledge that today we are in the age of technology and if we use this technology power, Delhi can really become the world best city and this is what is the vision for everybody who is here and also the vision of our Chief Minister and that is why he has

very clearly connected a one card for all the transportation services, be it the bus, beit the metros and all other services. So, this budget is not just about giving some numbers but there is a vision behind the whole budget and I think, in totality, I would say that every penny which we spend as a government, we should be very sensitive about where we are spending and what will be the outcome of this spent. Until and unless there is an outcome,there is a growth, there is a benefit which we are giving to the community and society, the vision is not completed. So, I once again would like to congratulate our finance minister, thank you that you have actually planned this budget and also kept one thing in mind that Maa Yamuna, Yamuna naddi also should be maintained more cleanliness and the vision of our Chief Minister that he will make Yamuna as a cleanest river and all of us to take a dip and the BJP all the leaders, first we will request them to take a dip in next two years, with this I would like to thank you for giving me an opportunity and also I would like to tell all the BJP"s people that let us work, let us do our work, do not interrupt because you are not going to be here, neither the previous leaders are here now nor you will be here but our legacy, our hard work, our effort will create the history for our new generation.With that thank you sir for allowing me. Thank you very much.

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी धन्यवाद, समय पर अपनी बात पूरी करने के लिए। सुरेन्द्र जी। श्रीमान सुरेन्द्र सिंह जी। इसके बाद भावना गौड़ जी।

श्री सुरेंद्र सिंहः माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत शुक्रिया। माननीय अध्यक्ष जी, आज दिल्ली सरकार का दिल्ली का विकास मॉडल पूरी दुनिया प्रशंसा करती है जो दिल्ली का विकास मॉडल है वो परम पूज्य बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के संविधान के तहत चलता है क्योंकि बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर ने अपने संविधान में प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक व्यक्ति को मतदाताओं को ये अधिकार दिया है कि रोजी, रोटी कपड़ा मकान बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री, वाईफाई फ्री, सीसीटीवी कैमरे फ्री ये तमाम अधिकार परम पूज्य बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर ने देने का काम किया है। आज दिल्ली की सरकार बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के संविधान के तहत चल रही है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक नागरिक को वो जो उनका हक है वो हक देने का काम दिल्ली की सरकार देने का काम कर रही है इसके लिए माननीय अध्यक्ष जी मैं दिल्ली सरकार का धन्यवाद देता हूँ और उनको बधाई देता हूँ कि वो इस देश में पहले ऐसे मुख्यमंत्री मिले हैं जिन्होंने कहा कि इस प्रदेश की सरकार बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के संविधान के तहत चलाना चाहता हूँ उन्होंने ये प्रत्यक्ष करके दिखाया कि निश्चित तौर से दिल्ली की सरकार बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के

संविधान के तहत चल रही है उनको मानने का काम किया है तो आज आदरणीय कैलाश गहलोत जी के द्वारा दिए बजट पर मैं कहना चाहता हूँ कि जब यहां कांग्रेस की सरकार होती थी जब 25 हजार करोड़ का यहां बजट होता था उस समय तमाम यहां टैक्स में चोरी की जाती थी या इन्कम टैक्स हो या सैल्स टैक्स हो या वैट हो तमाम में दलाली की जाती थी लेकिन जब दिल्ली की सरकार एक इमानदार सरकार आम आदमी पार्टी की बनी तो निश्चित तौर से धीरे-धीरे दिल्ली के इमानदार अधिकारियों ने ये प्रदर्श किया कि ये जो दिल्ली में आम आदमी की सरकार, इमानदार सरकार है तो अधिकारियों ने इस बात पर जो टैक्स में चोरी की जाती थी वो टैक्स की चोरी बंद हुई तो आपसे ये मेरा कहने का तात्पर्य है कि आदरणीय अध्यक्ष जी इस देश में पहली, इस देश की पहली ऐसी सरकार है जिसने ये साबित किया कि इस सरकार के जो दिल्ली का विकास मॉडल ये देश नहीं पूरी दुनिया के लोग इससे प्रेरणा लेते हैं। तमाम दुनिया के लोग या राष्ट्रपति हों, या मंत्री हों या कैबिनेट मंत्री हों अनेक प्रधानमंत्री इस दिल्ली के विकास मॉडल की चर्चा करते हैं तो आज मैं कहना चाहता हूँ कि दिल्ली के लाल अरविंद केजरीवाल जी ने जो शिक्षा पर उन्होंने जो काम किया है दिल्ली के गरीब के बच्चों को जो शिक्षा देने का काम किया है ये पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने नीचे वाले पायदान को जो शिक्षा देने का काम किया है उन्होंने इस दुनिया में वो उनका नाम भी रोशन हुआ, अभी दुनिया की

एक मैगजीन आती है जिसमें फोरच्यून मैगजीन में आज हमारे मुख्यमंत्री को 50 व्यक्तियों में जो दुनिया के मैन आदमी माने जाते हैं जो महान नेता माने जाते हैं उसमें आदरणीय केजरीवाल जी को 42वां नंबर महान नेता के रूप में चुना गया। वो चुना उन्होंने इसमें क्योंकि उन्होंने यहां के दिल्ली के प्रदूषण को खत्म करने के लिए जो ओड–इवन की जो उन्होंने एक गाड़ी चलाने का जो वो प्रयोगशाला में लाने का काम किया, प्रदूषण को खत्म करने का इस मुददे को लेकर दुनिया ने उन्हें सराहने का काम किया तो दुनिया के 50 महान नेताओं में अरविंद केजरीवाल जी का नाम आज लिया गया है जिसमें पिछली बार इस मैगजीन में पांचवें नंबर पर प्रधानमंत्री होते थें अब उसमें माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का नाम हट गया है तो आपसे कहने का तात्पर्य है ऐसे महान नेता को मैं सैल्यूट और सलाम करता हूँ जिसमें अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के गरीब के बच्चों को जो 21 परसेंट बजट देकर उन्होंने विश्व सूत्रीय एसओएसई बनाने का जिसका, पीछे आपने देखा था अभी बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के नाम से एक स्कूल का नाम रखा जा रहा था भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उस पर विरोध किया। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब डाक्टर अंबेडकर के इस संविधान के मौलिक अधिकार नहीं देना चाहती। वो तो बाबा साहब डा0 अम्बेडकर को इस टोकरी में बिठाकर उसकी बोली तो लगाना चाहती है, उनके वोटो को लेना तो चाहती है, लेकिन उनके लिए काम नहीं करना चाहती है। इस देश के गरीबों के लिए, दलित, शोषित समाज के लोगों के लिए। तो आपसे मैं ये कहना चाहता हूँ

क्योंकि अब हमारे दिल्ली में, स्कूल में ऐसे 37 स्कूल और बनाए जाएंगे। तो आपसे मैं ये कहना चाहता हूँ कि विश्वस्तरीय स्कूल खोलकर सुनिश्चित कर रही हमारी सरकार दिल्ली के हर बच्चे को कोई स्कूल के बाद भी उच्चस्तरीय शिक्षा देने का कार्य किया गया है। जिसमें अभी आदरणीय हमारे पूर्व मंत्री जी ने कहा कि जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा योजना जो गरीबों के लिए आती थी, जो 50 हजार से लेकर 5 लाख रुपए का अनुदान सरकार देती थी जिसकी फाइल आज एल जी लिए बैठे हैं। ये देश की भारतीय जनता पार्टी लिए बैठी है। उसको इस देश के बच्चों को वो, देखना आईएएस/पीसीएस/डॉक्टर/इंजिनियर नहीं देखना चाहते वो कहते हैं कि ये तो मजदूर हैं। आज एक प्रथा इस देश में और चली है आदरणीय अध्यक्ष जी, की उन्होंने कहा जिस जाति का आदमी उस जाति को उसको रोजगार दिया जाए दुबारा। उनको तो स्किल, उनको देने का काम, उनको ट्रेनिंग देने का तो काम किया लेकिन अच्छी शिक्षा देने के लिए भारतीय जनता पार्टी देश के गरीबों के लिए नहीं सोच रही है। पहले इस देश के महान नेता अरविंद केजरीवाल जी ने, यहां तमाम दिल्ली सरकार में यशस्वी केजरीवाल जी की सरकार ने ये दिल्ली के स्किल यूनिवर्सिटी जैसे नए-नए विद्यालय खोलकर, स्वीकृत करने का काम किया। आज हमारे बच्चे अपने रोजगार के नहीं दूसरे रोजगार देने का काम हमारी सरकार करेगी। तो ऐसे बच्चों को तैयार किया जाए जैसे बच्चो को। तो मैं आपसे ये कहना चाहता हूँ अध्यक्ष जी, मुनव्वर राणा जी ने कहा,

'भटकती है हवस दिनरात सोने की दुकानों में,

गरीबी कान छिदवाती है तिनके डाल लेती है।'

तो आपसे ये कहना चाहता हूँ इस देश के गरीब बहुत संतोषी है, स्वाभमानी है, गरीब आदमी जब एक माचिस खरीदता है। जब हमारी माता–बहना सुबह उठती है तो माचिस से गैस चूल्हा जलाने का काम करती है। ये अधिकार है सुबह उठते ही हम सब लोग टैक्स देने का काम करते हैं और ऐसी सरकार पहली बार सरकार इस देश में आई है। जो कहती है कि दिल्ली का पैसा दिल्ली के द्वारा दिया गया टैक्स का पैसा चाहे वो किसी भीमाध्यम से उसने दिया हो, माचिस की तिल्ली के या हमने तमाम संसाधानों के द्वारा जिससे भी हमने दिल्ली सरकार से पैसा के द्वारा इकट्ठा हो। दिल्ली की सरकार दिल्ली के द्वारा चुनी गई सरकार के द्वारा जो पैसा खर्च कर रही है। एक ईमानदारी सरकार देने का काम कर रही है। आदरणीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए धन्यवाद, जय भीम जय भारत।

माननीय सभापतिः बहुत–बहुत धन्यवाद सुरेंद्र जी। भावना गौड़ जी।

सुश्री भावना गौड़ः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय नए बजट की शुरूआत अपने आप में एक ऐसा वक्त होता है जब हम अपने अतीत में झांकते हैं और भविष्य की ओर देखने का प्रयास करते हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो कई लोग बजट को

महामारी का नाम भी देते है, महामारी का नाम देते है। लेकिन मुझे लगता है अध्यक्ष महोदय, की महामारी तो कभी-कभी आती है लेकिन बजट बड़े सधो हुए अंदाज से अपने नियमित और निश्चित समय के ऊपर आता है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की प्रगति की चर्चा करते समय मुझे लगता है कि दो बिन्दुओं का मुल्यांकन हमें अवश्य करना चाहिये। पहला उसे विरासत में क्या मिला और उसने कितनी समस्याओं को सफलझाया है। दूसरा उसने दिल्ली के भावी विकास के लिए कितनी मजबूत नींव रखी है। अध्यक्ष महोदय, बजट वार्षिक विपदा वाला कोई बजट नहीं है बल्कि यह एक ऐसा मंच है जहां सरकार और जनता के उद्यम की साझेदारी को वार्षिक लेखा-जोखा के रूप में हम लोग प्रस्तूत कर सकते हैं और यह सब तब सम्भव हो पाया है, हमारी पार्टी की ठोस नीति और सशक्त नेतृत्व के कारण इतना सुंदर बजट हमने 2023-24 का यहां पर प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी की सरकार के आने से पहले बहुत सारी सरकारों ने दिल्ली में विधान सभा में राज किया, अपनी सरकारें बनाईं लेकिन मुझे लगता है कि विधि और व्यवस्था को बनाए रखने में हम से पहले आने वाली सरकारें असफल रही। उस वक्त लम्बी-चौड़ी सरकारें होती थी लेकिन प्रशासन केवल मुट्ठीभर का होता था। अध्यक्ष महोदय, अनगिनत सरकारें, सरकारी सेवक और मुट्ठीभर जनसेवा, ये पहले की सरकारों का काम रहा। ढ़ेर सारे नियंत्रण होते थे, लेकिन जनता का कल्याण केवल मुट्ठीभर होता था, ढ़ेर सारे विधि-विधान बनाए गए लेकिन

जनता को न्याय केवल मुट्ठीभर मिलता था। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी की सरकार इस सड़ी-गली व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए ही मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ। जनता का पैसा बर्बाद होने से बचे और जनता का पैसा जनता के मन मुताबिक खर्च हो यह फार्मुला आम आदमी पार्टी का है। अध्यक्ष महोदय, शायद इस विषय से अलग हट करके मैं एक बात कर रही हूँ। पूरी दिल्ली में ही नहीं अपितू पूरे भारतवर्ष में इस बात की चर्चा है कि पूर्ण बहुमत से चुनकर के आए हुए प्रतिनिधि और आम आदमी पार्टी की सरकार को उनके सदन में बजट को पेश होने से रोका गया। अध्यक्ष महोदय, हम इतिहास के हिस्सा तो नहीं रहे लेकिन इतिहास के विद्यार्थी जरूर रहे है। देश जब आजाद हुआ था तब भारत में वायसराय की परम्परा होती थी। लंदन में महारानी हुआ करती थी, भारत में वायसराय हुआ करते थे। कानून लंदन में बैठकर के महारानी बनाती थी और उसको लागू भारत में रहने वाला वायसराय करता था। अध्यक्ष महोदय, मुझे तो ऐसा लगता है कि वर्तमान में हमारे प्रधानमंत्री जी लंदन की महारानी हो गए हैं और हमारे यहां बैठे हुए एल जी साहब भारत के वायसराय हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, राज्य की अर्थव्यवस्था का संचालन कोई सीटी बजाने जैसा कार्य नहीं है। प्रगति का इंजन पँजी के इंधान से चलता है और पँजी का महल लाभ की इंटों के ऊपर खड़ा होता है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट का जो माननीय कैलाश गहलोत जी ने प्रस्तुत किया, मुझे लगता है कि इसका एक शुभ लक्षण ये है

कि इस बजट के बारे में तर्क संगत आधार के ऊपर हम लोग विचार कर सकते है, ये बहुत बड़ी बात है अपने आप में। अध्यक्ष महोदय प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर बजट का प्रभाव, राज्य की अर्थव्यवस्था पर बजट का प्रभाव केवल आवंटन के आधार पर नहीं किया जा सकता, उसपर नहीं निर्भर रहता। बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि कितनी कुशलता के साथ में हम उसका व्यय कर रहे हैं और व्यय को सार्थक और सफल बनाने के लिए हम कितना यत्न कर रहे हैं, इस बात पर हमारा बजट कैसा प्रस्तुत हुआ है इस बात पर अपने आप में हमें सबको मिलकर के विचार करना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मेरे अनुसार इस बजट के मुख्यतः चार प्रमुख उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास हमारी सरकार के द्वारा किया गया है। नम्बर वन, यह राज्य के सकल उत्पाद में वृद्धि करेगा और उद्यम की जनभावना को राज्य सम्पदा का रूप देगा। नम्बर दो, काम धांधो पैदा करेगा और अधिक मात्रा में उत्पादनशील कार्य के अवसर प्रदान करेगा। नम्बर तीन, समुचित रूप से आय के विवरण का विनियमन भी करेगा। नम्बर चार, यह जनमानस में नैतिकता की पुनः प्रतिष्ठा करेगा तथा सत्यनिष्ठा और उद्यम को भी पुरस्कृत करेगा। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार का यह नौवां बजट प्रस्तुत हुआ है। 2014–15 में जब ये बजट प्रस्तुत किया गया तो ये मात्र 30 हजार करोड़ का था, 2015–16 में 41,300 करोड़, 2016–17 में 41,600 करोड़, 2017–18 में 48,000 करोड़, 2018–19 में 53,000 करोड़, 2019–20 में

60,000 करोड़, 2020-21 में 65,000 करोड़, 2021-22 में 69,000 करोड़, 2022-23 में 75,800 करोड़ और अब 2023-24 में 78,800 करोड़ रुपए का बजट आम आदमी पार्टी की सरकार ने प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, बजट की सबसे बड़ी खास बात ये है कि सरकार ने इसपर कोई नया टैक्स नहीं लगाया। टैक्स, किसी भी सरकार के लिए जीवनदायिनी रक्त जैसी होती हैं किन्तु हमें ये भी नहीं भूलना चाहिये की यह रक्त, रक्तदाताओं की धामनियों से लिया जाता है। अतः राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए या राजनैतिक स्वार्थसिद्धी के संकेतों पर उसे बली नहीं चढ़ाया जाना चाहिये। बल्कि यह तो न्याय और अंतरआत्मा की सच्ची पुकार पर ही किया जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, विभिन्न प्रदेशों में यूँ तो बजट पेश होते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि बजट दो प्रकार के होते हैं। पहला बजट होता है उपजाऊ बजट। उपजाऊ बजट ऐसा होता है जो बंजर जमीन के अंदर भी सोना उगाता है और रेगिस्तान के अंदर भी हरियाली पैदा करने की क्षमता रखता है। अध्यक्ष महोदय, दूसरा बजट होता है बंजर बजट जो जोंक की भांति राज्य की शक्तियों को चूसता है, विश्वास को खत्म करता है और उद्यम का भी अपने आप में गला घोंटता है। अध्यक्ष महोदय, बजट प्रस्ताव में कुछ प्राथमिकताएं हैं। मैं इस सदन पटल पर इन सब बिंदूओं को रखना चाहूँगी। कुल बजट का 20.5 फीसदी बजट.

माननीय सभापति: भावना जी एक मिनट में अब कन्कलूड करिए, एक मिनट में, प्लीज।

सुश्री भावना गौड़: जी, यस सर, एक मिनट में। 16.75 करोड़ रुपए जो दिल्ली की शिक्षा के क्षेत्र में सबसे पहला स्थान अपने आप में रखता है। स्वास्थ्य पर 13 प्रतिशत बजट, ट्रांस्पोर्ट पर 12 प्रतिशत और जल आपूर्ति के लिए 15 प्रतिशत बजट दिल्ली को दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, इस साल दिल्ली का बजट दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाने की थीम पर समर्पित है। अध्यक्ष महोदय, यमुना की सफाई और तीन कूड़े के ढ़ेर को जैव विविधता पार्क के रूप में उसे बदला जाएगा जिसके लिए सरकार ने 850 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये हैं। डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा जिस पर 3,126 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। 14 सौ नये बस क्यू सेल्टर का निर्माण किया जाएगा, 3 नये बस अड्डे और 2 आधुनिक टर्मिनल बनाये जाएंगे। मोहल्ला बसों का निर्माण इसके बाद में पूर्वी दिल्ली से लेकर के गाजियाबाद को जोड़ने के लिए ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। चार नये अस्पतालों का काम जारी है और चार अगले नये अस्पताल अगले नये वित्त वर्ष में उनको चालू किया जाएगा। इसके साथ–साथ अध्यक्ष महोदय मैं यह कहना चाहूँगी की यह बजट बड़ी सूझबूझ वाला बजट है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जन–सुविधाओं को लेकर के खर्च होने वाले इस बजट को इस निवेश को मैं मानवीय निवेश का नाम दूँगी। अध्यक्ष महोदय, यह बजट हमें अपने विश्वविद्यालयों, उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों तथा सुरक्षा अनुसंधान संगठनों

के बीच सहभागिता को बढ़ाने का कार्य करेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारा बजट विशेष तौर पर मैं अपने विपक्ष के साथियों को कहना चाहूँगी की हमारा बजट नारों, विचारधाराओं और महत्वकांक्षाओं को विश्राम करने की सलाह देगा और यह बजट इस उद्देश्य को लेकर के आगे बढ़ेगा की दिल्ली के विकास को उसके रास्ते के ऊपर ले जाते समय दिल्ली को कैसे हम आदर्श राज्य बनाएंगे इस प्रकार का बजट माननीय वित्त मंत्री जी की तरफ से पेश किया गया लेकिन आप जानते हैं..

माननीय अध्यक्षः अब नहीं कंकल्यूड।

सुश्री भावना गौडः अध्यक्ष महोदय एक सेकेंड, एक सेकेंड बस। कौन नहीं जानता की एक पलड़े में हमारे नपे-तुले संसाधान हैं और दूसरी ओर हमारी आवश्यकताएं हैं। अध्यक्ष महोदय, एक पंक्ति कहकर के मैं अपनी बात को विराम दूँगी की

'जनता की रहमतों का सहारा मिला हमें,
जनता की रहमतों का सहारा मिला हमें,
हमने समुंद्रों में भी रास्ता बना दिया।'

बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय आपने बजट की चर्चा में मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्री अभय वर्मा जी।

श्री अभय वर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी, बजट में चर्चा लेने के लिए मुझे आपने आमंत्रित किया है। सर 78,800 करोड़ का बजट माननीय मंत्री जी ने पेश किया और मैंने पिछले सालों का रिकार्ड देखा हूँ तो 2012-13 में जब दिल्ली का बजट आया था तो लगभग 25-26 हजार करोड़ का बजट था और उस समय 25-26 हजार के बजट में प्रत्येक विधानसभा में लोकल डेवलपमेंट के लिए 4 करोड़ रुपया सरकार से मिलता था। आज 78,800 के बजट पेश करने के बाद भी लोकल डेवलपमेंट के लिए सिर्फ 4 करोड़ रुपया मिल रहा है पता नहीं किस आंकड़ों से यह बजट आया है। अध्यक्ष जी, मंत्री जी ने पीडब्लूडी के रोडों के विकास की बात की जो की केवल 1400 किलोमीटर है लेकिन अगर दिल्ली को सही मायने में सुन्दर, साफ और मॉर्डन बनाना है तो जब तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की गलियों की व्यवस्था अच्छी नहीं होगी, नालियों की व्यवस्था अच्छी नहीं होगी, पार्कों की व्यवस्था अच्छी नहीं होगी तो ये सब पिछले बजट की तरह एक भूल-भुलैया वाली कहानी बनकर निकलेगा। अध्यक्ष जी, एमसीडी के 12 हजार 700 किलोमीटर सड़क माननीय मंत्री जी ने अपने भाषण में कहा लेकिन 12 हजार 703 किलोमीटर के लिए कोई प्रावधान, कोई योजना कुछ भी इस बजट में नहीं दिया और मैंने आपको पहले ही बताया की 25 हजार करोड़ के बजट में अगर 4 करोड़ मिलता था विधायकों को अपने लोकल क्षेत्र के विकास के लिए आज भी 4 करोड़ ही मिल रहा है तो विकास की बात कहां से आएगी मुझे समझ में

नहीं आ रहा। मैं एक प्रस्ताव सिर्फ सरकार के सामने रखना चाहूँगा की सिर्फ साढ़े तीन हजार करोड़ रुपया विधायकों के लोकल क्षेत्र के डेवलपमेंट के लिए मंत्री जी दे दें तो निश्चित रूप से साफ, सुन्दर और मॉर्डन दिल्ली बनाने में ये सरकार सफल होगी। अगर गलियों की व्यवस्था आप ठीक नहीं करेंगे, पार्कों की व्यवस्था आप ठीक नहीं करेंगे, नालियों की व्यवस्था आप ठीक नहीं करेंगे तो आप गलत सपना दिल्ली के लोगों को दिखा रहे हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, बजट की बात होगी तो शराब घोटाले की बात जरूर आएगी। सरकार ने तो अपने नुकसान के बारे में कुछ नहीं बताया जबकि इस साल के बजट में 32 परसेंट एक्साइज रेवेन्यू का नुकसान हुआ है और मैंने स्वयं लिखकर सरकार से पूछा था कि एक्साइज पॉलिसी को लेकर सरकार के क्या-क्या रेवेन्यू कैसे-कैसे जनरेट हुए और जब ये सरकार का लिखित जवाब आया है अध्यक्ष जी उस दिन से मैं तो बहुत ही परेशान हूँ क्योंकि नई पॉलिसी एक पढ़े लिखे मुख्यमंत्री के द्वारा अनपढ़ों की तरह एक नई पॉलिसी लाई गई और..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई अजय दत्त जी बैठ जाईये।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः मैं आपका ही कागज दिखा रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः आप नोट करिये कुछ आपको लगता है, अपने सदस्यों को बोलेंगे जवाब देंगे, ये कोई तरीका नहीं है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं बैठ जाईये।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी, नई लिकर पॉलिसी के तहत.. नई लिकर पॉलिसी के तहत 22 करोड़ लीटर शराब बेची गई और हमें वैट मिला 540 करोड़ ये सरकार ने लिखकर दिया है अध्यक्ष जी और पुरानी लिकर पॉलिसी के तहत 12 करोड़ लीटर शराब बेची गई और रेवेन्यू मिला था 1241 करोड़ रुपया सीधा-सीधा 700 करोड़ रुपये का नुकसान तो सीधा-सीधा दिखता है और अगर 22 करोड़ लीटर पुरानी पॉलिसी के तहत बेची जाती तो लगभग 2225 करोड़ रुपया रेवेन्यू आता सिर्फ वैट में एक्साइज में अलग 1500 करोड़ रुपया का नुकसान दिखाया है आपकी सरकार ने लिखकर दिया है। 3100 करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई दिल्ली की जनता के जेब पर जो डाका डाला गया नई पोलिसी बनाकर, शराब कारोबारियों के साथ मिल कर जो दिल्ली के खजानों को लूटा गया उससे मुख्यमंत्री जी बचने वाले नहीं हैं। उस दिन वो कह रहे थे कि पुलिसवाले आकर बता रहे हैं अब तेरा नंबर है, अब तेरा नंबर है नंबर तो मुख्यमंत्री का है जनाब।.. विषय तो मुख्यमंत्री पर आना है। राज्य के मुखिया के नेतृत्व में इतना बड़ा घोटाला, इतना बड़ा रेवेन्यू का नुकसान, इसका जवाब कौन देगा जनाब? दिल्ली की

जनता को अनपढ़ मत समझो, ये पढ़ेलिखे मुख्यमंत्री ने तबाह कर दिया दिल्ली के खजाने को, अध्यक्ष जी, ये रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने लिखकर दिया है आपके माध्यम से ये जवाब मेरे पास आया है। अध्यक्ष जी, सच्चाई सुनो, सच्चाई सुनों सच्चाई, सच्चाई सुनने पर मिर्ची लग रही है। सच्चाई सुनों।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी बैठिये।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः सच्चाई सुनों।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी बैठिये प्लीज।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः सच्चाई सुनों। 3100 करोड़ का डाका डाला है आप लोगों ने 3100 करोड़ रुपयों की चोरी हुई है दिल्ली के खजाने से क्यों नहीं जवाब देंगें आज मैं साढ़े तीन हजार करोड़ मैं सभी विधायकों के लिए मांग रहा हूँ। ये 3100 करोड़ के नुकसान की भरपाई सरकार कैसे करेगी। आज ये एक मंत्री 20 दिन पुलिस के कस्टडी में रहता है, दिल्ली की जनता क्या सोच रही है दिल्ली की सरकार के बारे में। अध्यक्ष जी,.. अध्यक्ष जी ये बोलने नहीं देना चाहते।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई ये विषय इस ढंग का आएगा तो ये ठीक नहीं है।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः दिल्ली की जनता पागल हो गयी है,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये इस ढंग की चर्चा करेंगे, वो बजट पर इस ढंग की चर्चा करेंगे।

श्री अभय वर्माः दो-दो मंत्री 10 महीने से जेल के अंदर हैं। अध्यक्ष जी।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अगर बजट पर इस ढंग की चर्चा होगी, तो क्या करेंगे वो। ये चर्चा थोड़ी ही कर रहे हैं, बजट पर चर्चा नहीं हो रही है।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः अरे ये कागज आपकी सरकार ने लिखकर दिया है,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, बैठिए प्लीज।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः ये कागज आपकी सरकार ने लिखकर दिया है,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिए

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः आपकी ईमानदार सरकार ने लिखकर दिया है ये कागज।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अपनी भाषा ठीक करें, मुझे समझ नहीं आ रहा है। अभय वर्मा जी बजट पर चर्चा नहीं कर रहे हैं आप।

श्री अभय वर्माः बजट पर..

माननीय अध्यक्षः नहीं, बजट पर कोई चर्चा नहीं।

श्री अभय वर्माः बजट पर आ रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः आपका समय पूरा हो गया है।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी बजट पर ही हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः देखिये, आपके..

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः अगर बजट पर रेवेन्यू टैक्स का नुकसान पर चर्चा नहीं होगा, तो बजट पर किस बात की चर्चा होगी।

माननीय अध्यक्षः बजट पर आप चर्चा नहीं कर रहें।

श्री अभय वर्माः ऐसे नहीं होता।

माननीय अध्यक्षः आप राजनीतिक चर्चा कर रहे हैं।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी,

माननीय अध्यक्षः पूरी राजनीतिक चर्चा कर रहे हैं। बजट पर कोई चर्चा नहीं कर रहे आप।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः इन्होंने जब पिछली बार, पिछली बार जब ये बजट लेकर आए थे।

माननीय अध्यक्षः आपका एक मिनट बाकी है।

श्री अभय वर्माः अभी तो आपने..

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं फिर, आप घड़ी देख लीजिए सामने घड़ी।

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी,..

माननीय अध्यक्ष: बारह बजने में..

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: तीन मिनट से तो बोलने नहीं दे रहें। तीन मिनट से बोलने नहीं दे रहें।

माननीय अध्यक्ष: आप सब कुछ बोल चुके हैं जो आपने बोलना है।

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी, इतना बजट..

माननीय अध्यक्ष: आपने समय खराब किया अपना। आपने उल्टा सीधा बोलकर समय खराब किया है।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी मैं बैठ जाता हूँ ये कोई बात नहीं हुई है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं, मैं अब..

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: चोरी पकड़ी गई तो सबको डर लगने लगा।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः चोरी पकड़ी गई तो सबको डर लग रहा है। मेरे को तीन मिनट से नहीं बोलने दे रहें। अध्यक्ष जी पिछला बजट..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई अगर वो बजट पर चर्चा नहीं करेंगे तो..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं ऐसे नहीं रोक सकता। मैं ऐसे नहीं रोक सकता। उनको कहिए बजट पर चर्चा करें।

श्री अभय वर्माः बजट पर ही है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भाषा क्या बोल रहे हैं उनकी भाषा क्या है, उनकी भाषा क्या है ये देखो।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः न, ये बिलकुल ऐसे-ऐसे शब्द बोल रहे हैं वो। वो असंसदीय भाषा बोल रहे हैं।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी,

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: अरे ये झूठ आपका कागज है। आपकी सरकार ने दिया है लिखकर। आपकी सरकार ने लिखकर दिया है। अध्यक्ष जी पिछला बजट रोजगार की थीम पर लेकर आए थे।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: रोजगार के थीम पर जो बजट ले कर आए,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: मैं दे रहा हूँ, बोल लेने दो।

श्री अभय वर्मा: रोजगार के थीम पर जो बजट लेकर आये थे, इन्होंने बीस लाख,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: अजय दत्त जी बैठिए प्लीज।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: बीस लाख नौकरी देने का वादा किया था और बहुत दुख के साथ कह रहा हूँ कि जब मंत्री जी ने आर्थिक सर्वे पेश किया, आउटकम बजट पेश किया और मेन बजट पेश किया 20 लाख नौकरी के बारे में कोई जवाब इन्होंने नहीं दिया। दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि आप रोजगार बजट लाते हो और..

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: अरे दे दो भाई इसमें अपने, अपने बजट का जवाब दे रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: अरे भई अपने साथी जवाब देंगे न।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्मा: और आप टीचरों को बाहर निकाल रहे हों। पिछले साल नौकरियां कम हुई हैं अध्यक्ष जी और..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: अजय दत्त जी बैठिए।

श्री अभय वर्मा: मंत्री जी, ने बताया कि देशभक्ति बजट 500 झंडे लगे अध्यक्ष जी मेरी विधानसभा में एक जगह झंडा लगा है 500 झंडे में कम से कम 7 स्थानों पर मेरे यहां झंडा लगना चाहिए और अध्यक्ष जी यह एक ऐड आया, ये ऐड आया और इस ऐड में आपको बताउं एक स्थान लिखा है रिंग रोड, स्वास्थ्य विहार, लक्ष्मी नगर। अध्यक्ष जी बता दें रिंग रोड स्वास्थ्य विहार लक्ष्मी नगर कहां है। ये झूठा ऐड ये पूरे पेज का झूठा ऐड जिसमें लिखते हैं स्वास्थ्य विहार, रिंग रोड, लक्ष्मी नगर। अध्यक्ष जी, इस पर जांच होनी चाहिए। अगर ये सरकार इतना झूठा ऐड निकालती है, अगर इतना गलत ऐड निकालती है तो पता नहीं क्या-क्या होगा।

माननीय अध्यक्ष: अभय जी अब समय ..

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी, ग्रीन बजट आया था,

माननीय अध्यक्षः नहीं अब 12 मिनट हो गये 10 मिनट मैंने किसी को नहीं दिये।

श्री अभय वर्माः नहीं मेरे को तो बोलने ही नहीं दिया गया।

माननीय अध्यक्षः नहीं, 12 मिनट हो गये।

श्री अभय वर्माः ग्रीन बजट..

माननीय अध्यक्षः अब बैठिए, बैठिए प्लीज।

..व्यवधान..

श्री अभय वर्माः दिल्ली दुनिया की सबसे पॉल्यूटेड सिटी, दिल्ली फिर दुनियां कीसबसे पॉल्यूटेड राजधानी बन गईं अध्यक्ष जी..

माननीय अध्यक्षः हाउस 2 बजे तक लंच के लिए एडजॉर्न किया जाता है 2 बजे दोबारा बैठेंगे बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित की गईं)

सदन अपराह्न 2.07 बजे पुनः समवेत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए ।

माननीय अध्यक्षः श्री नरेश यादव जी।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी मेरा विषय।

माननीय अध्यक्षः नहीं हो गया ये मैं..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं अभय वर्मा जी देखिए मैंने समय बैठक में आप लोगों के साथ तय हुआ मैंने समय ऐलोट किया हुआ है। उससे दो मिनट फालतू ले चुके हैं आप।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं प्लीज। मैं अब कुछ नहीं करूंगा।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी,

माननीय अध्यक्षः नरेश यादव जी।

श्री नरेश यादवः जो आपने मुझे बजट की चर्चा में हिस्सा लेने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः शुरू करिए नरेश जी।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष जी सबसे पहले मैं मनीष जी को याद करना चाहूँगा इस सदन में कि उन्होंने पिछले आठ बजट पेश किए थे और इस बार के बजट में हम सब लोगों ने उनको बहुत मिस किया। अध्यक्ष जी जो इस बार का बजट था वो बजट था साफ, सुंदर और आधुनिक दिल्ली शहर बनाने का बजट। इसके

लिए मैं सबसे पहले माननीय केजरीवाल साहब और कैलाश गहलौत जी को भी बहुत बहुत शुभकामनाएं देना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, इस बजट पर काफी चर्चा हो चुकी है माननीय भावना गौड़ जी ने बहुत ही विस्तृत तरीके से बजट पर चर्चा की। हमारे अजय दत्त भाई ने बहुत अच्छे से एक्सप्लेन किया। मैं इस बजट पर अध्यक्ष जी विशेष तौर पर जोर देना चाहता हूँ कि 2015 में जो हमारा बजट था वो तीस हजार करोड़ था और 2023 में बढ़कर ये 78800 करोड़ हो गया जब कि सभी जानते हैं पूरे दिल्लीवासी जानते हैं कि केन्द्र सरकार दिल्ली सरकार को स्पोर्ट नहीं करती। केन्द्र सरकार दिल्ली को केवल 325 करोड़ रूपये की राशि देती है जब कि दिल्लीवासियों का कंट्रीब्यूशन सैंट्रल गवर्नमेंट में एक लाख 25 हजार करोड़ से भी ज्यादा का कंट्रीब्यूशन है जो दिल्ली के लोग केन्द्र सरकार को देते हैं। सैंट्रल गवर्नमेंट नॉर्मली 42 परसेंट हिस्सा स्टेट्स को देती है लेकिन दिल्ली को केवल 325 करोड़ रूपये दिए जाते हैं। अध्यक्ष जी, इस बार का जो बजट है वो इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट है जिसमें 21 हजार करोड़ रूपये खर्च किए जा रहे हैं और विशेष तौर पे साफ सुंदर और आधुनिक दिल्ली बनाने के लिए जो बजट ये पेश किया गया है वो इसी तरीके से पेश किया गया है कि इसमें साफ सुंदर और आधुनिक दिल्ली बनाने के लिए नौ प्वाईंट्स रखे गए हैं जिसमें पीडब्ल्यूडी की साठ फुट चौड़ी सड़कों को साफ सुंदर बनाया जाएगा, उनकी रोजाना सफाई होगी। मैकेनिकल मशींस ली जाएंगी और 250 वाटर्स स्प्रिंकलर्स

से सफाई होगी लगभग 1400 किलोमीटर की जो सड़कें हैं उनको वनगो में रिपेयर किया जाएगा। तो इतना सारा पैसा पूरा का पूरा दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगाया जाएगा और अध्यक्ष जी ये सारा का सारा पैसा और जो बजट है हमारा तीस हजार करोड़ से 78 हजार आठ सौ करोड़ हो गया तो ये कैसे हो गया। ये लोग हमसे पूछते हैं बहुत बार कि सैंट्रल गर्वनमेंट आपको पैसा भी नहीं देती, आप लोग कहते हैं 325 करोड़ रूपये केवल मिलता है, आप सभी तरह की सब्सिडी का जो पैसा है वो आपका कंटीन्यू है चाहे वो बिजली की है, बसों में सफर का है, सभी सब्सिडी इस बजट में भी एज इट इज रखी गयी है। तो अध्यक्ष जी इसमें मेन जो हमारा प्वाईंट है वो है ईमानदारी का। ये सरकार एक ईमानदार सरकार है, ईमानदार सरकार होने की वजह से ही सरकारी बजट 30 हजार करोड़ से 78 हजार करोड़ रूपये चला गया। शिक्षा का बजट सबसे ज्यादा रखा गया। स्वास्थ्य दूसरे नंबर पे रखा गया। शिक्षा में हम लोगों ने सारे स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को चेंज किया और एक स्पेशल जो यहां पर अब हमारे दिल्ली में जो स्कूल बनाये जा रहे हैं वो एसओएसई School of specialized excillence के 31 स्कूल बनाये जा चुके हैं जिसमें 6 हजार स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं जोकि किसी भी दिल्ली के पब्लिक स्कूलों से अच्छे हैं। और और एसओएसई बनाने का प्रावधान भी इस बजट में किया गया है। अध्यक्ष जी, ये एक ईमानदार सरकार है, ईमानदारी से काम कर रही है और यहां खजाना ईमानदारी से भरता है और उसके बावजूद भी

देखिये अध्यक्ष जी जो दिल्ली में हुआ है कि हमारे शिक्षा मंत्री जी को जेल में डाल दिया, स्वास्थ्य मंत्री जी को जेल में डाल दिया और वो भी किस तरह के करप्शन के चार्जिज़ में जबकि आज पूरा देश मान रहा है कि दिल्ली सरकार एक ईमानदार सरकार है और उन्होंने उदाहरण पेश किया है कि दिल्ली का बजट 78,800 करोड़ रूपये हो गया है। तो अध्यक्ष जी मैं यही कहूँगा इस बजट पर कि ये बजट सभी के लिये है चाहे वो महिला है, बच्चे हैं, स्टूडेंट हैं, युवा हैं, सभी के लिए कुछ न कुछ रखा गया है और पूरी दिल्ली वालों के लिये कोई टैक्स भी नहीं बढ़ाया गया है। तो इस शानदार बजट के लिये मैं माननीय हमारे जो वितमंत्री हैं, कैलाश गहलौत जी को भी बहुत बहुत शुभकामनायें दूँगा, माननीय केजरीवाल साहब को भी बहुत बहुत बधाई दूँगा कि उन्होंने लगातार 9 बजट जो दिल्ली को दिये हैं जिसमें कि किसी तरह का बोझ दिल्ली वालों पर नहीं डाला है वो एक अपने आप में सराहनीय है और पूरी दिल्ली की जनता आपके साथ खड़ी है और पूरी दिल्ली ये जानती है कि माननीय मनीष सिसोदिया जी और सत्येन्द्र जैन जी को इन्होंने गलत तरीके से जेल में डाला हुआ है। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे बजट चर्चा पर बोलने का मौका दिया।..

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद नरेश जी, बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष जी एक बात और मैं रखना चाहूँगा सभी मेंबर्स से रिलेटिड है 4 करोड़ का एमएलए लैड फंड होता

था, वितमंत्री जी से मेरा निवेदन, सभी मेंबर्स की ये राय है क्योंकि हम लोग चर्चा करते हैं जब बैठते हैं बाहर कि 10 करोड़ कर दिया जाये या इससे उपर कर दिया जाये। इसमें मुझे लगता है कि बीजेपी के साथी भी इसके अंदर वो होंगे शामिल होंगे।..

माननीय अध्यक्षः ठीक है, ठीक है, ठीक है।

...व्यवधान...

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष जी एक भावना गौड़ जी ने मुझे दो बहुत शानदार शब्द लिख के दिये हैं। नॉर्मली मैं इस तरह के नहीं बोलता लेकिन आज भावना जी के कहने से मैं बोल रहा हूँ

हमने तो समंदर के रूख बदले हैं
अरविंद केजरीवाल जी ने सोचने के सलीके बदले हैं
आप कहते थे कुछ नहीं होगा
हमने आपके भी सोचने के तरीके बदले हैं।

अध्यक्ष जी, इसमें ये कैसे सोचने के तरीके बदले हैं ये भी इन्होंने मुझे बताया शिक्षा का बजट, आज पूरे देश कीजो राज्य सरकारें हैं वो बदल रही हैं और बढ़ा रही हैं। वो सीख रही हैं अरविंद केजरीवाल जी से। स्वास्थ्य में इतना काम हो रहा है वो सीख रहे हैं अरविंद केजरीवाल जी से। बहुत बहुत शुक्रिया अध्यक्ष जी कि आपने मुझे बजट चर्चा पर हिस्सा लेने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद, श्रीमान सोम दत्त जी, सोम दत्त जी। (अनुपस्थित)

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई प्लीज, प्रीति जितेंद्र तोमर जी।

श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमरः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे अपने इस नौंवे बजट पे बोलने का मौका दिया।..

माननीय अध्यक्षः भई बातचीत नहीं। एक महिला सदस्य बोल रही हैं थोड़ा ध्यान रखिये।

श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमरः जो हमारा बजट 30 हजार करोड़ से बढ़कर 78,800 करोड़ हो चुका है। उस दिन अध्यक्ष महोदय जी हमारे उप राज्यपाल महोदय ने बजट के उपर स्पीच देते हुए 'मेरी सरकार' कहते हुए जो हमारे बजट की तारीफ करी सुनकर अच्छा लगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय उनकी कथनी और करनी में जो अंतर है वो भी किसी से छिपा नहीं है जो कि मैं समझती हूँ कि वो ठीक नहीं है। एक चुनी हुई सरकार के कामों को रोकना कहां तक उचित है? हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी अरविंद केजरीवाल जी ने जैसा कि 2012-13 में कहा था कि वो राजनीति करने नहीं, राजनीति बदलने के लिये आये हैं। इसके लिये हमारी नीयत साफ होनी चाहिये, ईमानदारी होनी चाहिये और कट्टर इंसानियत होनी चाहिये और उन्होंने ऐसा करके भी दिखाया। इसके लिये वो बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष जी, मैं समयसीमा को देखते हुए बजट के

कुछ मुख्य अंश को प्रस्तुत करना चाहूँगी। जैसा कि हम जानते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, उनकी गाईडेंस में और श्री मनीष जी के सहयोग से एक शानदार बजट की प्रस्तुति माननीय मंत्री कैलाश गहलौत जी के द्वारा की गयी है, वो भी बधाई के पात्र हैं। ये बात और है कि श्री मनीष जी की कमी सदन में बहुत खली। ईश्वर से प्रार्थना है कि वो बहुत जल्दी बरी होकर बाहर आयें और अपनी जनता की सेवा करें। इस बजट में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और हर आयु वर्ग के लिये कुछ न कुछ है। कहने का अर्थ है कि सभी का ध्यान रखा गया है। देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली में है। इसका कारण है कि यहां बिजली, पानी, ईलाज सब फ्री है और जारी भी रहेगा। अध्यक्ष जी, बजट का 21 परसेंट एजुकेशन पर खर्च किया गया है क्योंकि हर बच्चा शिक्षित होगा तो राष्ट्र शिक्षित होगा। गवर्नमेंट स्कूल की कंडीशन आप देखिये पहले क्या थी और आज क्या है। लोग प्राउड फील करते हैं कि उनके बच्चे गवर्नमेंट स्कूल में पढ़ते हैं। पहले गरीब लोगों के लिये सिर्फ एक सपना था कि हमारे बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस बनें और आज उनके बच्चे बनकर भी दिखा रहे हैं हमारे गवर्नमेंट स्कूल की बदौलत। हमारी सरकार आगे भी बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन दिलाने में सहयोग करती रहेगी और हम केंद्र सरकार से भी ऐसी अपेक्षा रखते हैं। डाक्टर अंबेडकर School of Specialised Excellence (SOSC) की शुरूआत 2021 में 20 स्कूल के साथ हुई थी और कमींग इयर में बढ़कर ये 37 हो जायेगी।

इसमें करीब 10 हजार बच्चे पढ़ सकेंगे। शहीद-ए-आजम भगत सिंह को समर्पित दिल्ली के पहले आवासीय सशस्त्र बल तैयारी स्कूल का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी की अरविंद केजरीवाल जी ने नजफगढ़ के झड़ोदा गांव में किया था। एट प्रजेंट इस स्कूल में 160 बच्चे पढ़ रहे हैं जो जल्दी ही सशस्त्र बलों में शामिल होकर मातृभूमि की सेवा करेंगे। सरकार अध्यक्ष जी, सभी स्कूल्स में नये कंप्यूटर्स और नये टैबलेट्स भी देने जा रही है। एजुकेशन सेक्टर के लिये 16575 करोड़ की राशि आवंटित की गयी है और हेल्थ सेक्टर के लिये 9742 करोड़ की राशि आवंटित की गयी है। अध्यक्ष जी हमारी दिल्ली गवर्नमेंट के 515 आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक चल रहे हैं जहां पर ढाई सौ टेस्ट फ्री हैं जो बढ़कर साढ़े चार सौ हो जायेंगे और जितनी भी और जरूरी दवाईयां हैं वो सब मुफ्त मिल रही हैं। चार महिला मोहल्ला क्लिनिक चल रहे हैं जो बढ़कर 104 हो जायेंगे। ये महिलाओं के लिये सरकार की तरफ से बहुत बड़ा गिफ्ट है क्योंकि महिलायें किसी न किसी कारण से प्राईवेट हास्पिटल और क्लिनिक्स में नहीं जा पाती, कई बार आर्थिक समस्या होती है, कई बार कुछ ऐसी बीमारियां होती हैं कि उनको हेजिटेशन होती है। जहां तक रोड्स का सवाल है अध्यक्ष जी पीडब्ल्यूडी की 1400 कि.मी. लंबी सड़कों का re-construction and beautification होगा यूरोपियन रोड्स के आधार पर। बसिज़ में अध्यक्ष जी, जितनी भी हमारे पास बसिज़ हैं उनमें 80 परसेंट बसों को इलैक्ट्रिक किया जायेगा। इससे अध्यक्ष जी दिल्ली के पॉल्यूशन

का स्तर काफी कम हो जायेगा जो बहुत जरूरी है। दिल्ली में मोहल्ला बसिज़् की शुरूआत की जायेगी आई थिंक ये सबसे ज्यादा पापुलर रहेगी। ट्रांसपोर्ट का सवाल है अध्यक्ष जी जहां तक दिल्ली सरकार की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शुरू करने वाला दिल्ली पहला राज्य होगा। साढ़े तीन साल के अंदर दिल्ली की बसों में महिलाओं द्वारा सौ करोड़ से अधिक यात्रायें फ्री में पूरी की गयी हैं। दिल्ली में 34 महिला चालक हैं जो डीटीसी की बसें चलाती हैं और धीरे धीरे यह संख्या बढ़ जायेगी। यह अध्यक्ष जी महिला सुरक्षा की तरफ बढ़ाया गया दिल्ली गवर्नमेंट का एक बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय काम है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत विभिन्न स्थानों पर लगभग 70 हजार बुजुर्गों के लिये मुफ्त तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने श्रवण कुमार बनने का काम किया है और सारे दिल्ली के बुजुर्ग उनको आशीर्वाद दे रहे हैं। पावर्स की बात है तो लास्ट 8 इयर्स से बिजली के रेट्स नहीं बढ़ाये गये है ऐसा सिर्फ अरविंद केजरीवाल जी की सरकार में ही संभव है। दो साल के अंदर तीनों लैंड फिल साईट्स जो कूड़े के पहाड़ हैं जिसकी वजह से अध्यक्ष जी, बहुत सारी बीमारियां आसपास हो रही हैं, वो हटा दिये जायेंगे। अध्यक्ष जी इसके लिये 850 करोड़ एमसीडी को ऋण दिया गया है। धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री सोमनाथ भारतीः इस वक्तसदन में बजट पे चर्चा हो रही है माननीय मंत्री जी, इस वक्त न तो पिंसिपल सेक्रेटरी फाईनेंस उपलब्ध हैं, बैठे हुए हैं, न सेक्रेटरी फाईनेंस हैं this is against the legislative mandate.Both of them need to be present here during the entire discussion of the budget session. This is not accepted, this is dis-respect to the assembly and to your power speaker महोदय

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारतीः इस प्रकार सिस्टम ही कोलैप्स कर जायेगा।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठिये, बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः चलिये, चलिये श्री सही राम जी।

श्री सही रामः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, 2015 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। उसके बाद से आज ये नवें साल के बजट पे चर्चा हो रही है। अध्यक्ष महोदय मैं इस बजट को नाम दूँगा बंपर बजट। बंपर बजट क्यों कह रहा हूँ मैं इसे कि हर साल सरकार दिल्ली की जनता को जितनी सुविधा देने में कामयाब हुई उसके बावजूद भी हर साल बजट बढ़ता ही जाता है। अध्यक्ष महोदय, बजट पेश होने के बाद, बजट

चर्चा के बाद हर सरकारों की तुलना होती है कि इस सरकार ने कैसा बजट पेश किया, किस सरकार ने कैसा बजट पेश किया और किस किस मद में कितना कितना बजट दिया। अध्यक्ष जी, बजट पेश होने पे उस पार्टी के, उस सरकार के मुखिया की सोच बताई जाती है कि किस पार्टी की, किस सरकार के मुखिया की कैसी सोच है और उसकी कैसी नीति है। इस बजट में साफ दिखाया गया है कि हमारे मुखिया माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की सोच दिल्ली के लिये कितनी अच्छी स्कीम लेके आई है, ये साफ दर्शाती है अध्यक्ष महोदय। और बंपर बजट मैं इसलिये भी कहूँगा इसे कि हर साल इतना बजट बढ़ाने के बाद भी पिछले 8 साल से दिल्ली की जनता के उपर कोई अतिरिक्त कर लगाके कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डाला गया। ये भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि है सरकार की स्पीकर महोदय कि बजट हर साल बढ़ रहा है लेकिन दिल्ली की जनता पे कोई अतिरिक्त टैक्स लगाके दिल्ली की जनता पे कोई भी अतिरिक्त बोझ नहीं बढ़ाया गया। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में सबसे पहला मॉडल जो प्रस्तुत किया गया जिसकी दिल्ली नहीं, हिंदुस्तान नहीं पूरी दुनिया में चर्चा रही है, वो रहा शिक्षा मॉडल। और मैं तो यहां तक कहूँगा। मैं नहीं कहता पूरी दुनिया कह रही है कि दिल्ली के शिक्षा मॉडल को लेकर अब और भी जो प्रदेश हैं वो भी आगे दिल्ली के शिक्षा मॉडल को अपना रहे हैं। और ये एक बड़े गर्व की बात है कि कुछ साल पहले अमेरिका की प्रथम महिला मोदी जी के इनविटेशन पर आई, लेकिन उन्होंने मोदी जी

के यहां जाने की बजाए मनीष जी के स्कूलों को जाकर देखना ज्यादा पसंद किया। अध्यक्ष महोदय, बिल्डिंग भी बनाई, टीचरों की भर्ती भी की, टीचरों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भी भेजा और इस साल के बजट में एक और आगे कदम बढ़ाया कि सभी स्कूलों के टीचरों को और प्रिंसिपलों को, ये हमारी शिक्षा मंत्री बैठी हुई हैं इनका धन्यवाद, कि सभी स्कूल के टीचरों को और प्रिसिपलों को जो टैब देने का काम किया है, इससे हमारी शिक्षा में और ज्यादा सुधार होगा, बेहतर सुधार होगा। टीचर और पिंसिपल मिलकर और ज्यादा अच्छी तरह से हमारे बच्चों को एजूकेटिड करेंगे जिससे हमारा भविष्य सुधारेगा। इसके साथ–साथ मंत्री जी बैठे हुए हैं इन्होंने पीडब्ल्यूडी के लिए काफी अच्छा बजट रखा है। नई–नई मशीनें आएंगी, रोड़ों को साफ करेंगी, नई तकनीक से पीडब्ल्यूडी की रोड़ें बनेंगी तो दिल्ली एक साफ–सुथरी नगरी नजर आएगी। अध्यक्ष महोदय, इसमें एक चीज मैं कहना चाहूँगा। यहां विपक्ष के साथी भी बैठे हुए हैं और नेता प्रतिपक्ष भी बैठे हुए हैं। आज से दो साल पहले बारिश के दिन थे मुझे आज भी याद है, टीवी में मैंने कवरेज देखी, हमारे नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी जी नाव लेकर बदरपुर के अंडरपास में, प्रहलादपुर के अंडरपास में नाव लेकर वहां पहुंचे, प्रेस वालों को मीडिया को लेकर पहुंचे। मुझे बड़ा दुख हुआ, दुख इसलिए नहीं हुआ कि वहां पानी भरा हुआ है, मुझे दुख इसलिए हुए कि मेरे से पहले जो आज इनके भारतीय जनता पार्टी के सांसद है, तीन बार वहां विधायक रहें, एक बार भी

बारिश के दिनों में उस स्कूल में जाकर नहीं झांके कि कितने लोग डूबे हैं, कितनी बस डूबी हैं और उसी बीच में, उससे पहले माननीय प्रतिपक्ष भी वहां से तीन बार एमएलए रहे हैं, मैं जानना चाहता हूँ कि जब ये एमएलए थे कितनी बार सरकारी अधिकारियों को लेकर वहां विजिट पर गए, एक बार भी नहीं गए। लेकिन आज मुझे खुशी है, मुझे गर्व है अपनी सरकार पर कि पिछले साल से अब तक कितनी भी बारिश हुई सरकार ने ऐसा इंतजाम किया कि आज वहां एक इंच पानी भी नहीं रूकता है, एक बार भी अध्यक्ष महोदय वो पुल को बंद नहीं किया गया। तो करनी और कथनी में तो फक्र होता है अध्यक्ष महोदय। अगर ये भी उस समय कुछ करते वहां के लिए, क्षेत्र की जनता के लिए तो शायद वो दिन ना देखना पड़ता। अध्यक्ष महोदय,.. एक और घोषणा की इस बजट में सरकार ने, ये हमारे परिवहन मंत्री की सोच कहूँ, माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच कहूँ, कि जहां तक बसें नहीं पहुंच पाती वहां तक बसों का जो इन्होंने बेड़ा उठाया पहुंचाने का। मोहल्ला बस, जिसको इन्हें ये नाम दिया है मोहल्ला बस का। मैं धन्यवाद करता हूँ अपनी सरकार का और उसपर सोने पे सुहागा ये किया कि आज मैंने सुबह अखबार में पढ़ा की सरकार ने घोषणा कर दी कि जो मोहल्ला बसें चलेंगी वो भी महिलाओं के लिए फ्री, बहुत बढ़िया। इससे अच्छा बजट और क्या होगा अध्यक्ष जी। अब इनका काम है नुक्ताचीनी करना, छाज तो बोले ही बोले, छालनी भी बोले, तो ये तो ठीक नहीं अध्यक्ष महोदय।.. अभी, हाँ माफी चाहूँगा मैं

एजूकेशन में एक और चीज भूल गया। सुबह मुझे अखबार पढ़ने की आदत है, उठा अखबार पढ़ा, ये तो पढ़ते नहीं है, अगर ये पढ़ते तो शायद ऐसी बात नहीं करते। इसमें एजूकेशन पर लिखा है अध्यक्ष महोदय दिल्ली के सरकारी स्कूलों में क्लास नौ से 12 के स्टूडैंटों को स्मार्ट लर्निंग के साथ अपने सब्जैक्ट को गहराई से समझने का मौका मिलेगा, शिक्षा निदेशालय ने बताया की सैल्फ एसैसर एजूकेशन टैक्नोलॉजी से अपने 'माई स्टडी' रूम प्रोग्राम के साथ सरकारी स्कूलों के स्टूडैंटस को फ्री ऑन लाइन क्लासेस देगा ताकि वो घर पर रहकर ही अपने सभी सब्जैक्ट, अपनी पकड़ को और मजबूत बना सके। स्टूडैंटस को मैथेमैटिक्स, इंग्लिश, फिजिक्स, कैमेस्ट्री और बॉयलॉजी की तैयारी करने में सहायता मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, इससे बढ़िया और बजट हो सकता है क्या। अभी मैं ट्रांस्पोर्ट की बात कर रहा था, ये मैं नहीं कह रहा अध्यक्ष महोदय, ये प्रैस वाले कह रहे हैं, दिल्ली की जनता कह रही है और अभी मैंने मोहल्ला बस की बात करी, इसे भी देखिये अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की महिलाओं का क्या कहना है, मैं नहीं कह रहा ये भी, ये मीडिया कह रही है प्रैस कह रही है। 'केजरीवाल सरकार की मुफ्त बस यात्रा को मिल रहा है अच्छा रिस्पोंस', 'महिलाओं ने बताया, यात्रा से बचे हुए पैसे से सुधार रहा है उनके घर का बजट।' दिल्ली का बजट तो सुधार गया अध्यक्ष महोदय, अब चर्चा के बाद और सुधारेगा जो कुछ सुझाव साथी दे रहे हैं। लेकिन दिल्ली की महिलाओं का मानना है कि इस बजट के बाद उनके

घर का बजट भी सुधार रहा है। अध्यक्ष महोदय, अभी स्वास्थ्य की बात आई, स्वास्थ्य में अध्यक्ष महोदय मोहल्ला क्लीनिक, मोहल्ला पोलीक्लीनिक। यहां तक की हमारी जो मोहल्ला क्लीनिक है उससे दिल्ली के लोग तो फायदा ले ही रहे हैं अध्यक्ष महोदय, मुझे तो खुशी इस बात की है कि जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है वहां के लोग भी इसका फायदा उठा रहे है, जैसे यूपी, हरियाणा। ये बात मैं इसलिए कह रहा हूँ अध्यक्ष महोदय कि मेरी विधान सभा.. मेरी विधान सभा है जो हरियाणा के बोर्डर के साथ में टच है, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया मेरे यहां है, फरीदाबाद से, गुड़गावां से जो भी लोग दिल्ली में, नौकरी के लिए, व्यवसाय के लिए आते हैं, वो वहीं से आते हैं बीच-बीच में कई जगह जैसे लालकुआँ हुआ, प्रहलादपुर हुआ, वहां मोहल्ला क्लीनिक बनी हुई हैं। वो लोग वहां से आते हैं और फ्री में ही अपना इलाज यहां से करा के लेकर जाते हैं, इसलिए मैं कहूँगा कि इनको तो हमारी तारीफ करनी चाहिये, इनसे तो बजट का वो करना चाहिये की हाँ बहुत अच्छा बजट है। अध्यक्ष महोदय, आज के समय में दिल्ली में अगर मेरी गिनती ठीक है, तो तकरीबन 522 मोहल्ला क्लीनिक चल रही हैं और हर मोहल्ला क्लीनिक की रिपोर्ट मैं देखता हूँ, मैं अपनी विधान सभा में मेरे यहां 7 मोहल्ला क्लीनिक है, मुझे जाने का मौका मिलता है तो मैं डेटा देखता हूँ तो तकरीबन सवा दौ सौ से ढ़ाई सौ आदमी की प्रतिदिन की एवरेज है अध्यक्ष महोदय प्रतिदिन की। अब आप इससे अंदाजा लगाओ की तकरीबन एक से सवा

लाख, प्रतिदिन एक से सवा लाख की ये लोग दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक से अपने लाभ उठाते हैं, मोहल्ला क्लीनिक से अपनी दवाई, अपने टैस्ट कराते हैं अध्यक्ष महोदय। मैं ये कहूँगा कि बहुत बड़ी उपलब्धी है। इसके साथ-साथ मैं ज्यादा लम्बी बात ना करके, एक बात अभी मेरे एक साथी अभी है नहीं, शायद चले गए। अभी उन्होंने एक बहुत बड़ी बात कही, शायद वो इस बात की गम्भीरता को नहीं सोचा उन्होंने। कह तो गए मेरे यार झटके में। उन्होंने कहा अनपढ़ मुख्यमंत्री। अध्यक्ष महोदय मैं इसकी निंदा करता हूँ और मैं उसे ये, इनके साथियों को भी ये बताना चाहता हूँ जिस मुख्यमंत्री को इन्होंने अनपढ़ कहा, उन्होंने तीन स्टेटों में, तीन, एक में नहीं, दिल्ली, पंजाब, गुजरात,.. गोवा भी हाँ, चार स्टेटों में। इनके जो रंगा-बिल्ला की जोड़ी है ना, रंगा-बिल्ला की जोड़ी, उनको घुटने पर ला दिया था घुटने पर। एक-एक गली में घुमा दिया था, पर्चे लेकर। इनके रंगा-बिल्ला खुद अपने हाथों में हैंड बिल,पर्चा लेकर प्रचार का एक-एक गली में घुमा दिया था इस मुख्यमंत्री ने, ये वो मुख्यमंत्री की ये हस्ती है जिसको आप अनपढ़ कह रहे हो। अध्यक्ष महोदय,..

माननीय अध्यक्षः कन्कलूड करिये अब सही राम जी, कन्कलूड करिए प्लीज।

श्री सही रामः अध्यक्ष महोदय, पानी फ्री, बिजली फ्री, दवाई फ्री, टैस्ट फ्री, फरिश्ते योजना के तहत ये एक्सीडैंट हुएलोगों का ईलाज फ्री, तीर्थयात्रा फ्री। इतनी फ्री सेवा देने के बाद भी दिल्ली

में कोई घाटा नहीं, दिल्ली की सरकार का बजट फायदे में है। एक आखिरी बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूंगा और ये आखिरी शब्द मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए समर्पित करूंगा अध्यक्ष महोदय,

'खुद ही को कर बुलंद इतना,
खुद ही को कर बुलंद इतना
कि खुदा भी आके बंदे से पूछे
बोल तेरी रजा क्या है, बोल तेरी रजा क्या है।'

बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः थैंक्यू, थैंक्यू श्री पवन शर्मा जी।

श्री पवन शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मुझे इस महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लेने के लिए परमिशन दी आपने। अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता श्री अरविंद केजरीवाल जी और हम सब पोजिटिव अप्रोच वाले इंसान हैं, किसी की बुराई करना, बलेम गेम हमें नहीं आता। इसलिए मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता, ना ही किसी पार्टी का, ना ही केंद्र सरकार का, ना ही प्रधानमंत्री जी का। लेकिन आज देश के जो हालात हैं, जिस तरह रोज-रोज दिल्ली की चुनी हुई सरकार के खिलाफ नए-नए षड्यंत्र सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार लोकतंत्र और लोकभावना को खत्म करने के लिए आतुर जान पड़ती है, ऐसे कठिन समय में सच बोलना, लोकतांत्रिक मूल्यों

के पक्ष में तनकर खड़ा होना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मुझे गर्व है, मेरे नेता श्री अरविंद केजरीवाल जी व सभी एमएलएज, सभी हमारे साथी, सभी कार्यकर्ता जो लोकतंत्र के प्रहरी बनकर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे है। अध्यक्ष महोदय, किसी भी सरकार द्वारा पेश बजट सिर्फ आय-व्यय का ब्यौरा मात्र नहीं होता, बल्कि सरकार के द्वारा जनता की उम्मीदों, जरूरतों और स्थिति को समझना व उनका निदान करना भी होता है। साथ ही साथ यह सरकार, इस सरकार के मुखिया की नेतृत्व क्षमता और उसकी नीति, उसकी नीयत और भविष्य के प्रति दृष्टिकोण समझने का सबसे स्टीक दस्तावेज होता है। यह देश के सही हालात को समझने का भी सबसे स्टीक व प्रमाणिक माध्यम है। अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हीं मूल्यों की कसौटी पर कसकर इस बजट को देखता हूँ। अध्यक्ष जी, यह बजट भारत के इतिहास में याद रखा जाएगा। इसके दो कारण है, पहला कारण यह बजट जनता की जरूरतों, उम्मीदों को पूरा करने वाला बजट है, साफ-सुंदर और आधुनिक दिल्ली बनाने का जो महान सपना हमारे नेता, मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी ने देखा है, उसे पूरा करने वाला बजट है, वहीं दूसरा कारण भी इस बजट को इतिहास में याद दिलाएगा। अध्यक्ष जी, यह भारत के लोकतंत्र का सबसे कठिन समय है, अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली केंद्र सरकार नये-नये तरीके खोजकर रोज-रोज नए-नए षड्यंत्र करके दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों में अड़ंगा लगा रही है। इसके कई उदाहरण मैं दे सकता हूँ,

किंतु हद तो तब हो गई जब इस बजट के पेश होने में भी कई तरह के अड़ंगे व अवरोध लगाए गए। दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली के विकास कार्य में दिन-रात एक करने वाले, दिल्ली के सरकारी स्कूलों को एक नंबर में बनाने वाले माननीय श्री मनीष सिसोदिया जी व श्री सत्येन्द्र जैन जी को बेबुनियाद आरोपों में गिरफ्तार कर केंद्र की सत्ता में बैठे लोगों को लगा की वे दिल्ली के विकास की रफ्तार को रोक देंगे। उनके लिए यह बजट आईना है। हमारे एक साथी माननीय वित्त मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी आपने इतने कम समय में, इतनी मेहनत के साथ जो बजट पेश किया है, उसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, तमाम आंकड़ों से ये साबित हो रहा है कि पूरे भारत में सबसे कम मंहगाई अगर है तो वो दिल्ली में है, पूरे देश का विकास दर 7 फीसदी है और दिल्ली का विकास दर 9 फीसदी है। अध्यक्ष जी, 2014-15 में दिल्ली का बजट 30,940 करोड़ रुपए था, आज 2023 में दिल्ली सरकार का बजट 78,800 करोड़ रुपए है। यह चमत्कार कैसे हो रहा है। वही कर्मचारी है, वही व्यवस्था, कोई नया टैक्स दिल्ली के लोगों पर नहीं लगाया गया है। सोच व सक्षम नेतृत्व इसे ही कहते हैं रामराज्य, ये रामराज्य है। हमारे भाजपा के साथी दिनभर रामराज्य और राष्ट्रवाद का नारा लगाते हैं। अध्यक्ष जी आपके माध्यम से आज यह कहना चाहता हूँ कि वह दिन दूर नहीं जब भाजपा के लोग भी रामराज्य और देशभक्ति और विकास की राजनीति सीखने के लिए हमारे नेता

श्री अरविंद केजरीवाल जी के पास आएंगे और उनको आना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं और हमारी पार्टी का एक-एक विधायक, मंत्री, कार्यकर्ता गर्व करता है हमारे नेता श्री अरविंद केजरीवाल पर। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी जनता की जरूरतों, दिक्कतों को न केवल समझते हैं बल्कि पूरी लगन और ईमानदारी से उसे दूर भी करते हैं। उन्हें भविष्य गढ़ने का हुनर मालूम है, उनके वादे जुमले नहीं होते, उनके इरादे दिखावटी नहीं है। अरविंद केजरीवाल जी ऐसे शख्स हैं जो उनके मुख से कोई बात निकल जाती है तो वो अपने आप में एक गारंटी होती है, कोई जुमला नहीं होता। श्री अरविंद केजरीवाल जी ने जो विकास का मॉडल प्रस्तुत किया है उसे आने वाला जमाना याद रखेगा। उन्होंने चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाया है। जनता को तत्काल राहत मिले उसके लिए बिजली-पानी मुफ्त, स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त, महिलाओं को बस यात्रा मुफ्त, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा मुफ्त सफलभ कराई है। आने वाली पीढ़ी विकास में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले उसके लिए दिल्ली के सरकारी स्कूलों को नम्बर वन बनाया है, अर्थात् बुनियादी सुविधाओं को सबसे पहले मजबूत किया है। मुझे खुशी है..

माननीय अध्यक्षः पवन जी कन्कलूड करिए प्लीज।

श्री पवन शर्माः बस सर एक मिनट मैक्सीमम। मुझे खुशी है कि इन तमाम योजनाओं के बिना कोई कटौती किए साफ-सुंदर और आधुनिक दिल्ली बनाने का संकल्प इस बजट में जो प्रस्तुत किया

गया है। दिल्ली देश की राजधानी है पूरे देश के लोग यहां आते हैं दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां आते हैं ऐसे में दिल्ली वर्ल्ड क्लास सिटी बने यह समय की जायज मांग है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि इनफ्रास्ट्रक्चर में व्यापक विकास के लिए 21 हजार करोड़ की धानराशि आबंटित की गई इस बजट में 9 नये सरकारी अस्पताल खोलने का प्रस्ताव है जो अपने आप में प्रशंसनीय है। इन अस्पतालों के चालू हो जाने के बाद दिल्ली वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन के नार्मस को पूरा करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।..

माननीय अध्यक्षः पवन जी अब कंकल्यूड करिये समय हो गया नहीं कंकल्यूड करिये अब प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः बढ़िया बोल रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः नहीं कंकल्यूड करने दीजिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी ऐसे नहीं होता है भई कंकल्यूड करिये प्लीज। आप घटिया बोलते हैं क्या आप बढ़िया नहीं बोलते। चलिये करिये प्लीज।

श्री पवन शर्माः सर कभी-कभी बोलते हैं सर, हमें तो दो मिनट ज्यादा...

माननीय अध्यक्षः नहीं अभी समय और सदस्यों का भी समय है न। मुझे सभी सदस्यों को पूरा करना है भई

श्री पवन शर्माः इस तरह हर मेट्रो स्टेशन पर मोहल्ला क्लीनिक खोलने का प्रस्ताव का मैं स्वागत करता हूँ। दिल्ली में ट्रांसपोर्टेशन को बेहतर बनाने के लिए 1600 नई इलेक्ट्रोनिक बस बढ़ाने का प्रस्ताव स्वागत योग्य है। इसमें न केवल सुरक्षित आरामदेय यातायात सुनिश्चित होगी, साथ ही साथ पर्यावरण की दृष्टि से भी अनुकूल है। यमुना की सफाई के लिए इस बजट में 6 पाइंट प्रोग्राम का अभिनंदन करता हूँ, साथ ही जिस तरह से पिछले 8 वर्षों में दिल्ली की मेट्रो का विकास दोगुना हुआ, फ्लाईओवर का निर्माण हुआ, नये फ्लाईओवर प्रस्तावित हैं उसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देता हूँ और इस बजट का पूर्ण समर्थन करता हूँ। अध्यक्ष जी,..

माननीय अध्यक्षः नहीं अब हो गया।

श्री पवन शर्माः डॉक्टर राम मनोहर लोहिया..

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं अब नहीं पवन जी प्लीज।

श्री पवन शर्माः सर थोड़ा सा दो लाइनें।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं एक मिनट में ज्यादा हो गया 11 मिनट हो गये, नहीं मैं अब नहीं प्लीज 11 मिनट हो गये हैं, बात को समझा करें।

श्री पवन शर्मा: एक तरफ अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में मेक इंडिया नंबर-1 विकास आधरित राजनीति आपस में प्रेम व भाईचारा भ्रष्टाचार के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए लोग खड़े हैं वहीं दूसरी तरफ सत्ता के अहंकार में चूर नफरत की राजनीति करने वाले भ्रष्टाचारियों के समर्थक अपनी पूरी ताकत से लोकतांत्रिक संस्था खत्म करने में लगे हैं। हाल ही में एक महा घोटाला सामने आया एक बड़ा कारोबारी जो की केन्द्र की सत्ता का कादार भी है..

माननीय अध्यक्ष: पवन जी अब कंकल्यूड करिये प्लीज, आपसे प्रार्थना है अब कंकल्यूड करिये।

श्री पवन शर्मा: खत्म हो गया सर, वह आरोपों के घेरे में भी है उस पर सभी राष्ट्रवादी चुप हैं और बेगुनाहों पर ईडी और सीबीआई लगी हुई है। हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि धाूमिल जी ने क्या खूब कहा है

'एक आदमी जो रोटी बेलता है,
एक आदमी जो रोटी खाता है,
एक तीसरा आदमी भी है,
जो न रोटी बेलता है और न रोटी खाता है,
वह सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ ये तीसरा आदमी कौन है

मेरे देश की संसद मौन है।'

धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः चलिये धन्यवाद, श्री ओम प्रकाश जी।

श्री ओम प्रकाश शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट के ऊपर बोलने का मौका दिया।..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मदन जी इनके बाद।

श्री ओम प्रकाश शर्माः आप मेरा समय जब से ही गिनना जब से मैं बोलना चालू करूं।

माननीय अध्यक्षः आप शुरू कर दीजिए।

श्री ओम प्रकाश शर्माः सर, बोल लीजिए न आप।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं, आपका समय चालू है।

श्री ओम प्रकाश शर्माः नहीं चालू कैसे है।

माननीय अध्यक्षः मैंने बैठा दिया उनको भई, बैठा दिया मैंने उनको।

श्री ओम प्रकाश शर्माः आज दिल्ली सरकार के नौंवे बजट को मेरे मित्र श्रीमान कैलाश गहलौत जी ने बहुत जल्दी में पेश किया। समय कम था तो लगता है ये कापी पेस्ट बजट है। इसके

साथ-साथ इस बजट को देखकर मुझे एक बात याद आती है, राजेश खन्ना की फिल्म का एक गाना है 'वादा तेरा वादा वादे पे तेरे मारा गया दिल्ली का मतदाता सीधा-साधा' तो सन् 2013 में अध्यक्ष जी मैं और केजरीवाल जी एक साथ इस सदन में आए। 10 साल हो गये यमुना न तो नहाने के लायक है न आचमन के लायक है। 3 कूड़े के पहाड़ भी जस के तस हैं। नजफगढ़ नाले का हाल बेहाल है और दिल्ली आज भी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है और आज भी आप वायदे पर वायदा करते जा रहे हैं। लेकिन अब मैं यह कहना चाहता हूँ कि केन्द्र सरकार ने राज्यपाल महोदय को आदेश देकर यमुना, कूड़े के तीनों पहाड़ और नजफगढ़ नाले का काम उन्होंने चालू कर दिया है इसलिए आप ये बार-बार जो अपने ऊपर इसका क्रेडिट लेना चाहते हैं, क्रेडिट लेना बंद करें।

...व्यवधान...

श्री ओम प्रकाश शर्मा: अरे भाई अभी मत बोल।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई ये बात ठीक नहीं है। इस ढंग से..

..व्यवधान..

श्री ओम प्रकाश शर्मा: आम आदमी पार्टी हेल्थ और एजुकेशन की बड़ी बात करती है,

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये कोई तरीका है ऐसे सदन चलेगा क्या।

..व्यवधान..

श्री ओम प्रकाश शर्माः देखो भाई ये बोलने दोगे तो बोलूँ नहीं तो मैं जाउं।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई मैं माननीय सदस्यों..

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बंदना जी प्लीज। बंदना जी।

श्री ओम प्रकाश शर्माः हेल्थ और एजुकेशन परबड़ी-बड़ी बात करते हैं, तो जो एजुकेशन मंत्री जो आबकारी मंत्री भी हैं वो जेल में हैं। आपकी बड़ी ईमानदार सरकार है, आप कट्टर ईमानदार हैं, ईडी सीबीआई अपना काम कर रही है, कोर्ट में आप डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाते है कोर्ट आपकी बात से सहमत नहीं है इसलिए इतने लंबे समय से वो जेल में पड़े हुए हैं। तो आपने 27 करोड़ रुपये तो कम कर दिये हैं हेल्थ में। एजुकेशन में आप बढ़ाएं या घटाएं 3 लाख का कमरा आप 33 लाख में बनाते हैं ये भी ईडी इसका भी वो करेगी और दिल्ली युनिट डीडीए ने आपको जो स्कूल बनाने के लिए लैंड दी उसके ऊपर आप स्कूल बना नहीं पाए हैं। बसों की बात हाल बेहाल है नई बस तो छोड़िये पुरानियों का हाल और भी खराब है। आप कोई

बस ले नहीं पाए। ढ़ाई सौ ईवी बसें आपको केन्द्र सरकार ने दी हैं उसके अलावा आपका कोई योगदान नहीं है। जो बसें आपने खरीदी हैं वो भी सब सीवीसी और इधर-उधर मामला चल रहा है। अगर मैं सोशल वेलफेयर की बात करूं तो ये घटिया से घटिया निकृष्ट सरकार है। आज जो दिल्ली के 60 साल से ऊपर की विधावा और अपंग लोगों को, बुजुर्गों को पेंशन देने में असमर्थ रही है पूरा का पूरा हाउस इसके लिए बार-बार बात करता है लेकिन ये निकृष्ट सरकार है जो दिल्ली के बुजुर्गों का ध्यान नहीं रखती है और रहा सवाल केन्द्र की सड़कों का तो जी-20 के ऊपर आज. सरकार, केन्द्र सरकार जगह-जगह जो फूल लगा रही है आप उसके फोटो खीचकर उसका क्रेडिट लेना चाहते हैं। एमसीडी के एक्स मेयर बैठे थे केजरीवाल जी के घर के बाहर आपने एक रुपया नहीं बढ़ाया। अब आपको जादू हो गया, आपका मेयर आ गया तो आपने उनका डबल कर दिया बजट। तो ये सीएम अपना काला चेहरा सफेद करने का जो प्रयास कर रहे हैं ये मामला नहीं चलेगा। यमुना पार विकास बोर्ड आपने खत्म कर दिया है, यमुना पार से आपकी ईर्ष्या है क्योंकि वहां हमारे 6-6 सदस्य यहां बैठे हुए हैं इसलिए आपने वो भी कर दिया। अच्छा अब ये टोटल वीजनलेस है, कापी-पेस्ट है और आगे यदि मैं बात करूं की जहां-जहां आपने पैसे वहीं बढ़ाये हैं जहां पर किकबैक होने की संभावना है और आपकी जो मैंने बताया अभी कूड़े के पहाड़ में आपने जो किया है 325 करोड़ की आप बार-बार बात करते हैं की केन्द्र ने केवल

325 करोड़ दिया जबकि सवा लाख करोड़ रुपया दिल्ली का आता है तो ये जो बजट आप बार-बार बोलते हैं न 78800 का नहीं है ये, ये सवा लाख करोड़ का बजट है, आप कहेंगे क्यों है अब उसको सुन लीजिए। केन्द्र सरकार ने आपको क्या-क्या दिया है, एम्स के लिए 4190 करोड़ दिये हैं, आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद के लिए 227 करोड़, सेंट्रल काउंसिल फार रिसर्च योगा के लिए 85 करोड़, दिल्ली मेरठ रैपिड मेट्रो के लिए 2500 करोड़, दिल्ली ट्रांसपोर्ट रैपिड सिस्टम के लिए 210 करोड़, दिल्ली ट्रांसपोर्ट रैपिड सिस्टम के लिए 2348 करोड़, दिल्ली मेरठ गाजियाबाद के लिए 670 करोड़, दिल्ली पुलिस के लिए 10355 करोड़, एड प्रोजेक्ट के लिए 1168 करोड़, सफदरजंग हास्पिटल के लिए 1715 करोड़, आरएमएल के लिए..

...व्यवधान..

श्री ओम प्रकाश शर्मा: हां सब दिल्ली में है ये सब दिल्ली में है। अरे सब दिल्ली में है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: बोलने दीजिए, बोलने लेने दें इनको।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: आरएमएल के लिए 1095 करोड़, लेडी हार्डिंग के लिए 710 करोड़, कलावती शरण के लिए 149 करोड़ कुल मिलाकर 45683 करोड़ रुपया दिल्ली के लोगों की जो सुविधाएं हैं उसके लिए केन्द्र सरकार ने दिया है और एक बात..

...व्यवधान..

श्री ओम प्रकाश शर्मा: देखिये, आपने जो समय दिया है, मैं उससे पहले खत्म करना चाहता हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: भई सोमनाथ जी कादियान जी की बारी है उनको बताईये न क्या-क्या बोलना है, जवाब देना है, ऐसे चिल्लाने से कोई सुनेगा।

..व्यवधान..

श्री ओम प्रकाश शर्मा: अरे बॉस मैं खत्म कर लूँ मामला। अरे बॉस आप बीच में आप ही डिस्टर्ब कर रहे हो मैं क्या करूं।हमारे माननीय सीएम साहब ने एक भविष्यवाणी की थी अध्यक्ष जी मैं आपका ध्यान चाहूँगा, अध्यक्ष जी मैं समय से पहले अपना वक्तव्य पूर्ण करूंगा,

माननीय अध्यक्ष: हां-हां बोलिए-बोलिए मैं सुन रहा हूँ।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: लेकिन मैं आपका ध्यान चाहूँगा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली की इस विधानसभा में एक भविष्यवाणी की थी और उन्होंने यह कहा था कि माननीय सिसोदिया जी जेल जाने वाले हैं, मैंने भी पत्री देखी है केजरीवाल जी की तो जितना भी ये लिकर मामले के अंदर जो मनी ट्रेल है वो सारी

केजरीवाल तक जा रही है और अगले नवरात्रे तक केजरीवाल जी भी जेल में होंगे जय हिन्द जय भारत।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई जिन सदस्यों को बोलना है उनको बताईये वो जवाब देंगे।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बैठ जाईये, चलिए आप क्या कह रहे हैं मदन जी, मदन लाल जी आप क्या कहना चाह रहे हैं मदनलाल जी।

श्री मदन लालः अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम-55 के अन्तर्गत.

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अरे भई वो कुछ कह रहे हैं आप सुन लीजिए उनकी बात को। मैं जो कह रहा हूँ उनकी बात सुन लीजिए।

..व्यवधान..

श्री मदन लालः अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 55 के अंतर्गत मैं अविलंबनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय पर अल्प काल के लिए चर्चा

कराने की सूचना देना चाहता हूँ। अभी हाल के ही दिनों में भारत में एक प्राइवेट कंपनी अडानी ग्रुप के द्वारा सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया है और जनता को जमकर लूटा गया है। हद तो है कि केन्द्र सरकार भी इस पर कोई जांच नहीं करा रही है अतः मैं इस हाउस के माध्यम से आपसे निवेदन करता हूँ की कृपया लोक महत्व के इस विषय पर चर्चा कराने की अनुमति दें।

...व्यवधान..

श्री मदन लालः ये अध्यक्ष जी, दिल्ली की जनता का पैसा लूटा गया है, देश का पैसा लूटा गया है, दिल्ली की जनता के साथ धोखा किया गया है, दिल्ली की जनता चाहती है इस पर चर्चा हो और केन्द्र सरकार अपना रुख स्पष्ट करके इनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कराए इसलिए जरूरी है कि इस संबंध में चर्चा हो जिससे सही बात का सब लोगों को पता चल सके। धन्यवाद।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः श्री मदन लाल जी माननीय सदस्य द्वारा प्रस्तुत विषय पर कल चर्चा होगी जो सदस्य दिनांक 28 मार्च, 2023 की बैठक के लिए विशेष उल्लेख नियम 280 के मामलों में नोटिस देना चाहते हैं वो आज शाम 5 बजे तक विधानसभा सचिवालय में दे सकते हैं और विधानसभा का सेशन 29 तारीख के लिए भी बढ़ाया जाता है।

श्री मदन लालः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी, दिल्ली सरकार के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी चर्चा करा लीजिए।

माननीय अध्यक्षः बैठिये, बैठिये, बैठिये लिखकर दीजिएगा जो कुछ देना है।

...व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः चलिए। कादियान जी। भई सोमनाथ जी ये चर्चा पूरी नहीं हो पाएगी, कादियान जी।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण चर्चा में बोलने का अवसर दिया इसका मैं आभारी हूँ। माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के दिशा-निर्देशानुसार माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी के सहयोग से माननीय वित्त मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी ने नौवां जो बजट दिल्ली विधानसभा में पेश किया यह बहुत ही शानदार, अनूठा और सभी वर्गों को राहत देने वाला बजट है। यह बजट इस साल के 9 सूत्रीय प्लान की शुरुआत जो जी-20 जो सभी लोग हम जानते हैं हिन्दुस्तान जी-20 की अध्यक्षता इस वर्ष करेगा और ज्यादातर कार्यक्रम दिल्ली में होंगे ऐसे समय में दिल्ली को एक बहुत ही स्वच्छ, सुन्दर और आधुनिक दिल्ली बनाने का ये जो बजट पेश हुआ इस बजट के तहत इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत ध्यान दिया गया। दिल्ली सुन्दर कैसे बने इस पर ध्यान दिया गया, यमुना

साफ कैसे हो इस पर ध्यान दिया गया, पॉल्यूशन कम कैसे हो इस पर मुख्यतः ध्यान दिया गया। ये बजट बहुत ही सराहनीय बजट है। जब हम बात करते हैं आम आदमी की तो आम आदमी के लिए इसमें काफी राहत हैं। स्वास्थ्य के लिए 12 प्रतिशत इसमें आबंटन हुआ जिसमें मोहल्ला बसें 256 से 450 टेस्ट मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त टेस्ट, 9 नये अस्पतालों का निर्माण और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बढ़ोतरी जो आम आदमी को सीधा लाभ पहुंचाती है और आज जो इलाज इतना महंगा है प्राइवेट अस्पतालों में अगर हम जाएं या किसी डॉक्टर के पास जाएं तो दवाइयां इतनी महंगी हैं परन्तु माननीय मुख्यमंत्री की सोच कि आम आदमी को स्वस्थ रहने के लिए जो भी उचित कार्यवाही है वो की जाएगी, जो भी उचित उनको सुविधाएं हैं वो प्रोवाइड की जाएंगी। मोहल्ला क्लीनिकों का निर्माण और जो मोहल्ला बसें हैं वो लास्ट माइल कनेक्टिविटी दूर-दराज के क्षेत्रों में और जहां पर हम देखते हैं की बहुत सी जगह मोहल्ला क्लीनिक की मंजूरी तो मिल जाती है परन्तु एनओसी न मिलने के कारण या और दिक्कतें आने के कारण वहां के लोग इन मोहल्ला क्लीनिकों से वंचित रह जाते हैं तो ऐसे में 100 जो मोहल्ला बसें इनका ये प्रावधान किया गया है वो सराहनीय है। ऐसी जगह जहां पर मोहल्ला क्लीनिक नहीं बन पाती तो वहां मोहल्ला बसें उन सुविधाओं को देंगे इसके लिए माननीय वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार।

माननीय वित्तमंत्री जी ने शिक्षा के लिये जो स्कूल ऑफ एक्सिलेंस इनका निर्माण होना है 17 नये स्कूल ऑफ एक्सिलेंस बनेंगे दिल्ली के अंदर जिसमें बेहतरीन शिक्षा प्रणाली के तहत बेहतरीन शिक्षा दी जायेगी। वो सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जो 8वीं क्लास तक सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं उनको 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं बेहतरीन शिक्षा देकर देश और दुनिया का नाम रोशन करें, स्किल डेव्लपमेंट का प्रावधान किया, entrepreneurship का प्रावधान किया और कम्प्यूटर देकर, टैब देकर जो शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के लिये जो जरूरी चीज़ें हैं वो मुहैया कराकर इस बजट में बहुत ही अच्छा कार्य किया है। स्पीकर साहब, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं तो मेरी विधानसभा खासकर जो सबसे पहले इसमें कार्य हुये हैं रिंग रोड़ पर जब हम देखें भीकाजीकामा पैलेस से लेकर मायापुरी फ्लाईओवर तक रिंग रोड़ का जो ब्यूटीफिकेशन हुआ है वो एक सराहनीय कदम है और देखने में ऐसा लगता है जैसे की हम यूरोपियन जो फोटों में देखते थे, फिल्मों में देखते थे वैसा दृश्य दिखता है। इस ब्यूटीफिकेशन से पहले की भी मैं बात बताऊँ, झाड़ियां हुआ करती थीं और ऐसी गलत हरकतें रोडों के ऊपर हुआ करती थी अंधेरा होने के कारण, आज शाम को, रात को, दिन में वहां पर आस-पास के लोग घूमते हैं, यात्री वहां पर आराम से समय व्यतीत करते हैं, बहुत ही जो अच्छा ब्यूटीफिकेशन का कार्य जो मेरी विधानसभा में हुआ है इसके लिये मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी का आभार प्रकट करना चाहता हूँ। मैं एक

और बात का संज्ञान लाना चाहता हूँ जी-20 के चलते पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित वंदे मातरम् रोड़ एयरपोर्ट तक जो रोड़ जा रहा है उसका भी ब्यूटीफिकेशन का कार्य हो रहा है वो भी बहुत शानदार बन गया जो दिल्ली कैंट विधानसभा में भी है जिससे पूरी दुनिया के लोग जब आयेंगे एयरपोर्ट पर और वो वहां से गुजरते हैं तो दिल्ली का एक अनूठा दृश्य उनको दिखाई देता है। तो दिल्ली जो एक स्वच्छ, सुन्दर और आधुनिक दिल्ली बनाने का माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी का जो सपना है और जिसके लिये उन्होंने करीब-करीब 21 हज़ार करोड़ रुपये का जो प्रावधान किया है उससे दिल्ली के सारे 1400 किलोमीटर जो रोड़ नेटवर्क है वो ठीक होगा, 26 नये फ्लाईओवर बनाये जायेंगे 3 अनूठे डबलडैकर फ्लाईओवर जो अब तक हमने नहीं देखे यहां पर तो डबलडैकर फ्लाईओवर बनेंगे जिससे यातायात में सुविधा होगी और एक बात का मैं और संज्ञान दिलाना चाहता हूँ माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर बड़ा जाम लगता था रिंग रोड़ से अगर हम जाते हैं धोला कुआं होकर न्यू दिल्ली की तरफ आते हैं तो Benito Juarez Margका टी टाइप का जो अंडरपास बनाया है उससे बहुत लोगों को सुविधा हुई है। तो पीडब्ल्यूडी द्वारा जो कार्य किये जा रहे हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय दु:ख इस बात का भी है कि काम तो दिल्ली सरकार करे, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी करें और हमारे मंत्रियों द्वारा किया जायें पर उद्घाटन के लिये जो एल.जी. साहब पहुंच जाते हैं और वहां के लोकल विधायक को भी, सरकार के मंत्रियों

को भी, किसी को इस चीज़ का आभास नहीं होने देते, श्रेय लेने के चक्कर में क्योंकि राजनीति के चक्कर में ये जो होड़ लगी हुई है ये ठीक नहीं है। मैं एक और बात बताना चाहूँगा अध्यक्ष महोदय कि जो ट्रांसपोर्ट सुविधायों के लिये इस वित्त वर्ष बजट में प्रावधान किया है वो भी बहुत ही सराहनीय बजट है। 1900 इलैक्ट्रिक बसें जो अभी दिल्ली के अंदर चल रही हैं वो देखने में भी बहुत शानदार हैं और पोल्यूशन रिडक्शन जो इन बसों के चलने से होगा जिससे पूरी दिल्ली पर प्रभाव पड़ेगा, हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा और पूरी दुनिया के ऊपर इसका प्रभाव पड़ेगा। तो वित्त मंत्री जी ने जो कहा कि लगभग 10 हज़ार साढ़े चार सौ बसों का बेड़ा दिल्ली ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन में में दिया जायेगा और 80 प्रतिशत बसें जो हैं वो इलैक्ट्रिक बसें होंगी जिससे साढ़े चार सौ टन के आसपास बताया कि पोल्यूशन रिडक्शन होगा और इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि जो सड़कें बनेंगी इन सड़कों पर वॉटर स्प्रिंकलर से सड़कों पर पानी छिड़काव होगा जिससे पोल्युशन में कमी आयेगी, रोड़ ब्रूमर से सड़कों की धूल–मिट्टी हटायी जायेगी। ये बजट एक प्रकार से दिल्ली को बहुत ही बेहतरीन और वर्ल्डक्लास लेवल का सिटी बनाने की जो परियोजना माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी ने बनाई है और माननीय वित्त मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी ने इस बजट को प्रस्तुत किया इस विधानसभा में सदन में तो ये बहुत ही सराहनीय बजट है 1400 नई बस क्यू शैल्टर बनाये जायेंगे, 3 बस अड्डे और 57 बस डिपो

को इलैक्ट्रिफाई किया जायेगा तो मेन फोकस है पोल्युशन को कैसे रिडेक्शन किया जाये, पोल्यूशन को कैसे कम किया जाये और लोगों को स्वास्थ्य सुविधायें कैसे दी जायें, शिक्षा जो की बेहतरीन शिक्षा प्रणाली दिल्ली में पिछले 8 सालों से चल रही है 21 प्रतिशत बजट शिक्षा के लिये इस बजट में दिया गया है और मेरे साथी अभी कह रहे थे कि कूड़े के पहाड, मैं कुछ दिन पहले चंडीगढ़ से आया अध्यक्ष महोदय तो लैफ्ट साइड में जब मैंने देखा भलस्वा का वो पहाड़ दिखाई दिया करता था, वो बहुत ही नीचा सा दिखाई दे रहा है। आजकल जो पहाड़ दिखता था वो अब रेत का टीला सा नज़र आ रहा है। तो मुझे लगता है सालभर के अंदर जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि वो पहाड़ खत्म हो जायेगा और हो सकता है वहां झील भी बना दें यहां पर, पहाड़ की जगह झील भी बना दें।

माननीय अध्यक्षः चलिये कन्क्लूड करिये अब, कादियान जी कन्क्लूड करिये प्लीज़।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः जो मुख्यमंत्री जी ने..

माननीय अध्यक्षः आप कन्क्लूड करिये कादियान जी कन्क्लूड।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः दो मिनट की बात और है अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः नहीं अब समय हो गया आपका भई

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और बताना चाहूँगा की इस बजट में सब कुछ है शिक्षा, स्वास्थ्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिवरेज़ क्नेक्टिविटी की मैं बात करूं तो यमुना साफ कैसी होगी जो 6 सूत्रीय एक्शन प्लान इस बजट में बनाया गया है और इस बजट के माध्यम से 100 प्रतिशत सीवरेज़ को ट्रीट करके एसटीपी लगाकर और यमुना में जो साफ पानी डाला जायेगा तो उससे यमुना भी साफ होगी और जो मेरे साथी अभी कह रहे थे कि भई10 साल से देख रहे हैं कि यमुना में डुबकी कब लगेगी, तो मुझे लगता है मुख्यमंत्री जी ने सभी हमारे साथियों को ले जाकर..

(समय घंटी)

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अगले इलैक्शन से पहले यमुना में डुबकी जरूर लगवा देंगे।एक इर्म्पोटेंट चीज़ बताना चाहूँगा अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, कुछ दिनों से लोग मेरे पास आ रहे हैं, उन्होंने कहा कि भई बेमौसम बरसात के कारण बाहरी दिल्ली में जो फसलें हैं उन फसलों को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा है, जैसे पंजाब के मुख्यमंत्री माननीय भगवत मान जी ने खेतों में जाकर फसलों का जायज़ा लिया तो हमारे वित्तमंत्री महोदय ये खुद बाहरी दिल्ली से आते हैं तो ये भी उनके लिये कुछ ग्रांट स्पेशल ग्रांट दें किसानों को ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके, खर्चा बहुत ज्यादा लग जाता है खेतीबाड़ी में अध्यक्ष महोदय,..

माननीय अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद कादियान जी।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः उसके लिए कुछ राहत मिले एक चीज़ और मैं कहना चाहूँगा अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः नहीं–नहीं अब नहीं, अब नहीं प्लीज़।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय बाहरी दिल्ली मे..

माननीय अध्यक्षः नहीं–नहीं अब नहीं, अब नहीं प्लीज़।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः नहीं एक मिनट अध्यक्ष महोदय एक आखिरी लाइन, आखिरी लाइन।

माननीय अध्यक्षः नहीं मैं एक सैकेंड नहीं, अब एक सैकेंड नहीं प्लीज़।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, बाहरी दिल्ली में जो बच्चे पढ़ने आते हैं वो सेन्ट्रल दिल्ली नई दिल्ली साइड में आते हैं, तो मैं कहना चाहूँगा बाहरी दिल्ली में कॉलेजों का निर्माण होना चाहिये और एकआधा अस्पताल वहां भी निर्मित होना चाहिये ताकि उनको सेन्ट्रल दिल्ली ना आना पड़े, वो इमरजेंसी के दोरान वो वहीं पर अपना इलाज़ करा सकें और प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर ना काटने पड़ें। माननीय वित्तमंत्री जी सुन रहे हैं इस बात को और जरूर इसका संज्ञान लेकर इस पर विचार करेंगे और करवायेंगे क्योंकि अब हमें आशा है की वित्तमंत्री साहब इसको भी करवायेंगे, बहुत–बहुत धन्यवाद, बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान प्रवीण जी, प्रवीण जी।

श्री प्रवीण कुमारः माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद आपने यहां पर बजट पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली सरकार पहले भी बहुत बजट जो है अलग-अलग विषय पर प्रोड्यूज़ कर चुकी है सदन में रख चुकी है। पहले दिल्ली सरकार ने शिक्षा बजट रखा, स्वास्थ्य बजट रखा, ग्रीन बजट रखा, जीरो टैक्स बजट रखा, देशभक्ति बजट रखा, रोज़गार बजट रखा और अपने सारे वादे जो है आम आदमी पार्टी सरकार ने उस बजट के द्वारा जो है वो पूरे किये। अध्यक्ष महोदय, इस बार हमारी सरकार ने साफ-सुन्दर और आधुनिक दिल्ली का बजट रखा है। अध्यक्ष महोदय, साफ-सुन्दर और आधुनिक दिल्ली के बजट में सबसे पहला काम जो हमारे वित्तमंत्री जी ने बताया कि 3 बड़े-बड़े कूड़े के पहाड़ जो बाहर ताजमहल खड़े हैं जो भारतीय जनता पार्टी के पाप हैं, उन पापों को धोने का काम जो है वो आम आदमी पार्टी सरकार करेगी। जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 15 साल में एमसीडी में रहते हुये इन्होंने इतने बड़े-बड़े कूड़े के पहाड़ खड़े कर दिये हैं और अभी हमारे बीजेपी के सदस्य कह रहे थे कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने वो कूड़े के पहाड़ खत्म नहीं किये हैं, ये मुझे लगता है की भाजपा वालों ने सारे लोगों ने जो है इन्होंने एक ही जगह से डिग्री ली है और in entire political science ली है। सारे एक ही तरीके की बात करते हैं। एमसीडी 15 साल तुम्हारे पास थी और कूड़े के पहाड़ का आंसर हमसे

पूछते हैं किस तरीके के ये भारतीय जनता पार्टी वाले ये लोग बात करते हैं। कह रहे हैं एल.जी. साहब आ गये अब। अरे, एल.जी. साहब तो इतने सालों से थे ही, पहले दूसरे एल.जी. ने क्यों नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी के सारे लोगों ने एक ही जगह से डिग्री ले रखी है। यह पूरी तरीके से भारतीय जनता पार्टी वाले, अब ये जिस तरीके से हमारे वित्तमंत्री जी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्लान बनाया है एमसीडी के सहयोग से कि कूड़े के पहाड़ जो हैं वो दो साल में खत्म होंगे और जो इनका बीजेपी वालों का प्लान था कूड़े के पहाड़ का उसमें डेढ़ सौ साल लग रहे थे। अब ये यही बता दें इनकी डिग्री के हिसाब से कि ये दो साल कम हैं या डेढ़ सौ साल ज्यादा हैं यह हमारे पढ़े-लिखे लोग बता दें या इनके लोग बता दें जिनकी डिग्री जो है इनकी इन्टरनेशनल डिग्री है।..

माननीय अध्यक्षः चलिये प्रवीण जी कन्क्लूड करिये।

श्री प्रवीण कुमारः ये डिग्री वाले बता दें भारतीय जनता पार्टी लगातार जिस तरीके से देश को और सदन को गुमराह करने का काम करती है, दिल्ली सरकार ने आधुनिक एवं सुन्दर दिल्ली में एक और बहुत बड़ा आयाम छुआ है जिसमें सैम्पल के तौर पर उन्होंने पूरी दिल्ली में यूरोपियन स्टाइल से कई सारी सड़कें बनाई हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ अरविंद केजरीवाल जी की सरकार का और पीडब्ल्यूडी के मंत्री जो उस समय मनीष सिसोदिया जी थे और सत्येन्द्र जैन भी थे कुछ समय के लिये और अब आतिशी जी

भी हैं, इन सभी लोगों ने मिलकर जिस तरीके से यूरोपियन स्टाइल में सड़कें डेवलप करी हैं, दो patches मेरे क्षेत्र में डेवलप हुये हैं, वे इतने शानदार हैं कि अगर उस पर चले जाओ तो ऐसा लगता है कि आप हिन्दुस्तान में नहीं कहीं विदेश की सड़क पर खड़े हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से इस सरकार ने सड़कों में काम किया, फ्लाईओवर बनाने पर काम किया, मेरे क्षेत्र में आश्रम चौक आता है, आश्रम चौक पर इतना भीषण जाम लगता था, इतना बड़ा ट्रैफिक जाम लगता था कि लगातार लोग जो है घंटों वहां ट्रैफिक जाम में फंसे रहते थे लेकिन इस सरकार ने वहां पर अंडरपास बनाने का काम किया, आश्रम फ्लाईओवर डीएनडी एक्सटेंशन बनाने का काम किया जिसके बाद सारे दिल्ली वाले, सारे दिल्ली के लोग इस काम से बहुत खुश हैं और दिल्ली की सरकार को बहुत–बहुत बधाई दे रहे हैं अध्यक्ष महोदय और इसके अलावा दिल्ली सरकार ने 26 नये फ्लाईओवर बनाने का भी इस बजट में प्रस्ताव किया है। अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ा अचीवमेंट, ये तो काम की बात हुई लेकिन क्योंकि मैं मैनेजमेंट का स्टूडेंट भी रह चुका हूँ तो मुझे पता है कि अगर जब भी रेवेन्यू की बढ़ाने की बात होती है किसी भी कम्पनी में, किसी भी इनस्टिट्यूशन में वो कितना बड़ा काम होता है लेकिन दिल्ली सरकार ने रेवेन्यू बढ़ाकर ये बता दिया कि आम आदमी पार्टी सरकार जो है पढ़े लिखों की सरकार है। आम आदमी पार्टी ने जिस तरीके से पहली बार जब हमने सरकार संभाली थी 2014–15 में उस दौरान 30,940 करोड़

का बजट था और आज जो है दिल्ली सरकार का 2023 में दिल्ली सरकार का बजट 78 हज़ार करोड़ से पार कर चुका है ढाई गुना ज्यादा बजट दिल्ली सरकार का है अध्यक्ष महोदय, ये अपने आप में बहुत बड़ा अचीवमेंट है सरकार का। जहां पर दूसरी सरकारें लगातार घाटे में जा रही हैं, अभी केन्द्र सरकार ने अपना बजट प्रोड्यूज़ किया था, संसद में वो बजट रखा था, उस बजट में 15 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जो है, जो इन्हें व्यय और आय में बैलेंस करने के लिये 15 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जो है वो भारत सरकार को लेना पड़ा। एक तरफ पढ़े-लिखों की सरकार है दूसरी तरफ इन अनपढ़ों की सरकार है जिन्हें सरकार चलाना नहीं आ रहा, ये लगातार जो है कर्ज में डूबी इनकी सरकार है। उसके बाद उत्तर प्रदेश का सरकार का बजट आया, उत्तर प्रदेश की सरकार के बजट में उनका बजट ऐसा है और इतने घाटे में है कि उत्तर प्रदेश के हर एक नागरिक के ऊपर इस समय 26 हज़ार रुपये का कर्ज जो है हर नागरिक के ऊपर चढ़ चुका है, इस तरीके का बजट जो है उन्होंने प्रोड्यूज़ किया है। भारतीय जनता पार्टी, अभी वो बीजेपी वाले कह रहे थे, अभी सोमनाथ भारती जी ने बताया उन्होंने कि एक वो बोल रहे थे अनपढ़ मुख्यमंत्री, वो असलियत में योगी जी के बारे में बात कर रहे थे, हमारे बारे में नहीं कर रहे थे, अनपढ़ मुख्यमंत्री के बारे में जिस तरीके से, जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी की जितनी सरकारें इनकी उठाकर देख लीजिये, हर एक सरकार जो है वो इनका deficit में और

कर्ज के तले इनका बजट आता है। आज तक जब से मैंने देखा है अध्यक्ष महोदय तब से, तब से मैनें कभी नहीं देखा कि कोई भी सरकार जो है वो बैनिफिट का बजट जो है वो प्रोड्यूज़ करती है। हर सरकार जो है वो deficit का और घाटे का बजट प्रोड्यूज़ करती है, पहली बार आम आदमी पार्टी सरकार आई है जो पूरी तरीके से प्रॉफिट का बजट प्रोड्यूज़ कर रही है अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, लेकिन इसके बाद भी दिल्ली सरकार को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार को उसका खामियाज़ा कैसे भुगतना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी लगातार जो है आम आदमी पार्टी से जलने का काम तो करती है, भारतीय जनता पार्टी लगातार ईर्ष्या और द्वेष का काम करती है, ये दिल्ली के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ, दिल्ली के सारे टैक्स मिलाकर जो केन्द्र सरकार को दिल्ली टैक्स देती है वो 1 लाख 75 हज़ार करोड़ों के आस–पास होता है, 1 लाख 75 हज़ार करोड़ के आस–पास जो सारा टैक्स मिलाकर होता है उसमें अब उसका central - pool होता है central pool में से जो दिल्ली का वैधा हिस्सा है जो दिल्ली को मिलना चाहिये 6400 करोड़ रुपये बनता है 6 हज़ार 4 सौ करोड़ रुपये लेकिन अध्यक्ष महोदय पिछले कई सालों से केन्द्र सरकार दिल्ली सरकार को 375 करोड़ रुपये जो, सॉरी 325 करोड़ रुपये देती है हर साल लेकिन बहुत विडम्बना और बहुत खेद की बात है और बहुत दु:ख की बात है कि भारतीय जनता पार्टी की ईर्ष्या और द्वेष

जो है इतना ज्यादा बढ़ गया है कि इन्होंने 325 करोड़ रुपये को भी वो शून्य कर दिया है, ज़ीरो कर दिया है, अब कोई पैसा जो है केन्द्र सरकार नहीं देती बहुत खेद की बात है। इतना मत डरो, इतना मत डरो आम आदमी पार्टी से, आम आदमी पार्टी के बढ़ते कदम से इतना मत डरो, बेचारे खौफ खाकर इतने घबरा चुके हैं कि इनको बजट दे दिया तो और काम कर देंगे और काम कर देंगे इतना डर चुके हैं लेकिन हम अपना बजट खुद ही बढ़ा लेंगे। अध्यक्ष महोदय, जब इन्हानें ज़ीरो बजट किया, जब मंत्री जी ने सुनाया, मैंने सुना यहां पर तब मेरे को एकदम से एक बात क्लिक की और मैं तब से सोच रहा था बजट पर जब बोलूँगा तो इस बात का जरूर जिक्र करूंगा। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से इन्होंने हमारा बजट, जो हमारा हक बनता है केन्द्र सरकार ने हमारे हक को छिन लिया, इन्होंने ज़ीरो कर दिया हमारे हक को। एक बार क्या हुआ अध्यक्ष महोदय जब महाभारत का युद्ध हो रहा था उस दौरान जब कौरवों और पाण्डवों में युद्ध की पूरी स्थिति बन गई थी, सारी सेना खड़ी हो गई थी, श्री कृष्ण ने एक बार आखिरी ट्राई मारा, आखिरी बार उन्होंने कोशिश की कि किसी तरीके से युद्ध जो है वो ना हो क्योंकि बहुत सारा जान का नुकसान होता है, जान हानि होती है। तो उन्होंने सोचा कि इस बार जो है युद्ध ना हो, तो उन्होंने कौरवों और पाण्डवों के बीच संधि कराने की कोशिश की। वो गये और उन्होंने उनसे गुज़ारिश की कि आप जो है हमें पांच गांव दे दो और पांच गांव अगर दे दोगे तो उसके

बाद हम युद्ध नहीं करेंगे और पाण्डवों को पांच गांव दे देंगे। लेकिन क्या हुआ, अंत में उन्होंने पांच गांव भी नहीं दिये और पांच गांव भी नहीं दिये तो इसमें जो है एक रामधारी सिंह दिनकर जी की एक बहुत अच्छी कविता है, जब पांडवों ने पांच गांव मांगे और उन्हें पांच गांव भी नहीं मिले तो उसमें एक रामधारी सिंह दिनकर जी ने बहुत बढ़िया कविता लिखी, वो पिछले तीन चार दिन से मेरे दिमाग में घुम रही है, तो मैं इनको बता दे देता हूँ। इनको भी घुमा देता हूँ। रामधारी सिंह दिनकर जी ने कहा है:

दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पांच गांव,
रखो अपनी धारती तमाम्,
हम वही खुशी से खायेंगे,
परिजन पर हंसी न उठायेंगे,
दुर्योधान वो भी दे न सका,
आशीष समाज के ले न सका,
उल्टे हरि को बांधाने चला,
जो था असाधय साधाने चला,
जब नाश मनुष्य पर छाता है,
तो पहले विवेक मर जाता है।

तो इनका जो है विवेक मर चुका है। ये भगवान श्री कृष्ण को बांधने चले।..

माननीय अध्यक्षः अब कंक्लूड करिये प्रवीण जी।

श्री प्रवीण कुमारः जो नाकाम चीज है, वो ये करने चले तो अंत में जब इनमें संधि फेल हो गयी, जब युद्ध हुआ तो अंत में उसका परिणाम क्या निकला। अंत में परिणाम निकला कि जो हक था, जिसका हक था, वह हक उसे अपने आप मिल गया। वो हक जो है, पूरी तरीके से भगवान की कृपा से उन्हें मिल गया। तो अध्यक्ष महोदय, दिल्ली का हक जो है, वो कोई नहीं छीन सकता। दिल्ली के लोग जो है, दिल्ली का हक लेकर रहेंगे। बहुत बहुत शुक्रिया अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। अब्दुल रहमान जी।

श्री अब्दुल रहमानः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे साथी ने एक शेर पढ़ा था, वो कुछ अधूरा सा पढ़ दिया था तो मैं पहले उसी से शुरूआत करूं, वो कुछ यूँ था अध्यक्ष महोदय कि :-

‘‘सामानों तिजारत मेरा ईमान नहीं है,

और हर दर पर झुकें सर, ये मेरी शान नहीं है।

और हमने तो बनाये हैं समंदर में भी रास्ते,

यूँ हमको मिटाना कोई आसान नहीं है,

यूँ हमको मिटाना कोई आसान नहीं है।''

अध्यक्ष महोदय, बजट तो ऐसा पेश किया गया दिल्ली सरकार का कि जिस गली, जिस कूचे से निकलते हैं लोग सराहना करते हैं, तारीफों के पुल बांधते हैं और लोग कहते नहीं थकते हैं कि ये है सरकार, एक ईमानदार और कट्टर ईमानदार सरकार, जिसने दिल्ली के बजट को आसमान की बुलंदियों तक पहुंचा दिया। 30 हजार करोड़ का बजट, 78 हजार 800 करोड़ रुपये और तमाम् चीजें दिल्ली की पब्लिक के लिए मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, बस का सफर महिलाओं के लिए मुफ्त, ईलाज मुफ्त, दवाईयां मुफ्त, टेस्ट मुफ्त, तीर्थ यात्रा मुफ्त तमाम् चीजें फ्री और उसके बाद बजट ढाई गुणा, तो अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की सरकार के इस काम को मैं कहता हूँ कि दिल्ली की जनता ही नहीं, आने वाला वक्त आपके सामने बहुत तेजी से आ रहा है। पूरे देश की जनता इसकी सराहना कर रही है और मेरी तो कई जगह पर बात हुईं मेरी हैदराबाद बात हुई, मेरी उत्तर प्रदेश में बात हुईं कई जगह पर बात हुईं वहां के लोगों ने मुझसे इस बजट की चर्चा की कि आपकी दिल्ली में इतना बजट बढ़ता कैसे है, तो मैंने उन्हें बताया कि दिल्ली में बस एक ही चीज है कि दिल्ली का मुखिया और उसकी फौज ईमानदार और कट्टर ईमानदार है और उसने इस बजट को बढ़ाने में किया क्या है, उसने बस बेईमानों पर रोक लगा दी हैं, बाकी कोई कमाल नहीं किया है। तो इसलिए दिल्ली का बजट ढाई गुणा पहुंच गया और अभी मेरे एक काबिल दोस्त बता रहे थे कुछ तो जहां

तक मेरी जानकारी है तो अध्यक्ष महोदय किसी भी स्टेट में अगर वहां से कोई इन्कम टैक्स के रुप में, किसी रुप में अगर रेवेन्यू आता है सेंट्रल को तो सेंट्रल कम से कम मैं समझता हूँ कि 30 से 40 प्रतिशत उसे वापस कर देता है स्टेट को और दिल्ली तो एक लाख पचहत्तर हजार करोड़ रुपया दे रही है तो उसका 40 परसेंट अगर जोड़कर देखेंगे तो हमारा तो बहुत पैसा बन जाता है फिर तो हमें 70 हजार करोड़ से भी ज्यादा वापस मिलना चाहिए सालाना जहां हमें 325 करोड़ मिलता है। तो अध्यक्ष महोदय, किसी काम की सराहना करना बड़े दिल का काम है और जो इन लोगों के पास नहीं है। इन्हें आदत है कीड़ी कांटे निकालने की और उस आदत से ये मजबूर हैं। अभी मैंने देखा कि मदन लाल जी ने अपना एक सुझाव रखा तो इनको एकदम टीस लगी और चीख पड़े। मुझे आज तक ये समझनहीं आया, जब जब अडानी का नाम आता है, चीस इनके पिछवाड़े में क्यों लग जाती हैं। मुझे ये बात आज तक समझ नहीं आयी कि अडानी का नाम आते ही चीस इनके लगती है। अरे भई अडानी एक बिजनस मैन है, उसकी बात चल रही है, हम किसी पार्टी का नाम नहीं ले रहे, किसी आदमी का नाम नहीं ले रहे, किसी का नाम नहीं ले रहे, बिजनस मैन की बात कर रहे हैं, उठ आप जाते हैं। क्यों भई? तो अध्यक्ष महोदय, ऐसा बजट आज तक पेश नहीं कर पाया कोई मैं इस बजट की पूरी तरह सराहना करता हूँ, तारीफ करता हूँ और ये काबिले तारीफ बजट है और ऐसा बजट कोई आज तक पेश नहीं कर सका। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद। अखिलेश त्रिपाठी जी। बहुत संक्षेप में रखियेगा।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः धन्यवाद जी अध्यक्ष जी। सारे साथी कमोवेश, सारे विषयों पर चर्चा इस बजट पर कर चुके हैं। इस बजट के बारे में ये कहा जाए, अभी विपक्ष के लोग भी कुछ बोल रहे थे, तो उनकी हालत तो ये है कि बहू कितना भी बढ़िया खाना बना ले, सास का काम ही है उसमें कमी निकालना। तो सास की भूमिका निभा रहे हैं ये लोग। थोड़ा पढ़ाई लिखाई भी कम करते हैं। अभी पीछे एक साथी बजट को पढ़े नहीं और खड़े हो गये। वो बोल रहे थे कि खाली जो है, गली मोहल्ले की सड़के नहीं बनेंगी तो दिल्ली कैसे विकास करेगा। आप बजट पढ़ लिये होते तो आपको पता चल जाता कि इस बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी ने, हमारे वित्त मंत्री जी ने प्रोविजन किया है मुख्यमंत्री सड़क योजना का, एक एक सड़कों को शानदार स्वच्छ बनाने का संकल्प इस सरकार के पास इस बजट में है, आपको बताना चाहता हूँ। आपको बताना चाहता हूँ, एक एक गांव की, एक एक रोड को ठीक करने का, नालियों को ठीक करने का संकल्प इस बजट में है।

आप को बता दूँ ग्रामीण सड़क योजना, ग्रामीण विकास योजना के तहत् इसी बजट में सैकड़ों करोड़ रुपए का प्रोविजन किया है, मैं आप लोग को बताना चाहता हूँ। आप जान लिजिए। आपको बताना चाहता हूँ अन–अर्थोराइज कॉलोनियों के एक एक सड़क को,

नालियों को ठीक करने के लिए, इसी बजट में हजारों करोड़ रुपये का प्रोविजन किया, आप पढ़ लिजिए जरा। अपने जो मुखिया है, उनसे ज्यादा प्रभावित हैं। थोड़े पढ़े लिखे कम हैं, ये लोग भी जहमत उठाना नहीं चाहते। मैंने कहा बता दूँ उनको। पीडब्ल्युडी ने 3 हजार करोड़ से ज्यादा का प्रोविजन दिल्ली की सड़कों को शानदार और चमकदार बनाने के लिए, यूरोपियन मॉडल पर उसको सजाने के लिए, संवारने के लिए मैकेनाइज स्वीपिंग करने के लिए प्रोविजन किया, उसको आप पढ़ते नहीं हैं और खड़े हो जाते हैं, वही सास की तरह कि कुछ कमी निकालना है, कुछ कमी निकालना है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई ये साइड टॉक हो गई, समय खराब, अखिलेश जी आप अपनी बात रखिये।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः आपको बताना चाहता हूँ,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी आप अपना..

..व्यवधान..

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः ये बिना.

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं, आप मेरी तरफ मुंह करके बोलिये, उधार नहीं।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः मैं बताना चाहता हूँ कि ये बजट अध्यक्ष जी बिना एक रुपये कर वृद्धि के दिल्ली के बजट को लगातार 29 हजार करोड़ से आज 78 हजार 800 करोड़ रुपया पहुंचाने का हमारी सरकार ने काम कर दिया है। ये एक ऐसा सरकार है, जो महिलाओं को बस यात्रा कराने का फ्री में काम करती है। ये ऐसी सरकार है, जो 24 घंटे बिजली देने का काम, 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने का काम कर रही है। 400 यूनिट बिजली आधा रेट पर देने का काम कर रही है। देश में सबसे सस्ती बिजली देने का काम कर रही है। यह ऐसी सरकार है, जो बच्चों को निशुल्क वर्ल्ड क्लास एजुकेशन देने का काम कर रही है। अपने स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनाने का काम कर रही है। यह एक ऐसी सरकार है, जो ढाई सौ पहले करते थे हम लोग टेस्ट, अब साढ़े चार सौ टेस्ट निशुल्क करने का काम कर रहे हैं। 39 बड़े अस्पतालों के साथ वर्ल्ड क्लास हैल्थ सिस्टम दे रहे हैं और आपके प्रदेशों की जो सरकारें हैं, ईलाज नहीं करा पाती। उत्तर प्रदेश से, बिहार से, राजस्थान से, हरियाणा से सब लोग आते हैं तो दिल्ली में ईलाज कराने के लिए और अरविंद केजरीवाल जी कहते हैं आइये हम स्वागत करते हैं। आपकी सरकारें काम नहीं कर पा रही हैं, नहीं ईलाज करा पा रहे हैं, हम आपका ईलाज करने का जिम्मा रखते हैं, ये हिम्म्मत है इस बजट में। आपको बताना चाहता

हूँ और इतनी चीजें फ्री। निशुल्क पानी देने का काम इस वर्ष भी बजट में जारी रखा माननीय मुख्यमंत्री जी को, वित्त मंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ। इतनी चीजें फ्री देने के बावजूद भी केजरीवाल मॉडल ऑफ इकोनॉमिक्स का एक प्रभाव देखिये कि आज देश में 31 जगहों पर बजट प्रस्तुत हो रहा है लगातार, 30 जगहों की सरकारों ने केन्द्र की सरकार और 29 प्रदेशों की सरकारें घाटे में बजट प्रस्तुत किये हैं और मैं सैल्यूट करना चाहता हूँ वित्त मंत्री जी को, सैल्यूट करना चाहता हूँ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को कि इतनी वेलफेयर स्टेट का काम करने के वाबजूद भी दिल्ली का लगातार 9वां बजट भी मुनाफ़े का बजट प्रस्तुत किया है। तो सवाल उठता है कि कुछ फ्री नहीं है और जगहों पर, बिजली सस्ती नहीं है, पानी फ्री मिल नहीं रहा है और जगहों पर, शिक्षा शानदार बन नहीं रही है, आप ईलाज करा नहीं पा रहे हैं अपने प्रदेशों में..

माननीय अध्यक्षः कंक्लूड करिये अब अखिलेश जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः उसके वाबजूद भी आपकी सरकार घाटे में चल रही है..

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी कंक्लूड करिये, कंक्लूड करिये प्लीज।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः तो देश के लोग सवाल उठा रहे हैं कि केजरीवाल जी अगर सब चीज मुफ्त में दे करके अच्छे

सुविधाएं दे करके, अच्छा बजट प्रस्तुत करके मुनाफे का बजट प्रस्तुत करते हैं तो आपकी सरकारें क्यों नहीं कर पा रही हैं। अंतर यही है कि यहां पर एक ईमानदार, कट्टर ईमानदार सरकार काम कर रही है और वहां की सरकारों की नीयत ठीक नहीं है, इसीलिए वहां बजट घाटे में चल रहा है, ये बताना चाहता हूँ मैं आज। आज खड़े हो करके बताना चाहता हूँ कि ये बजट एक एक भारतीय के भविष्य को इंगित करता हुआ बजट है।..

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी अब कंक्लूड करिए।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः बस एक मिनट। क्योंकि अध्यक्ष जी, ये जो बच्चे होते हैं भारत के भविष्य होते हैं अध्यक्ष जी और किसी देश का भविष्य अगर खतरे में हो, तो देश आगे नहीं बढ़ सकता, इसीलिए हमारी सरकार ने सबसे ज्यादा भारत के भविष्य को देखते हुए अपने शिक्षा पर अलोकेशन करने का काम किया, जो भारत वर्ष में सबसे ज्यादा है। तो पता चलता है कि कौन देश में भारत के भविष्य को देखकर के बजट बनाता है। ये भारत के एक एक बच्चों की तरफ से, दिल्ली के एक एक बच्चों की तरफ से माननीय वित्त मंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने उनके लिए सबसे ज्यादा अलोकेशन शिक्षा में रखने का काम किया है।

आज हमारी सरकार देश में हैल्थ पर अपने बजट का सबसे ज्यादा प्रतिशत खर्च करने वाली सरकार बनी हुई है और कोई भी सरकार अपने बजट का 15 परसेंट से..

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी अब नहीं, अब बैठिये अखिलेश जी, प्लीज। अखिलेश जी, नहीं अब कंक्लूड, अखिलेश जी कंक्लूड करिये अब, प्लीज।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः कंक्लूड करते हैं, तो अध्यक्ष जी ये बजट बच्चों के लिए एक अच्छा बजट है, महिलाओं के लिए एक अच्छा बजट है, ये बजट सभी दिल्ली के श्रमिकों के लिए शानदार बजट है। ये बजट दिल्ली के एक एक युवाओं के लिए शानदार बजट है। मैं इस बजट का समर्थन करता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ माननीय मुख्यमंत्री जी का और अपने वित्त मंत्री कैलाश गहलोत जी का कि आप बहुत शानदार बजट लाये हैं।..

माननीय अध्यक्षः महेन्द्र गोयल जी। बहुत संक्षेप में रखियेगा।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः मैं अपने विधान सभा की तरफ से धन्यवाद देना चाहता हूँ कि हमारे यहां एक डबल डेकर फ्लाईओवर बन रहा है..

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी अब बैठिए। नहीं, हो गया अब बैठ जाइए।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः उसके लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ इस बजट में आपने दिया है।

माननीय अध्यक्षः महेन्द्र गोयल जी बहुत संक्षेप में, टू द प्वाइंट। प्लीज।

श्री महेन्द्र गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी। धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं पहले तो धन्यवाद करना चाहूँगा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का, वित्त मंत्री, कैलाश गहलौत जी का कि इतना शानदार दिल्ली का बजट प्रस्तुत किया है। हालांकि विपक्ष के साथियों को बहुत गुमान था। पहले एक मंत्री को अंदर किया, सत्येन्द्र जैन साहब को कि दिल्ली की व्यवस्था को बिगाड़े, लेकिन वहां पर भी अरविंद केजरीवाल जी था। उसके बाद मनीष सिसोदिया जी को अंदर किया, शराब नीति के तहत्, लीकर घोटाले के अंदर। मैंने इसी सदन के अंदर क्वेश्चन लगाया था कि लीकर पॉलिसी के अंदर दिल्ली सरकार को कितना नुकसान हुआ है, जिस पॉलिसी के अंदर ऐसे ईमानदार मंत्री को अंदर किया गया है, वो बड़ा ही दुखदायी है। दिल्ली की सरकार के ही वही अधिकारी यहां पर ये जवाब दे रहे हैं कि शराब नीति के अंदर दिल्ली की सरकार को फायदा हुआ है। मैं घोर निंदा करता हूँ कि जिस प्रकार से उनको अंदर किया गया है और अभी हमारे एक इसी विधान सभा के सदस्य घोषणा कर रहे थे, भविष्यवाणी कर रहे थे कि अगले नवरात्रों तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी अंदर होंगे। मैं उनको कह देना चाहता हूँ। अहंकार से तीनों गए। अहंकार से तीनों गये धान, वैभव और वंश और यकीन नहीं तो देख लो रावण, कौरव और कंस। रावण का तीनों लोकों के ऊपर आधिपत्य था। स्वर्ग में भी उसका आधिपत्य होता था, पृथ्वी के ऊपर भी उसका आधिपत्य होता था और पाताल के अंदर भी

उसका आधिपत्य होता था, लेकिन नाश हुआ तो उसकी चिता को अग्नि देने वाला भी उसके वंश का आदमी नहीं बचा था। इस समय के अंदर, पूरे देश के अंदर जो धूम मचा रखी है, जो भी उनके खिलाफ बोलता है, किसी की सदस्यता को रद्द कर देते हैं और किसी के ऊपर केस बनवा देते हैं। इसी विधान सभा के अंदर 45-45 एमएलए ऐसे बैठे हैं, जिनके ऊपर एफआईआर की गयी है। दुख होता है देखकर और कोर्ट के अंदर जाते हैं तो जिसमें से 40 से ऊपर बरी हो चुके हैं। ये इसकी ईमानदारी का प्रतीक है। मैं उन सदस्यों को कहना चाहता हूँ कि इतने अहंकार के अंदर मत रहो। दुख होता है इस बात के लिए और इसके अंदर कहना चाहता हूँ मैं:-

"काम करो कुछ ऐसा, काम करो कुछ ऐसा,
कि लोग तुम्हारे लौटने का इंतजार करे,
और ना करो अनर्थ कुछ ऐसा,
कि लोग तुम्हारे मिटने का इंतजार करे,
लोग तुम्हारे मिटने का इंतजार करे।"

इस समय में जो गदर मचा रखा है। मैं सही बात तो माननीय सदस्य से कहना चाहूँगा जो वो रोकने की बात करते हैं। इनके घर के साथ मेरा बहुत अच्छा रिश्ता है, बहुत प्यारा रिश्ता है। भाभी जी भी कहती हैं महेंद्र भाई यदि बजट पेश होना चाहिए तो

ऐसा ही होना चाहिए कि सारी बहनों को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सब बसों के अंदर फ्री में सवारी करवा रखी है। जितनी भी बेटियां जाती हैं सर्विस के ऊपर उनको भी बसिस फ्री में मिलती हैं। वो बुजुर्ग, वो माताएं, वो बहनें, वो कहते हैं तीर्थ यात्रा हमें फ्री में मिल रही है, बार-बार फ्री में मिल रही है। इससे ज्यादा खुशी की बात तो किसी के लिए नहीं हो सकती। और अब तो इस बजट के अंदर, जिन गलियों के अंदर, मोहल्लों के अंदर बसें भी नहीं जाया करती थी, अब दिल्ली सरकार ने ठाना है कि उनके अंदर भी जल्दी से वो बसें जायेंगी और वो भी पॉल्यूशन रहित बसें जायेंगी। तो मैं वित्त मंत्री साहब का इस सदन के अंदर स्वागत करता हूँ। मैं मुख्यमंत्री साहब का धन्यवाद करता हूँ कि उनकी जो सोच है और मैं इन साथियों को कहना चाहता हूँ,

''सोच को बदलो, सोच को बदलो तो सितारे बदल जायेंगे,

और नजर को बदलो तो नजारे बदल जायेंगे,

किश्ती को बदलने की जरूरत नहीं मेरे साथियों,

बस उसका रूख बदल दो, किनारे बदल जायेंगे, किनारे बदल जायेंगे।''

मैं किनारे के लिए इसलिए कह रहा हूँ, ये सदन वही है जिसके अंदर पहले बजट पेश हुआ करते थे, एम.एल.ए. भी इसी प्रकार से हुआ करते थे, बस इन एम.एलओ की और इस मुख्यमंत्री की सोच अलग है, वो लोगों के लिए बजट पेश करते हैं, वो हर

देश के नागरिक का हिसाब रखते हैं। वो कहते हैं कि बाहर से भी कोई व्यक्ति आता है और दिल्ली के अंदर यदि उसका एक्सीडेंट हो जाता है तो दिल्ली की जिम्मेवारी बनती है कि उसकी जेब के अंदर यदि पैसे नहीं तो दिल्ली की सरकार जिम्मेवारी लेती है, किसी भी प्राइवेट हॉस्पिटल के अंदर भी जाकर वो इलाज करवा लेगा तो उसको फ्री के अंदर वो सुरक्षा मिलेगी। ये सोच होती है।.

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट महेंद्र जी और बस। एक मिनट में कंक्लूड करिये, प्लीज।

श्री महेंद्र गोयल: अब कंक्लूड करने की बात कहेंगे। मुझे पता है और मेरा भी जवाब वो ही, बस समय आने दो कंक्लूड तो करके ही रख देंगे, चिंता मत करना।

माननीय अध्यक्ष: चलिए हो गया। करिए, करिए।

श्री महेंद्र गोयल: बस कंक्लूड तो कर ही देंगे और मैं नहीं करूंगा, देश के नागरिक कंक्लूड कर देंगे, ये हमें पूरा विश्वास है। बस एक ही बात कहूँगा, इस बजट के अंदर हर नागरिक का ध्यान रखा गया है, चाहे वो पढ़ने वाला बच्चा है या इंफ्रास्ट्रक्चर के ऊपर जितनी भी पॉलिसियां लेकर आये हैं, गली के अंदर, मोहल्ले के अंदर आज पानी भी फ्री के अंदर दिया जा रहा है और उस पॉलिसी को लागू रखा गया है, मैं समर्थन करता हूँ इस बात के लिए। बिजली के ऊपर सब्सिडी, सरकार ने ऐसे के ऐसे देने का संकल्प जारी रखा है, मैं धन्यवाद करना चाहूँगा क्योंकि

आज घरों के बजट को भी सुधार रही है और इस दिल्ली सरकार ने अपने बजट को भी सुधारा है। ये एक ईमानदार, राजनीति की पहल है और दिल्ली के बजट को देखते हुए अन्य सरकारें भी अरविंद केजरीवाल से सीख लेने की बात कर रही है। आज बाहर के, हमारे देश के जो दूसरे स्टेटों के मुख्यमंत्री हैं या उनके मंत्री हैं या उनके नागरिक हैं वो भी दिल्ली के अंदर आकर आज स्कूलों को भी देखते हैं, आज अपने यहां के हॉस्पिटलों को भी देखते हैं और अपने राज्यों के अदंर भी वो स्थापित करने के लिए वो भी संकल्प करते हैं। धन्यवाद अध्यक्ष जी। ज्यादा टाइम तो नहीं लिया, आज मैं पूछ ही लेता हूँ, ज्यादा तो नहीं लिया न टाइम?

माननीय अध्यक्षः थैंक यू, थैंक यूँ

श्री महेंद्र गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः एलओपी-श्री बिधूड़ी जी।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः हां। भई 13 लोग बोल चुके हैं, 2 इधर से, तीसरे, 16 लोग बोल चुके हैं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भाई साहब आपका मेरे ऑफिस में समय तय हुआ था, जो एलओपी का समय है। फिर आ जाना, जितना मैंने इनको दिया है, जितनी आपकी संख्या हैं उसके..

..व्यवधान...

श्री जितेंद्र महाजनः आपने 24 लोगों को 280 में दिया था, 23 को बोलने दिया है, एक को नहीं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, बिधूड़ी जी, फिर आप मुझे कहेंगे ये हाउस चलाने का तरीका है, आप बताइये। मुझे बोलने नहीं दिया, ये कोई तरीका है। तो ये कोई तरीका है।

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता-प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप, आप बोलिए अब इसको, बात को रखना है, बोलिए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः विपक्ष को बजट पर बोलने का समय देना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः वो अपनी आदत से जायेंगे नहीं।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मेरा आग्रह है आपसे, आगे आप।

माननीय अध्यक्षः क्या?

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: ऑनरेबल मेम्बर्स को बजट पर बोलने का मौका देना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: नहीं, मैंने दे दिया, 2 वो दे दिये, एक आपको दे रहा हूँ।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: नहीं-नहीं, वो कैसे, अब एलओपी का तो उसमें इंक्लूड होता नहीं। खाली 2 मेम्बर्स को आप बुलवा रहे हैं हमारे।

माननीय अध्यक्ष: अब लिस्ट ऑफ बिजनेस में लिखा हुआ है।

श्री विजेंद्र गुप्ता: दो मिनट बोलने दीजिए।

माननीय अध्यक्ष: नहीं, मैं नहीं बोलने दूँगा भाई साहब। बिल्कुल नहीं। जो मेरे साथ बैठकर एलओपी ने तय किया है,

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: नहीं, तय ये हुआ था..

माननीय अध्यक्ष: कि जो सदस्यों की संख्या..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: तीन लोग हमारे..

माननीय अध्यक्ष: सदस्यों की संख्या के आधार पर।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: तीन मेम्बर और एलओपी अलग।

माननीय अध्यक्ष: नहीं।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: तो हमारे 8-8 होने..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं, सदस्यों की संख्या के आधार पर तय हुआ था। समय, जो आपकी संख्या हैं,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं, अब समय बर्बाद हो रहा है देखिए जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: ..इसमें नहीं रोकते।

माननीय अध्यक्ष: न, बिल्कुल नहीं, समय बर्बाद..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: हां, समय है, दुबारा आ जाइये। जो आपकी संख्या हैं, उसके रेशो में समय मैंने दिया है।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ता: xxxxxx[1]

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: एलओपी का अलग है मेम्बर से। एलओपी का मेम्बर से कोई, आप उसको, उसमें मिक्सअप नहीं कर सकते।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ऐसा है, मेरी बात सुनिए। विजेंद्र जी, फिर अपनी भाषा से असहमत हो रहे हैं। मैं, मन में टीस है मेरे और इनकी ये पीड़ा है तो मेरे पास इसका कोई इलाज नहीं है। सदन, सदन की कार्यवाही के अनुसार..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं कोई नहीं दे रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं बोलने नहीं दे रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः न, मैं किसी को नहीं बोलने दे रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः न, मैंने, मैंने तय कर लिया है समय उसी हिसाब से दूँगा। जो रेशों आपकी बनती है..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जो रेशों आपकी..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं, बोलिए आप।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, बोलना है तो बोलिए।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxxxx[1]

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बोलिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः क्या है ये, क्या है ये जितेंद्र जी?

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं उनको बोल रहा हूँ जिनका नाम बोला है। हां बोलिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैंने बोला है उनका। उनका नाम लेकर बोला है भई

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अरे मैं दस बार नाम ले चुका हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः एलओपी रामवीर सिंह बिधूड़ी जी बोलेंगे। शुरू में मैंने उनका नाम बोला है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बोलिए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जिस क्रम से लिखकर दिया है, मैंने पहले दो ले लिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये एलओपी से बात करिए, जिस क्रम से उन्होंने लिखकर दिया है।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxx[1]

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अब छोड़ दीजिए।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये पॉइंट आफ ऑर्डर कौन सा बन गया है? इसमें क्या है पॉइंट आफ ऑर्डर? नहीं, क्या है इसमें पॉइंट ऑफ ऑर्डर, जो आप बोल रहे हैं, कोई इसमें पॉइंट ऑफ..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी, मैं नहीं, मैं बिल्कुल अलाउ नहीं करूंगा।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः कल की चर्चा में..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः कल की चर्चा में दीजियेगा इनका नाम।

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः पॉइंट ऑफ ऑर्डर,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः न, मैं नहीं बोलने दूँगा। अब टाइम कितना ही खराब हो। मैं बिल्कुल अलाउ नहीं करूंगा। इनका नाम पहले देना चाहिए था आपको। आपने जो नंबर के नाम दिये, मैंने उससे बोला है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जो नंबर से नाम दिये, मैंने उससे बोला है। इनका नाम नंबर-1 पर देते आप।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxxxx[1]

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बोलिए।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxxxx[1]

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः कोई पॉइंट ऑफ ऑर्डर नहीं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः पॉइंट ऑफ ऑर्डर में क्या है आपका?

..व्यवधान..

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः छोटा सा है।

..व्यवधान..

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxxxx[1]

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः वो आप बिधूड़ी जी को बोलिए, वो बोलेंगे।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी को दे दीजिए, वो बोलेंगे।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप बैठिए प्लीज।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप बैठ जाइये। नहीं, मैं अलाउ नहीं कर रहा हूँ।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं, ये विजेंद्र गुप्ता जी जो भी बोल रहे हैं वो रिकॉर्ड में नहीं आयेगा।

..व्यवधान..

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

माननीय अध्यक्षः चलिए जी।

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आदरणीय अध्यक्ष जी,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भाई साहब आप,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः करिए शुरू।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता-प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री जी हों, चाहे पूर्व वित्त मंत्री हों, बजट को गीता, कुरान और बाइबल कहते रहे हैं लेकिन मुझे इस बात का दुःख है कि बजट में सरकार जो घोषणाएं करती है उन पर अमल करती नहीं। आदरणीय अध्यक्ष जी, 2022-23 का रोजगार बजट इस हाउस में पेश किया गया। बजट के माध्यम से दिल्ली के लोगों से ये वायदा किया गया कि हम दिल्ली के 20 लाख लोगों को रोजगार देंगे और एक साल में 4 लाख लोगों को रोजगार मिलना चाहिए था, मेरी जानकारी के मुताबिक 4 लोगों को रोजगार नहीं मिला। आदरणीय अध्यक्ष जी, सरकार ने 12 करोड़ रूपये का प्रावधान किया था और रोजगार पोर्टल बनाकर हर साल 1 लाख रोजगार देने की बात कही थी। रोजगार विभाग ने 9 करोड़ रूपया सरेंडर कर दिया, 3 करोड़ रूपया का अता-पता नहीं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, पोर्टल का भी कहीं अता-पता नहीं है। तीन करोड़ रूपया कहां गया, उसके बारे में मैं चाहूँगा कि माननीय वित्त मंत्री जी जब बोलें तो जरूर जवाब दें।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 28 जनवरी से 26 फरवरी तक शॉपिंग फेस्टिवल लगवाये जायेंगे, बड़े-बड़े विज्ञापन भी आदरणीय मुख्यमंत्री जी की ओर से आये। लोग फेस्टिवल को ढँढ़ते ही रह गये।

बजट में ढाई सौ करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया। आपको हैरानी होगी कि सरकार केवल-केवल 1 करोड़ 73 लाख रूपया खर्च कर पायी।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 5 मार्केट्स को, सरोजनी नगर, लाजपत नगर, कीर्ति नगर, खारी बावली और कमला नगर का कायाकल्प करने की बात कही गईं गांधी नगर रेडीमेड गारमेंट को स्पेशल पैकेज देने की बात कही गई और इसके लिए 800 करोड़ रूपया रखा गया। मैं पूछना चाहता हूँ क्या कोई एक मार्केट रिडेवलप हुई?

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह भी बहुत जोरशोर से कहा गया, दिल्ली में Food Truck Policy शुरू की जाएगी, शायद भूल गये।

ये भी कहा गया क्लाउड कीचन के माध्यम से महिलाओं को रोजगार मिलेगा और उसके लिए 25 करोड़ रूपया रखे गये, क्या एक महिला को रोजगार मिला? स्मार्ट अर्बन फार्मिंग के जरिए भी महिलाओं को 25 हजार नौकरी देने का वायदा किया गया लेकिन

किसी महिला को नौकरी नहीं मिली। आदरणीय अध्यक्ष जी, 100 महिला मोहल्ला क्लिनिक खोलने की बात कही गई, 4 खुल पाये।

मैं, मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हैं, आपसे जरूर अनुरोध करूंगा कि जो अभी आपने आश्रम फ्लाईओवर का जो आपने उद्घाटन किया वो अधूरा रह गया, कृपया उसको पूरा करवा दें। अभी एक तरफ से ट्रैफिक चल रहा है। ट्रैफिक व्यवस्था बहुत खराब हो रही है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस बार शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए पैसा कम रखा गया है। लेकिन विज्ञापन के लिए बहुत पैसा रखा गया है। मेरा एक सुझाव है आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से, देखिए आप विज्ञापन पर पैसा खर्चा करिये। लेकिन हमें तकलीफ कहां होती है, जब आप ये कहते हैं कि हम पराली से खाद बनायेंगे और पराली से खाद बनाने के लिए 4 लाख रूपये की दवाई खरीदी जाती है। एक छटांक खाद बनती नहीं और 24 करोड़ रूपया विज्ञापन पर खर्चा हो जाता है, ये टैक्सपेयर्स का पैसा है। छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी योजना है, 10-10 लाख रूपये उनको कारोबार करने के लिए सहायता दी जाए, लेकिन 2 छात्रों को केवल 20 लाख रूपया मिले और विज्ञापन पर अध्यक्ष जी 19 करोड़ रूपया खर्च हो, तो तकलीफ तो होती है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 1400 सड़कों का सौंदर्यकरण होगा, बहुत अच्छी बात है। अभी तक तो दिल्ली की सड़कों की हालत बहुत खराब थी, अनेकों बार मुख्यमंत्री जी की ओर से ये कहा गया,

हम दिल्ली में पेरिस और लंदन वाली सड़कें बनाना चाहते हैं, बनायेंगे, जल्दी शुरू कर रहे हैं, हम इंतजार करेंगे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, बजट में साल 2025 तक 10,400 बस लाने की बात कही गई है। अध्यक्ष जी, पिछले बजट में भी 1000 बसें लाने की बात कही गई थी, क्या हुआ उसका, उस वायदे का क्या हुआ?

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे ऑनरेबल फाइनेंस मिनिस्टर ने एक बात कही है इस हाउस में, जब वो अपना बजट पेश कर रहे थे कि बिजली के दाम नहीं बढ़े। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर को, ऑनरेबल फाइनेंस मिनिस्टर को बताना चाहता हूँ, अभी हाल ही में पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट के नाम पर दिल्ली में 6 फीसदी तक रेट बढ़ाये गये और सबसे ज्यादा मार यमुना पार के लोगों पर पड़ी है, क्या कहना चाहेंगे ऑनरेबल फाइनेंस मिनिस्टर?

दिल्ली जल बोर्ड में विकास शुल्क, इन्फ्रास्ट्रक्चर चार्जिज का नाम देते हुए, पहले यदि कोई, किसी के पास 200 गज का प्लॉट है यदि पानी का कनैक्शन लेते थे तो 100 रुपये गज के हिसाब से डेव्लपमेंट चार्ज देना पड़ता था और 2 सौ गज पर अध्यक्ष जी 20 हजार रुपया देना पड़ता था। आपको हैरानी होगी कि अब 200 गज के प्लॉट पर 3 लाख 80 हजार रुपया डेवलपमेंट चार्जेज देना पड़ रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी यदि कमर्शियल प्लॉट होगा तो

उसके लिए 7 लाख रुपया डेव्लपमेंट चार्ज देना पड़ रहा है। सीवर के लिए यदि घरेलू कनेक्शन आप ले रहे हैं और 200 गज तक का प्लॉट है तो आपको ढाई लाख रुपया विकास शुल्क देना पड़ेगा और यदि कमर्शियल कनेक्शन के लिए आपने आवेदन किया है तो आपको सवा चार लाख रुपया विकास शुल्क देना पड़ेगा, 100 रुपये गज से बढ़ाकर आप कई गुना आपने विकास शुल्क बढ़ा दिया। मैं पूछना चाहता हूँ इस पर आप क्या कहना चाहेंगे? आदरणीय अध्यक्ष जी, यमुना पार विकास बोर्ड पर पिछले 3 साल में उसके माध्यम से, यमुना पार के विकास के ऊपर कोई पैसा खर्चा नहीं हुआ और इस बार केवल-केवल यमुना पार विकास बोर्ड को एक करोड़ रुपया दिया गया है। दिल्ली की एक तिहाई जनता के साथ आदरणीय मुख्यमंत्री जी ये नाइंसाफी है। आप इसमें सुधार करेंगे, ये मेरी गुजारिश है। समाज कल्याण विभाग का बजट कम कर दिया गया, नई ओल्ड ऐज पेंशन 2018 से बढ़ाई नहीं जा रही है। आदरणीय मंत्री सौरभ भारद्वाज जी बैठें हैं उन्होंने तो अपनी प्रेस कॉफ्रेंस में कहा कि हम, शायद दिसंबर 2021 से ओल्ड ऐज पेंशन नहीं दे पा रहे हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं जरूर इस मौके पर ये चर्चा करना चाहूँगा कि केंद्र सरकार के ऊपर बहुत आरोप लगें हैं, कि केंद्र सरकार दिल्ली की चिंता करती नहीं, दिल्ली के डेव्लपमेंट के लिए पैसा देती नहीं। आदरणीय अध्यक्ष जी, भारत सरकार के जो दिल्ली में हॉस्पिटल्स हैं उनके लिए मोदी जी की सरकार ने 8,196 करोड़ रुपया दिया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली पुलिस

को 11,932 करोड़ रुपया दिया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, तीन जो यूनीवर्सिटिज हैं, देह्ली यूनीवर्सिटी है, जवाहर लाल नेहरू यूनीवर्सिटी है, जामिया यूनीवर्सिटी है, डीडीए है, एनडीएमसी है इनके लिए भी लगभग 15 हजार करोड़ रुपया केंद्र सरकार ने दिया है और आपको सुनकर खुशी होगी कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में और भारत सरकार के सड़क एवं परिवहन मंत्री आदरणीय श्री नितिन गडकरी जी ने दिल्ली में हाईवेज बनाने के लिए, फ्लाईओवर्स बनाने के लिए लगभग 60 हजार करोड़ रुपया दिया है। अध्यक्ष जी जो तीसरा रिंग रोड केंद्र सरकार ने दिया है, मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से चाहूँगा कि मीडिया के साथ उसको देखने के लिए चलें, आप पेरिस और लंदन के हाईवे को भूल जाओगे। 8 हजार करोड़ रुपया अध्यक्ष जी मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हूँ उसके ऊपर खर्च हो रहा है। चलो एक बार उसको देखने चलेंगे। यदि आपको अच्छा लगेगा, तो धन्यवाद कर देना। अभी जो असीता ईस्ट पार्क विकसित किया जा रहा है, जहां अलग-अलग देशों के लोग गए हैं क्या कमाल का पार्क डेव्लप किया जा रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं दो मिनट में अभी बात को समाप्त कर रहा हूँ। जब ये कहा जाता है कि मोदी जी की सरकार ने दिल्ली को कुछ नहीं दिया, मैं आपके माध्यम से इस ऑनरेबल हाउस को बताना चाहता हूँ कि मोदी जी ने बदरपुर की 885 एकड़ जमीन पर दुनिया का सबसे बड़ा ईकोपार्क दिया है, पेरीफेरल रोड दिया है, मेरठ तक का सफर 40

मिनट में, दिल्ली से मुंबई तक नेशनल हाइवे, दिल्ली से सहारनपुर तक नेशनल हाइवे, कालिन्दी कुंज से मुंबई हाइवे, कालिन्दीकुंज से वाया जयपुर, फरीदाबाद, हरियाणा के लिए चार लेन का हाइवे, धौलाकुंआ, नरेला में फ्लाईओवर बनाए गए हैं, महीपालपुर बाईपास बनाया गया है, पुलिस वार मैमोरियल बनाया गया है, नेशलन वार मैमोरियल बनाया गया है, कर्तव्यपथ बनाया गया है, 12 biodiversity पार्कों का निर्माण हो रहा है और जो मैट्रो दिल्ली में चल रही है उसमें 50 परसेंट कन्ट्रीब्युशन मोदी जी की सरकार का है, केजरीवाल जी आपको बहुत बधाईं आदरणीय अध्यक्ष जी एशिया का सबसे बड़ा World class Convention Centre 90 हेक्टेयर जमीन में द्वारका में बनाया जा रहा है, 25 हजार लोग एक साथ बैठ पाएंगे। प्रगति मैदान के साथ ये जो टनल बनाई है, एक हजार करोड़ रुपया खर्च हुआ, आदरणीय मुख्यमंत्री जी सच्चाई बताउं, 20 परसेंट आपको भी देना था आपने दिया नहीं, लेकिन हमने मांगा नहीं आपसे, देखो ये हमने कहा नहीं, कोई बात नहीं, मामला हो सकता है कुछ थोड़ा जरा खजाने में कमी हो, ले लेंगे।..

माननीय अध्यक्षः चलिए अब कंक्लूड करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं बात को खत्म ही कर रहा हूँ। प्रगति मैदान में दो-दो Convention Centre और दो-दो चिल्ड्रन पार्क बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी एक साथ चलेंगे ये देखने के लिए। वसंतकुंज से गुरुग्राम हाइवे तक 6 किलोमीटर लंबी टनल बनाने का काम शुरु हो गया है, मैं इस

हाउस को बधाई देना चाहता हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी, तीसरे रिंगरोड की स्कीम जो मैंने चर्चा की है उसमें 12 फ्लाईओवर हैं और 16 अंडरपास हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, इसके ऊपर 8 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। दिल्ली में मोदी जी सरकार ने अनेक केंद्रीय विद्यालय खोले हैं। जहां झुग्गी वहीं मकान 3 हजार फ्लैट्स भी मोदी जी की सरकार ने दिये हैं। सवा सौ करोड़ रुपया हर महीने मोदी जी की सरकार 72 लाख राशनकार्ड धरियों को 4 किलो गेहूँ 1 किलो चावल उपलब्ध करा रही है। जनऔषधी केंद्र भी खोले गए हैं और खोखा पट्टी के लोगों को दस हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी गई है..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी प्लीज कंक्लूड करिये अब।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः जिससे कि वो इज्जत और सम्मान के साथ रोजी-रोटी कमा सकें। मैं अपनी बात को समाप्त कर रहा हूँ। मुझे 15 मिनट भी नहीं हुए।

माननीय अध्यक्षः 20 मिनट हो गए पूरे 20 मिनट।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः चलिए मैं खत्म कर रहा हूँ। और अंत में अरे भई,..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः चलिए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अरे दो कदम तुम बढ़ो दो कदम हम बढ़ें, अरे दिल्ली के विकास की बात करेंगे ना, आपने कुछ अच्छा किया मैंने किया उसमें कुछ, हमने कोई उस पर सवाल खड़ा नहीं किया।

माननीय अध्यक्षः चलिए बिधूड़ी जी अब..

..व्यवधान..

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आपने अच्छा किया है, भगवान आपको..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः इधर मुझसे बात, बिधूड़ी जी,

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः जी।

माननीय अध्यक्षः करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः लेकिन मैं आज इस हाउस में क्योंकि बजट पर चर्चा हो रही है एक बार फिर दिल्ली के ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर से दो योजनाओं के बारे में जरूर उनसे आग्रह करूंगा, कि 'आयुषमान भारत' योजना को लागू कर दिया जाए। इससे दिल्ली के वे लोग, जब बीमार होते हैं तो ईलाज में बहुत दिक्कत आती है, और दूसरा आग्रह मैं करूंगा देश भर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री जी घर बनाने के लिए 4-4 लाख रुपये देते हैं, दिल्ली में भी लाखों लोग हैं जिनके पास

पक्के घर नहीं है। प्रधानमंत्री आवास योजना को दिल्ली में लागू होने दो मुख्यमंत्री जी और जब पहले व्यक्ति को मकान बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी से 4 लाख रुपया दिलवायेंगे तो आप के हाथ से फीता कटवाएंगे, लेकिन आप कम से कम, मैंने दो दिन पहले भी कहा हमारा आपका झगड़ा हो सकता है, राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जो गरीबों के लिए योजनाएं है चाहे आपके द्वारा चलाई जा रही हैं, चाहे मोदी जी के द्वारा चलाई जा रही हैं, उनका फायदा दिल्ली के गरीबों को मिले। तभी गरीबों का जीवन स्तर ऊँचा उठेगा। हमें राजनीति से उपर उठकर जो मैंने दो सुझाव दिये हैं, उन पर दिल्ली के ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर जरूर उन पर विचार करेंगे और हमें निराश नहीं करेंगे। जब उनका बजट पर भाषण होगा तो आज इसकी घोषणा उनके द्वारा की जाएगी यही आग्रह करते हुए मैं अध्यक्ष जी आपके प्रति बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। माननीय वित्त मंत्री श्री कैलाश गहलौत जी।

माननीय वित्तमंत्री (श्री कैलाश गहलौत): अध्यक्ष जी सुबह से इस बजट की चर्चा में काफी माननीय विधायकों ने इसमें चर्चा की और जिसमें सत्ता पक्ष के भी और विपक्ष के भी विधायक ने हिस्सा लिया, उन सभी का मैं धन्यवाद देता हूँ। जैसा कि मैंने कहा कि मेरा ये वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट था और माननीय मनीष जी को व्यक्तिगत रूप से भी और मैं समझता हूँ

कि सभी दिल्लीवासियों ने बहुत मिस किया, क्योंकि कहीं भी अगर बजट की चर्चा स्पेशली दिल्ली सरकार में जब भी हुआ करती थी तो हमेशा बजट और मनीष जी जो हैं वो एक साथ जैसे चोली-दामन का साथ है उसी प्रकार से हमेशा रहा। मेरे लिए एक नया अनुभव रहा, समय कम था और खूब मेहनत की, कि जो माननीय सीएम साहब का आदेश है और दिल्लीवासियों के लिए एक बेहतरीन बजट पेश किया जाए। तो वो हमने पेश किया। मैं सभी ऑफिसर्स का और सभी जो पूरे मेरे साथ दिन रात मेहनत करके मेरे ऑफिस के सदस्य, जितने भी फेलॉज हैं उन्होंने जो मेहनत की उनका मैं धन्यवाद करता हूँ। एक बात मैं जरूर इस पूरे सदन के साथ साझा करना चाहूँगा। बजट प्रेजेंट करने के बाद, इस हाउस में बजट ले करने के बाद, अध्यक्ष जी तमाम फोन कॉल आए, कि बहुत ही शानदार बजट पेश किया और जिसमें हर वर्ग के लिए, हर व्यक्ति के लिए, हर आयु के व्यक्ति के लिए कुछ ना कुछ जरूर इस बजट में है। न्यूज पेपर ने खूब बढ़िया तरीके से कवर किया, सोशल मीडिया पर बहुत सारे रिएक्शन्स आए कि बढ़िया बजट पेश किया। पिछले 8 सालों से अध्यक्ष जी मैं सुनता आ रहा हूँ, जब भी बजट के बारे में विपक्ष की बारी आती है तो इनकी एक ही टिप्पणी रहती है वो इस बार भी यही टिप्पणी रही कि बहुत ही बेकार बजट है, कोई कह रहा है जी ये कॉपी पेस्ट है, कोई कुछ कह रहा है, कोई कुछ कह रहा है, कोई केंद्रीय सरकार की जो योजनाएं हैं उनको गिनवाये जा रहे हैं, मैं

तो इंतजार कर रहा था कि ओपी शर्मा जी ने शायद कहा, कि कब ये पीएम हाउस की भी चर्चा करेंगे, क्योंकि है तो वो भी दिल्ली में ही।.. बिलकुल। तो उनको मैं जवाब दे रहा हूँ एक शेर के रूप में:

'खिलाफत करते रहो,

खिलाफत करते रहो, तो मेरी बेशक करते रहो,

जुग्नुओं की बगावत से जंगल जला नहीं करते।'

और अध्यक्ष जी, ये बार-बार हमारे बारे में कुछ कह रहे थे, तो मैं बड़ी शांति के साथ सुबह से सुन रहा हूँ। तो ये उसका मैं जवाब दे रहा हूँ:

''निकले हैं वो लोग मेरी शख्सियत बिगाड़ने,

निकले हैं वो लोग मेरी शख्सियत बिगाड़ने।

किरदार जिनके खुद मरम्मत मांग रहे हैं।''

ये उनके लिए है। और अध्यक्ष जी इनको बजट से कोई मतलब नहीं है, इनको बजट से कोई मतलब नहीं है और बीच में एक चीज और भूल गया मैं ये वो कह रहे हैं ना उपर से लेकर नीचें तक सारे अनपढ़ हैं, सारे अनपढ़ इकट्ठे हो गए। ये मैं प्रूव कर रहा हूँ। एक्साइज मैटर के एक स्टार्ड कोश्चन में जवाब आया, माननीय अभय वर्मा जी को, चिल्ला चिल्ला के वहां से कह रहे थे घाटा हो गया, घाटा हो गया, घाटा हो गया और ये भी मैं

अनुरोध करूंगा इनसे कि हाउस को कभी मिसलीड नहीं करना चाहिए। हम तो सब पढ़े लिखे हैं, हम समझते हैं, अब ये देखिये क्या कह रहे थे, ये कह रहे हैं 3 हजार करोड़ का घाटा हो गया, इसी आंसर में, इसी आंसर से पढ़ रहा हूँ मैं हमारी नई एक्साइज पोलिसी इंप्लीमेंट हुई 17 नबंवर 2021 से, तो 17 नबंवर 2021 से लेकर 31 अगस्त और जो और उसी समय का उसी पीरियड का अगर मैं कंपेरिजन करूं तो अगर हम 17 नबंवर 2020 से लेकर 31 अगस्त 2021 तक का हम रेवेन्यू कलैक्शन अगर लेते हैं जितना पैसा इकट्ठा हुआ, एक्साइज और वैट दोनों मिलाकर तो ये आता है 4890 करोड़। मैं सभी माननीय सदस्यों की उसके लिए, नई एक्साइज पोलिसी इंप्लीमेंट होने से पहले जो 2020-21 का ये समय था 17 नबंवर से 31 अगस्त तक का ये टोटल रेवेन्यू जो कलैक्ट हुआ वो हुआ 4890 और अगर हम उसके अगले साल का इसी समय का अगर हम देखें मतलब कि 2021-22 में अगर 17 नबंवर 2021 से लेकर 31 अगस्त 2022 का अगर हम रेवेन्यू कलैक्शन देखें तो ये आता है 5 हजार 576। अब कौन सा ज्यादा है, कौन सा बड़ा है ये मुझे पता नहीं,..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अभय जी ऐसे नहीं चलेगा। अभय जी बैठ जाइये आप। अभय जी, अभय वर्मा जी ऐसे नहीं चलेगा।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप बैठ जाइये अब।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं आप बैठ जाइये। बैठिये आप, बैठिये अब, बैठ जाइये।

..व्यवधान..

माननीय वित्तमंत्रीः तो अध्यक्ष जी ये, ये अध्यक्ष जी दिखाता है कि इनको कोई समझ नहीं है कि कौन सा अमाउंट ज्यादा है और कौन सा कम है। ये बिलकुल..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः उनका उत्तर सुनिये। अभय जी आप वो..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये बिलकुल, ये गलत तरीका है आपका, मैं सहन नहीं करूंगा ये चीज, अभय वर्मा जी बैठ जाइये,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मैं वॉर्निंग दे रहा हूँ बैठ जाइये, अभय वर्मा जी बैठ जाइये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अगर आपको लगता है..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अब आपको मालूम नहीं है, आपको मालूम नहीं। आप बैठिये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मार्शल्स अभय वर्मा को बाहर करें।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः मंत्री जी को डिस्टर्ब कर रहे हैं आप, बाहर करो।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार श्री अभय वर्मा को सदन से बाहर किया गया।)

माननीय वित्तमंत्रीः थोड़ा पढ़ लिया करो कभी। सही समय पर स्कूल जाते कॉलेज जाते तो थोड़ा ज्ञान प्राप्त होता, थोड़ा पढ़ लिया करो, थोड़ा पढ़ लिया करो।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ऐसे थोड़े ही चलेगा।

..व्यवधान..

माननीय वित्तमंत्रीः अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी पूरे,.

..व्यवधान..

माननीय वित्त मंत्रीः अध्यक्ष जी ये बिलकुल गलत है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः आप बैठ जाइये, आप पोलिसी को पहले पढ़ के आ जाइये एक बार। चलिये।

माननीय वित्तमंत्रीः अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्यों की समझ के लिए ये भी बताना चाहूँगा, अध्यक्ष जी दोनों पोलिसीज जो हैं वो बिलकुल अलग प्लेटफॉर्म पर थी, पुरानी पोलिसी थी जो Excise Duty Regime हम कहते हैं, सारा चीजें एक्साइज ड्यूटी के रूप में इकट्ठा किया करते थे और जो नई पोलिसी थी वो सारा लाइसेंस फी के रूप में उसको इकट्ठा किया गया है। दोनों पॉलिसिस को कम्पेयर करना भी एक प्रकार से ठीक नहीं है। it is like comparing apples and oranges सेब और संतरे को अगर कम्पेयर करें वो ठीक नहीं होगा। लेकिन हाऊस को मिसलीड करना स्टार्ड कॉश्चन जो लिखित रूप में डिपार्टमेंट की तरफ से और मेरी तरफ से जो जवाब आया है उसको तोड़-मरोड़ के गलत तरीके से पेश करना ये बिल्कुल गलत है और मैं फिर दोबारा तीन-चार और चीजें सामने रख रहा हूँ जिससे ये प्रूव होगा कि जो जो कहा उन्होंने माननीय सदस्य अभय वर्मा जी ने वो बिल्कुल सरासर गलत है। दिसम्बर के महीने में मतलब कि 2020 दिसम्बर में जितना रिवेन्यु कलैक्ट हुआ वो है 508 करोड़ और नई पॉलिसी इम्पलीमेंट होने के बाद 2021 दिसम्बर में जो पैसा इक्ट्ठा हुआ वो हुआ 850 करोड़ तो कौन-सा

ज्यादा है। 508 करोड़ ज्यादा है या 850 करोड़ ज्यादा है? अध्यक्ष जी, मार्च के महीने में जो रिवेन्यु कलैक्ट हुआ, पुरानी पॉलिसी में जो कलैक्ट हुआ वो 524 मैं रिपीट कर रहा हूँ, पुरानी पॉलिसी में जो पैसा कलैक्ट हुआ मार्च के महीने में मार्च 2020 में जो कलैक्ट हुआ वो हुआ 524 करोड़ रूपए और आप लोगों को हैरानी होगी जानकर कि जो नई पॉलिसी में मार्च 2021 में जो पैसा इक्ट्ठा हुआ वो 1060 करोड़ डबल–डबल पैसा इक्ट्ठा हुआ। इनको एक्साइज पॉलिसी से कोई मतलब नहीं है। इनको मतलब है एक आदमी को रोकने का। एक आदमी को रोकने से मतलब है और उस व्यक्ति का नाम है अरविंद केजरीवाल। इनको कोई मतलब नहीं दिल्ली से। इनको कोई मतलब नहीं है एक्साइज पॉलिसी से, इनको सिर्फ एक व्यक्ति को रोकना है। अरविंद केजरीवाल को रोकना है, दिल्लीवासियों को काम नहीं करने देना, आम आदमी पार्टी को रोकना है। उनका ये मकसद है सिर्फ इनको कोई मतलब नहीं है बजट से, इनको कोई मतलब नहीं है दिल्लीवासियों से और एक और रख रहा हूँ। जून 2020 में जो पैसा इक्ट्ठा हुआ जो रेवेन्यु कलैक्ट हुआ वो हुआ 242 करोड़ रूपएऔर जून 2021 मतलब कि नई पॉलिसी इम्पलीमेंट होने के बाद वो हुआ 678 करोड़ रूपए। तो कहां से कम हो गया, कहां से कम हो गया? मैं तो कह रहा हूँ थोड़ा पढ़ लिख लिया करो। सारे अनपढ़ इक्ट्ठे हो गए यहां, सारे अनपढ़। ऊपर से लेकर नीचे तक अनपढ़ इक्ट्ठे हो गए हैं। अध्यक्ष जी, इनको दर्द है, इनको दर्द है जिस प्रकार से 2015 से पहले

अनेक पार्टियां इनकी भी पार्टी थी, इन्होंने लोगों को बेबकूफ बनाया। इनको कोई मतलब नहीं है।..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई मैं क्या करूं, जब मंत्री जी बोल रहे हैं, मंत्री जी बोल रहे हैं उसके बाद ये बदतमीजी हो रही है। मंत्री जी बोल रहे हैं इतना तो सेंस होना चाहिए। बैठ जाइये, बैठ जाइये आप, प्लीज बैठ जाइये।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भाई साहब मंत्री जी बोल रहे हैं तब मत डिस्टर्ब करिये उनको। चलिये।

..व्यवधान..

माननीय वित्त मंत्रीः अध्यक्ष जी इनको दिल्लीवासियों से कोई मतलब नहीं है। इनको दिल्लीवासियों के लिए जो बढ़िया काम हो रहा है उसके लिए कोई मतलब नहीं है क्योंकि इन्होंने हमेशा बेगानों की तरह, इन्होंने दिल्लीवासियों के साथ हमेशा बेगानों की तरह सलूक किया। आम आदमी पार्टी आई, माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में हमने, सीएम साहब ने उन लोगों के दुख को समझा, उस दर्द को समझा कि भई कहां पे दिक्कत है, कहां प्रोब्लम है। ये चीख-चीख के रोते रहते हैं कि मुफ्त पानी, मुफ्त बिजली, मुफ्त सीवर कनैक्शन, मुफ्त बस सेवा इनको दर्द है

इस चीज का कि हमने उनकी प्रोब्लम को समझा, हमने उनके दिलों में जगह बनाईं माननीय सीएम साहब ने एक दिल्ली के बेटे के रूप में, एक श्रवण के रूप उनका जो दुख था उसको समझा। तो सारी चीज मैं फिर दोबारा अंत में एक शेर के रूप में इन्हीं को दे रहा हूँ:

''बेगाने पन को बदला हमने मोहब्बत में,
बेगाने पन को बदला हमने मोहब्बत में,
जमाना खड़ा है हमारी मुखालफत में
जमाना खड़ा है हमारी मुखालफत में
गुस्ताखी हुई टूट गई हमसे रिवायतें,
अब मिलेंगे पुराने दोस्त भी अदालत में।''

बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी।

माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय मैं अभी माननीय मंत्री जी और हमारे साथियों के बीच की बातचीत सुन रहा था। हमने दिल्ली में छोटे बच्चों के एजुकेशन के लिए, पढ़ाई–लिखाई के लिए तो काफी..

..व्यवधान..

माननीय मुख्यमंत्रीः मैं आतिशी जी जो हमारी एजुकेशन मिनिस्टर हैं उनसे निवेदन करूंगा कि एडल्ट लिटरेसी प्रोग्राम का भी इंतजाम करें दिल्ली के अंदर क्योंकि हमारे से पहले शिक्षा का बहुत स्तर था, अब आने वाली पीढ़ी जो है वो तो बहुत पढ़ी–लिखी होगी लेकिन पुराने जमाने के मेरे को अभी अध्यक्ष जी दो–चार दिन पहले एक व्यक्ति मिला। वो खूब घूमता है किसी कंपनी में काफी बड़ा एक्जीक्यूटिव है। पूरे देश में काफी घूमता है। कभी बंगलौर, कभी चेन्नई, कभी बम्बई, कभी कलकत्ता, कभी दिल्ली उसने मुझे कहा कि slowly and slowly Delhi is becoming the most liveable city in the country धीरे–धीरे दिल्ली जो है वो सारे शहरों को अगर आप कम्पेयर करो, देश भर के सारे शहरों को उनमें सबसे ज्यादा लिवेबल जीने लायक अब दिल्ली शहर बनता जा रहा है। यहां पे सब तरह की सुविधायें हैं, सब तरह की चीजें हैं, धीरे–धीरे विकसित होती जा रही हैं। ये हमारी सरकार के लिए एक बहुत बड़ी बात है कि दिल्ली मॉडल ने पूरे देश को एक उम्मीद दी है। दिल्ली मॉडल ने ये दिखा दिया कि एक ईमानदार सरकार क्या कर सकती है। दिल्ली मॉडल ने ये दिखा दिया कि एक पढ़ी–लिखी सरकार क्या कर सकती है। दिल्ली मॉडल क्या है? दिल्ली मॉडल है एक पढ़ी–लिखी सरकार का मॉडल, सबके विकास का मॉडल। चाहे वो हिन्दू हो, चाहे वो मुसलमान हो, चाहे सिक्ख हो, चाहे इस धर्म का हो, चाहे उस धर्म का हो, चाहे इस जात का हो, चाहे उस जात का हो, चाहे गरीब हो चाहे अमीर हो, चाहे बच्चा हो,

चाहे बूढ़ा हो, चाहे युवा हो, चाहे आदमी हो, चाहे औरत हो, हर एक के विकास का मॉडल और सम्पूर्ण विकास का मॉडल जिसमें सारे जीवन के सभी सेक्टर इन्वॉल्ड हैं। जीरो करप्शन का मॉडल। दिल्ली मॉडल इज जीरो करप्शन का मॉडल। महंगाई से निजात पाने का मॉडल ये केन्द्र सरकार की अभी एक स्टडी आई है जिसमें ये दिखाया गया है कि पूरे देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली के अंदर है। इन्फलेशन सबसे कम, पूरे देश में सारे राज्य अगर लिये जाये तो लोगों को महंगाई से निजात दिलाने का मॉडल है। सबको अच्छी शिक्षा दिलाने का मॉडल है। सबके लिए अच्छा इलाज इन्तजाम करने का मॉडल है। वर्ल्ड क्लास ट्रांसपोर्ट का मॉडल है। 24 घण्टे फ्री बिजली का मॉडल है। शानदार, खूबसूरत सड़कों का मॉडल है। 24 घण्टे फ्री पानी का मॉडल है। साफ–सुथरे आधुनिक शहर का मॉडल है और अध्यक्ष जी मैं जैसे अभी कई बार गुजरात गया, पंजाब जाता रहता हूँ। कई सारे राज्यों में जाता हूँ। लोग अचम्भा करते हैं, अच्छा दिल्ली में ऐसे भी होता है। दिल्ली में बिजली फ्री मिलती है। अच्छा दिल्ली में हमने सोशल मीडिया पर देखा था दिल्ली में ऐसे–ऐसे स्कूल हैं, दिल्ली में ऐसे–ऐसे मोहल्ला क्लीनिक हैं। लोगों को यकीन नहीं होता। पूरे देश में लोग दांतों तले उंगली दबा लेते हैं कि अच्छा ऐसे भी होता है। 75 साल के अंदर लोगों ने कभी ऐसा शासन कभी देखा ही नहीं। पहली बार लोग इस तरह का शासन देख रहे हैं। पूरे देश के अंदर लोग आश्चर्य से उंगली दबा लेते हैं। पहले दिल्ली जानी जाती थी कॉमनवेल्थ घोटाला,

सीएनजी किट घोटाला, आज दिल्ली जानी जाती है अपने शानदार स्कूलों की वजह से, शानदार अस्पताल की वजह से। इन लोगों ने और इनकी केन्द्र सरकार ने पूरे तन्त्र लगा दिया, हजारों-हजारों करोड़ रूपए खर्च दिये, मीडिया को धामकाया सब कर लिया कि किसी तरह से साबित कर दें ये घोटालों की शराब घोटाला, फलाना घोटाला, जनता नहीं मान रही इनकी बात, जनता ने मना कर दिया। जनता कह रही है कि सबसे ईमानदार, पूरे देश में सबसे ईमानदार सरकार आम आदमी पार्टी की सरकार है। जितने काम 65 साल में आजादी के 65 साल में हुए उतने ही काम पिछले 8 साल में हुए। उससे डबल काम हमने करके दिखा दिये। इतने काम किये। मैं अभी आपको सारे गिनाऊंगा। पिछली 8 साल में हमने क्या-क्या काम किये। अगले साल दो साल में हम क्या-क्या काम करने जा रहे हैं। तो जो काम पिछले 65 साल में करें इन सारी पार्टीयों ने मिलके, उससे डबल काम हमने 8 साल में कर दिये और आज मैं शिक्षा और स्वास्थ्य पे बात नहीं करूंगा। वो तो सबको पता है। जब भी बात करो कहते हैं जी शिक्षा और स्वास्थ्य पे तो आपने बहुत किया, बाकियों पे क्या। आज मैं बाकी चीजों की बात करूंगा। जैसा मैंने कहा महंगाई पे सबसे ज्यादा हम लोगों ने, लोगों को महंगाई से छुट, दिल्ली में सब कुछ फ्री है। बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, इलाज फ्री, बसों में महिलाओं का सफर फ्री, तीर्थयात्रा फ्री, राशन फ्री इतनी सारी चीजें फ्री हैं दिल्ली के अंदर और उसके बाद भी बजट जो है वो पॉजिटिव में जा रहा है। घाटे

में नहीं जा रहा। इनकी जितनी सरकारें पूरे देश के अंदर हैं पता नहीं 3 लाख करोड़ का कर्जा, 10 लाख करोड़ का कर्जा, 5 लाख करोड़ का कर्जा एक भी चीज फ्री नहीं और फिर भी पता नहीं इतना भ्रष्टाचार, इतना भ्रष्टाचार! जब हमने सरकार शुरू की बहुत सारे पुराने काम पेन्डिंग थे। सिग्नेचर ब्रिज बनना था, बारापुल्ला भ्रष्टाचार की वजह से, इनेफिसियेन्सी की वजह से सारे पुराने काम पूरे किये और पिछले 8 साल के अंदर 28 नए फ्लाईओवर बनाये हैं हमने। वर्ल्ड क्लास ट्रांसपोर्ट का इंतजाम किया। मैं अभी कई सारी चीजें बताऊंगा। अब तो आपके बच्चे रहते हैं लंदन में। लंदन जाते रहते हो और भी बहुत सारे लोग विदेशों में गए होंगे। जिस किस्म के ट्रांसपोर्ट का इंतजाम हम लोगों ने दिल्ली के अंदर किया है ऐसा बड़े-बड़े दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में मिलता है। 1998 से ले के 2015 तक 17 साल हुए, 1998 से 2015 सत्तराह साल, 17 साल में मेट्रो बनी 193 किलोमीटर मात्र 193 किलोमीटर और 2015 से 2023 तक आठ साल में 390 किलोमीटर।.. प्रभु सब कुछ आप ही की कृपा है। ये चांद, ये सितारे, ये आसमान, ये ध ारती सब कुछ आप ही की। इस सृष्टि की रचना ही 2014 में हुई थी। उसके पहले तो बनी ही नहीं। हम लोग जो भी काम करते हैं उनका नाम लेके शुरू करते हैं, उन्हीं का नाम ले के, तो सब कुछ आप ही की कृपा है। सबसे पहले मैं आप ही सबको नमन करता हूँ। 1998 से लेकर 2015 तक 17 साल में 143 मेट्रो स्टेशन बने और पिछले 8 साल में 286 स्टेशन बने मेट्रो के, आप

ही की कृपा है। 2015 तक 65 साल में 5842 बसें आईं और आज 7379 बसें हैं आप ही की कृपा है। महिलाओं को पूरी दुनिया के अंदर बहुत कम शहर हैं, मैं तो ये कहूँगा कि ये महिलाओं को फ्री सफर या सारे यात्रियों को फ्री सफर ये एक बहुत एडवांस कॉन्सेप्ट है कि पूरा ट्रांसपोर्ट सिस्टम, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम फ्री होना चाहिए। हाँ बहुत कम देश ऐसे हैं, बहुत कम शहर ऐसे हैं दुनिया के जहां पे ये कॉन्सेप्ट है। दिल्ली उनके अंदर चुना जाता है वो दो-चार शहर पूरी दुनिया के, मुझे लगता है कि शायद न्यूयॉर्क ने या वाशिंगटन ने किया था, इसके पहले जर्मनी में था। तीन-चार शहर हैं जहां पे पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्री है। दिल्ली उन चुनिंदा शहरों में गिना जाता है जहां महिलाओं का सफर फ्री किया गया और अभी तक तीन साल में 100 करोड़ टिकटें, 100 करोड़ बार महिलायें सफर कर चुकी हैं। प्रभु आप ही की कृपा है। एक वन डेली ऐप आप जब लंदन जाते हो तो एक फोन पे ऐप वहां पे भी होता है। कोई भी बस उसमें आप देख लो, किसी भी बस को वो कर लो, वो पता चल जाता है बस कहां पहुंची, कितनी देर में आपके स्टैण्ड पे आयेगी। इतना शानदार ऐप दिल्ली सरकार ने बना लिया। अब आप दिल्ली की कोई भी बस आप जान सकते हो इतने नम्बर बस कहां पे है, अभी कितनी देर में पहुंचेगी, कहां पहुंचेगी, दिल्ली में वो ऐप चालू हो गया। ये भी दुनिया के चुनिंदा शहरों में हैं और आज दिल्ली देश का ईवी कैपिटल 'इलैक्ट्रॉनिक व्हीकल कैपिटल' माना जाता है। ईवी कैपिटल माना

जाता है। सबसे ज्यादा ईवी व्हीकल्स आज दिल्ली के अंदर बिकते हैं। इसको दिल्ली के लोगों ने इतना शानदार बनाया है, ईवी कैपिटल बनाया। सीवर का क्षेत्र ले लीजिए, कोई भी क्षेत्र ले लीजिए। सीवर के क्षेत्र में 2014 तक 65 साल में मात्र 227 कच्ची कॉलोनियों के अंदर सीवर की लाइन डली थी 2015 तक। 65 साल में केवल 227 कॉलोनियों में कच्ची कॉलोनियों में सीवर की लाइन डली थीं। 8 साल में हमने 747 कॉलोनियों के अंदर सीवर की लाइन डाली हैं। दिल्ली के अंदर जितना सीवर निकलता है एक मोटा-मोटा स्टीमेट है कि 750-800 एमजीडी सीवर रोज निकलता है। उसमें से मात्र 373 एमजीडी सीवर जो है उसकी सफाई 2015 तक होती थी, बाकि सारा नालों में बहा दिया जाता था। यमुना में जाता था। सारा प्रभु आप ही की कृपा है। हम तो साष्टांग आपके..

हम तो कह ही रहे हैं कि सृष्टि की रचना ही 2014 में हुई थी। हम तो कह ही रहे हैं प्रभु जी ये चांद, ये सितारे आप नहीं होते तो..373 एमजीडी एसटीपी सीवर है वो साफ होता था आज 632 एमजीडी आज 8 साल के अंदर डबल कर दिया हमने डबल। जितना 65 साल में दिल्ली ने तरक्की की थी पिछले 8 साल के अंदर..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः भई ओम प्रकाश जी अब ये तो।

माननीय मुख्यमंत्रीः उतनी ही तरक्की की है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः जब बोल रहे थे हम सब सुन रहे थे न जी।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं अब क्या दिक्कत है मेरी समझ में नहीं आती बात।

माननीय मुख्यमंत्रीः पानी, 2015 में केवल 985 कच्ची कॉलोनियों में पानी की पाईपलाईन डली थी आज 1671 कॉलोनियों के अंदर पानी की पाईपलाईन डली है डबल, हर चीज में डबल। जितना विकास पिछले 65 साल में हुआ था उतना विकास पिछले 8 साल में हुआ है। और अभी मैं दिखाउंगा जितना विकास पिछले 8 साल में हुआ उतना ही विकास अगले 2 साल में होने जा रहा है। पिछले 8 साल में ये दुनिया का रिकार्ड है गिनीज़ बुक में आना चाहिये, आपको गिनीज़ बुक में अप्लाई करना चाहिये आप यूडी मिनिस्टर हैं।.. पिछले 8 साल में 5138 किलोमीटर पानी की पाईपलाईन दिल्ली के अंदर डाली गयी 5138 किलोमीटर पानी की लाईन, दुनिया के किसी शहर में इतने युद्धस्तर के उपर पानी और सीवर का काम नहीं हुआ जितना पिछले 8 साल के अंदर हुआ है। पहले 900 एमजीडी पानी दिल्ली में बनता था इसको अब हजार तक लेके गये हैं अभी मैं बताउंगा इसको आगे कितना लेके

जायेंगे। दिल्ली में अध्यक्ष महोदय पहले कितना पानी बनता है, कितना पानी कहां जाता है, किस इलाके में कितना कोई वो नहीं था, कोई वाटर मीटर नहीं था, कोई बल्क वाटर मीटर नहीं था, बस यूँ ही मीटर वाला 2 चूड़ी घुमा देता था तो कहते थे इतना पानी चला गया, 3 चूड़ी घुमा देता था तो कहते थे। जगह जगह पिछले 8 साल में हमने 3 हजार बल्क वाटर मीटर अलग अलग पाईपलाईन में लगाये हैं ताकि एक हिसाब तो हो कि कहां कितना पानी हमने भेजा।

पॉल्यूशन पे - इन लोगों ने इनकी पार्टियों ने राजनीति तो खराब की थी, दिल्ली की हवा भी बहुत खराब कर दी थी इन लोगों ने। कोई कसर नहीं छोड़ी थी इन्होंने हवा खराब करने में। तो 65 साल में इन्होंने जितनी दिल्ली की हवा करी खराब, उसका हमने 2015 में आके शुद्धिकरण करना चालू किया, साफ करना चालू किया। तीस परसेंट पॉल्यूशन कम कर दिया पिछले 8 साल में पीएम 10, 324 से 223 हो गया, पीएम 2.5 149 से 103 हो गया। ये इनको समझ नहीं आयेगा ये पीएम 10 पीएम 2.5 का। पहले साल में 2016 में 26 दिन ऐसे थे जो सीवियर पॉल्यूशन बहुत ज्यादा पॉल्यूशन। पिछले साल मात्र 6 दिन ऐसे थे और अध्यक्ष महोदय साल दो साल के अंदर एक भी दिन ऐसा नहीं रहेगा दिल्ली के अंदर जो सीवियर पॉल्यूशन हो, 2016 में 109 दिन थे जो अच्छे माने जाते थे आज 163 दिन हैं जो अच्छे माने जाते हैं।

पर कैपिटा फॉरेस्ट, पेड़ जितने हैं दिल्ली के अंदर। इतने पेड़ लगाये हमने इतने पेड़ लगाये आज पूरे देश में बड़े शहरों में सबसे ज्यादा पेड़ों का कवर दिल्ली के अंदर है सबसे ज्यादा। दिल्ली में पर कैपिटा फॉरेस्ट 11.6 स्के. मीटर एक आदमी के साथ 11.6 स्के. मीटर के पेड़ हैं। हैदराबाद में 10.6, बंगलुरू में 10.4, मुंबई में 6, चेन्नई में 2.6, कलकत्ता में 0.1, दिल्ली में सबसे ज्यादा पेड़ दिल्ली के अंदर हम लोगों ने लगाये।

पहले प्राईमरी हेल्थ का पूरा सिस्टम टूटा मतलब टुच्ची मुच्ची इधर उधार डिस्पेंसरियां होती थी, दवाईयां मिलती नहीं थी, डिस्पेंसरियों की दीवारें टूटी पड़ी थी, छतें टूटी पड़ी थी, कोई आता नहीं था, मशीनें काम नहीं करती थी, अब शानदार वर्ल्ड क्लास 515 मोहल्ला क्लिनिक और 4 महिला मोहल्ला क्लिनिक बना दिये, 30 पॉलीक्लिनिक। इन मोहल्ला क्लिनिक में साल में 2 करोड़ पेशेंट हर साल दो करोड़ पेशेंट्स मोहल्ला क्लिनिक में इलाज कराते हैं। फ्री दवाईयां लेकर जाते हैं। इनमें ढाई सौ टेस्ट मुफ्त होते हैं और 165 तरह की दवाईयां मिलती हैं।

मेरे को याद है अध्यक्ष महोदय 2014 की गर्मियां, सात सात, आठ आठ घंटे के पावर कट लगते थे। रात को सात सात, आठ आठ घंटे पावर कट लगते थे। वहां से हमने दिल्ली को संभाला था। आज दिल्ली के अंदर एक भी पावर कट नहीं लगता 24 घंटे बिजली आती है और उन दिनों में अगर 6000 मेगावाट का लोड हो जाये किसी दिन तो लोड शेडिंग होती थी पूरे कहीं ट्रांसफार्मर

जल गया, कहीं तारें जल गयी, कहीं कुछ हो गया 6 हजार मेगावाट दिल्ली हैंडल नहीं कर सकती थी आज पिछले साल 7695 मेगावाट को दिल्ली ने हैंडल किया है कोई ट्रांसफार्मर नहीं जला, एक भी लोड शेडिंग नहीं हुई, कोई तार नहीं जले, कोई ट्रांसफार्मर नहीं जला, एक भी लोड शेडिंग नहीं हुई, इतना शानदार बिजली का इंफ्रास्ट्रक्चर हमने पूरी दिल्ली के अंदर बिछाया है सारे ट्रांसफार्मर बदले, तारें बदली, और आज दिल्ली के अंदर ट्रांसमिशन लॉसिस दुनिया में सबसे बेहतरीन है लैस दैन 7 परसेंट है।

आज दिल्ली तिरंगों का शहर है 500 बड़े बड़े तिरंगे कहीं चले जाओ आपको तिरंगे ही तिरंगे दिखाई देंगे। ये तो था हमने 8 साल में क्या किया। अब हम आगे क्या करेंगे। मैं समझता हूँ कि इंफ्रास्ट्रक्चर को बूस्ट देने के लिये शायद ये सबसे बेहतरीन बजट पेश किया है वित्तमंत्री जी ने। इक्कीस हजार करोड़ रूपये का इंवेस्टमेंट किया जायेगा दिल्ली के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिये।

दिल्ली की सड़कों का ब्यूटिफिकेशन ऑलरेडी चालू हो गया है। आप लोग देख रहे होगे जगह जगह फूल पत्ती, सफाई काफी जगह चालू हो गया है। इसी को आगे लेके जाया जायेगा लाईट्स लग रही हैं, फूल पत्ती लग रही हैं, कई जगह पेड़ पौधो लग रहे हैं, सफाई हो रही है। ऑलरेडी दिल्ली का जगह जगह चालू हो गया 1400 कि.मी. की सड़कें जो पीडब्ल्यूडी की है इनका ब्यूटिफिकेशन किया जायेगा। इस ब्यूटिफिकेशन में सड़कों का रिपेयर करेंगे, दोनों

तरफ फुटपाथ ठीक करेंगे, सेंटर वर्ज ठीक करेंगे, जो पत्थर टूटे हैं वो ठीक करेंगे, सड़कों में गड्ढे हैं वो ठीक करेंगे, जो खाली जगह है वहां पे हरियाली लगायेंगे, रोज उनकी मैकेनिकल स्वीपिंग होगी, उनकी धुलाई सड़कों की भी धुलाई होगी, पौधों की भी धुलाई होगी, हर तीन तीन महीने में पेंट होगा, जेब्रा क्रासिंग की पेंटिंग, लेन की पेंटिंग, एक साल के बाद देख लेना दिल्ली की पीडब्ल्यूडी की सड़कों पे कोई गड्ढा दिखाई नहीं देगा। इससे हमें उम्मीद है एक तो खूबसूरत बनेगी दिल्ली की सड़कें और डस्ट पॉल्यूशन दिल्ली में पॉल्यूशन जो है 30 परसेंट और कम होगा जितना अभी कम कर दिया उससे 30 परसेंट और कम होगा।

29 नये फ्लाईओवर और बना रहे हैं। 28 तो हमने बना दिये हैं अभी दिल्ली में मेरे ख्याल से 62 या 63 टोटल 65 साल में 62 फ्लाईओवर बने हैं, 63 फ्लाईओवर बने हैं। हमने 28 ऑलरेडी बना दिये पिछले 8 साल में, 29 और बनाने जा रहे हैं। तो जितना काम इन्होंने 65 साल में करा था उतना काम हमने आठ नौ साल में कर दिया। तीन डबल डेक्कर फ्लाईओवर बन रहे हैं। पूरे देश में आज तक कहीं ऐसा नहीं हुआ। ये दिल्ली पूरे देश के लिये एक उदाहरण बनेगा डबल डेक्कर मतलब उपर मेट्रो चलेगी और नीचे जो हैं वो बसें चला करेंगी रोड पे। तीन वर्ल्ड क्लास बस डिपो बनेंगे। जैसे एयरपोर्ट होता है, एयरपोर्ट पे आप देखते हो कितनी साफ सुथरी जगह शानदार, ट्राली में लेके जाते हैं सब। वैसा ही पूरा बस डिपो बनेगा, बसपोर्ट बनेगा, आईएसबीटी बनेंगे जिसमें

आप पूरा वैसे ही एक्सपीरियंस होगा, वैसे ही शानदार व्यवस्था होगी। दो मल्टीलेवल बस डिपो बन रही है अभी पहली बार देश में बन रहे हैं। छह मंजिली बसें उपर, उपर पार्किंग होगी। छह मंजिल तक बसों की पार्किंग होगी। मैं देख रहा हूँ अचम्भित देख रहे हैं ये लोग।.. दो मॉडर्न बस टर्मिनल बनेंगे, मेट्रो का फेज-4 चालू हो रहा है 1600 इलेक्ट्रिक बसें इस बार खरीदी जा रही हैं इस साल। ये 1600 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के बाद दिल्ली देश का वो शहर होगा जिसमें सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें होंगी, दिल्ली देश का वो शहर होगा जिसमें सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें होंगी। 2025 तक दिल्ली में टोटल 10480 बसें होंगी जिसमें से 80 परसेंट लगभग 8200 बसें इलेक्ट्रिक होंगी। तो इस साल हम देश का वो शहर बनेंगे जिसमें सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें हैं, 2025 में हम दुनिया का वो शहर बनेंगे जिसमें सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें होंगी, 8200 बसें पूरी दुनिया में किसी शहर में नहीं हैं। चाईना भी उठा के देख लो चाईना में कहते हैं सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें हैं हम चाईना को भी पीछे छोड़ देंगे। दिल्ली चाईना को भी पीछे छोड़ देगी। और ये पूरी जो प्लानिंग हम लोगों ने की है ये कोई हैपहैजर्ड प्लानिंग नहीं है कि बसें खरीद ली, ये कर लिया। बसें अगर खरीदेंगे तो बसों को चार्ज करने के लिये बस डिपो चाहियें। तो 57 बस डिपो जो हैं उनकी इलेक्ट्रिफिकेशन दिसम्बर 2023 तक पूरी हो जायेगी। और लास्ट माईल क्नेक्टिविटी सबसे बड़ा मुददा है महिलाओं की सुरक्षा के लिये भी और ये सीमलेस ट्रैवल के लिये,

इसके लिये जो मोहल्ला बस सर्विस स्कीम चालू की जा रही है मैं समझता हूँ ये अपने आप में एक मील का पत्थर साबित होगी। अध्यक्ष महोदय आप वहां जाते हो जब लंदन वहां पे तो बड़े बड़े आदमी भी बसों में चलते हैं, वहां पे जब बस पे बस अड्डे पे बस स्टैंड पे खड़े हो तो वो इलेक्ट्रोनिक सारा आता है वहां पे ऐसे 1400 बस क्यू शेल्टर बना रहे हैं पहली स्टेज में उसके बाद सारे, 1400 बस क्यू शेल्टर वहां पे आप खड़े होगे, डिजिटल स्क्रीन लगा होगा कि कौन सी बस कहां पहुंची, कितनी देर में पहुंच रही है, पैसेंजर कितनी सीटें खाली हैं किस बस में, सारी इंफार्मेशन आपको वहां पे बस क्यू शेल्टर पे दिखाई देगी। तो दिल्ली एक मॉडर्न सिटी की तरफ बढ़ रही है। दुनिया के चुनिंदा शहरों में दिल्ली का नाम आयेगा।

हमें यमुना को भी साफ करना है। तो जैसे मैंने बताया इनके टाईम पे..

..व्यवधान..

माननीय मुख्यमंत्रीः अभी होयेगी जी। चिंता न करो सारा होगा। आपकी कृपा से होगी प्रभु। तो सीवर जैसे मैंने पहले बताया 373 एमजीडी एसटीपी 2015 में थे आज 632 हो गये। इस 632 को बढ़ाके सीधो 890 एमजीडी इसी साल कर रहे हैं। एक ही साल में। एक ही साल में 632 एमजीडी से 890 एमजीडी सीवर ट्रीटमेंट की फैसिलिटी इस साल क्रिएट की जा रही है। एक और चीज

हमने देखी कि सीवर की लाईनें बिछा देते हैं लेकिन लोग कनेक्शन नहीं लेते अपने घर तक का। उसके जो पैसे लगते हैं लोग पैसे नहीं देना चाहते। तो हमने देखा जैसे पूरा ट्रांसयमुना एरिया है 100 परसेंट सीवर डला हुआ है वहां पे लेकिन फिर भी गंदी नालियों में, नालों में सीवर जा रहा है क्यूँ, लोगों ने कनेक्शन नहीं ले रखे। तो अब हम जबर्दस्ती कनेक्शन देंगे पैसे नहीं लेंगे, फ्री में कनेक्शन देंगे। उनके घर के अंदर कनेक्शन दे के आयेंगे, पाईपलाईन जोड़ के आयेंगे, उनके घर तक कनेक्शन देके आयेंगे पैसे नहीं लेंगे, 100 परसेंट दिल्ली में जहां जहां सीवर की लाईनें डलेंगी हर घर के अंदर कनेक्शन पानी का भी और सीवर का भी देके आयेंगे। जैसा मैंने बताया सीवर की पहले 2014 तक 227 कॉलोनियों में सीवर की पाईपलाईन डली थी अब तक हमने 747 डाल दी इस साल 747 से बढ़ा के 1317 कच्ची कॉलोनियों के अंदर सीवर की पाईपलाईन डाली जायेगी। ये जो मैं टारगेट बता रहा हूँ जो इस साल हम काम करने जा रहे हैं जब हमारी सरकार बनी इन का 2035 तक का टारगेट था कि सारी कच्ची कॉलोनियों में सीवर 2035 तक डालेंगे, सारे दिल्ली का सीवर कनेक्शन, जो काम इन्होंने 2035 तक करना था हमने इसी साल पूरा करने जा रहे हैं हम सारे काम। तीन कूड़े के पहाड़ जब एमसीडी में..

श्री ओम प्रकाश शर्मा: एलजी साहब करा रहे हैं।

माननीय मुख्यमंत्री: प्रभु आप ही की कृपा है। सब आप ही कृपा है सर। एलजी साहब, मोदी साहब, आप ही की कृपा है जी

मैं तो कह ही रहा हूँ। प्रभु आपके चरण।.. अध्यक्ष महोदय, अभी तक एमसीडी में इनकी सरकार थी। मैंने पूरा प्लान अभी स्टडी किया है एमसीडी में हमारी सरकार आने के बाद। इनके हिसाब से चलते तो 197 साल लगते इन 3 कूड़ों के पहाड़ ठीक करने में 197 साल। आज मैं इस सदन में पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ कि दिसम्बर 2024 तक तीनों कूड़े के पहाड़ साफ हो जायेंगे।

इनके टाईम में दिल्ली को जो स्वच्छता एक वो आता है सर इंडेक्स क्या होता है.. 'स्वच्छता सर्वेक्षण' दिल्ली, यही कराते हैं। दिल्ली को स्वच्छता सर्वेक्षण में सबसे निचले सबसे गंदा शहर सबसे डर्टी सिटी का दर्जा मिलता था। मैं आपको यकीन दिला रहा हूँ आज कि अगले कुछ सालों के अंदर दिल्ली को सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा मिल जायेगा, इंदौर को पीछे छोड़ देंगे।

एमसीडी के स्कूल और अस्पतालों का बहुत बुरा हाल है अब उसको ठीक करना चालू करेंगे जैसे हमने दिल्ली के स्कूल और अस्पताल ठीक कर दिये।

महिला मोहल्ला क्लिनिक इस बार 100 और बनाने जा रहे हैं। मेट्रो के अंदर मोहल्ला क्लिनिक बना रहे हैं उससे फायदा ये होगा लोग सवेरे सवेरे जाते हैं शाम को आते हैं तो स्पेशली नहीं जाना पड़ेगा, छोटी मोटी बीमारी है, दवाई लेनी है, टैस्ट कराना है वहीं मेट्रो में मोहल्ला क्लिनिक होगा तो वहां अपना वो करा लेंगे।

पानी के क्षेत्र में बहुत बड़े स्तर पे काम कर रहे हैं। हमारा मकसद है कि 24 घंटे साफ पानी टूटी से आना चाहिये। इसके लिये अभी हजार एमजीडी पानी दिल्ली में रोज बनता है, हमारा टारगेट है 2025 तक 1240 एमजीडी पानी हम दिल्ली के अंदर अपना प्रोडक्शन करेंगे इसके लिये हर हफते मैं मीटिंग्स ले रहा हूँ। पूरे दिल्ली के अंदर अगले तीन चार महीने के अंदर हर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पे, हर प्राईमरी यूजीआर पे, हर सेकेंडरी यूजीआर पे और हर टैपिंग पे वाटर फलो मीटर लग जायेगा और हमें एग्जैक्टली पता होगा वो डैशबोर्ड पे आयेगा। डेली हमारे पास हमको पता चल जायेगा कि कहां कितना पानी गया और कितना पानी चोरी हुआ, कहां चोरी हुआ, कहां पानी की लीकेज हो रही है।

तो अध्यक्ष महोदय ये एक पढ़ी लिखी सरकार का नतीजा है। अभी अभी मैं जब आ रहा था एक व्हाट्स एप पे आया कि ये सारे काम इसलिये हो पा रहे हैं कि क्यूँकि पढ़ी लिखी सरकार है। हम सब पढ़े लिखे लोग हैं। और एक अनपढ़ सरकार है उसका क्या नारा है

'घर घर नाली घर घर गैस जिसकी लाठी उसकी भैंस'

'बनेगा पकौड़ा बनेगी चाय स्कूल अस्पताल भाड़ में जाये'

'आम आदमी से मन की बात और अपने भाई से धान की बात'

'वाह रे शासन तेरा खेल ईमानदार को हो गयी जेल'

(सदस्यों द्वारा सदन मे नारे बाजी की गईं)

माननीय अध्यक्षः अब माननीय सदस्यों से प्रार्थना है। माननीय सदस्यगण बजट को पास करना है। अनुदानों की मांगें वर्ष 2023-2024 अब सदन माननीय वित्त मंत्री द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2023 को सदन में प्रस्तुत Demands for Grants पर Demand wise विचार करेगाः-

DEMAND NO. 1 (Legislative Assembly)

जिसमें Revenue में 60 करोड़ 20 लाख 50 हज़ार रुपये तथा जिसमें Capital में 27 करोड़ 55 लाख 50 हज़ार रुपये हैं, कुल राशि 87 करोड़ 76 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 1 पास हुई

DEMAND NO. 2 (General Administration)

जिसमें Revenue में 11 अरब 51 करोड़ 79 लाख 50 हज़ार रुपये तथा Capital में 14 करोड़ 31 लाख 50 हज़ार रूपये, कुल राशि 11 अरब 66 करोड़ 11 लाख रुपये सदन के सामने है -

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 2 पास हुई

DEMAND NO. 3 (Administration of Justice)

जिसमें Revenue में 18 अरब 70 करोड़ 90 लाख रुपये हैं तथा Capital में 1 अरब 65 करोड़ 78 लाख 70 हज़ार रूपये हैं, कुल राशि 20 अरब 36 करोड़ 68 लाख 70 हज़ार रुपये सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 3 पास हुई

DEMAND NO. 4 (Finance)

जिसमें Revenue में 3 अरब 84 करोड़ 63 लाख 17 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 5 अरब 73 करोड़ 92 लाख 83 हज़ार

रूपये हैं, कुल राशि 9 अरब 58 करोड़ 56 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 4 पास हुईं

DEMAND NO. 5 (Home)

जिसमें Revenue में़ 10 अरब 74 करोड़ 54 लाख 70 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 2 अरब 72 करोड़ 96 लाख 30 हज़ार रुपये, कुल राशि 13 अरब 47 करोड़ 51 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 5 पास हुईं

DEMAND NO. 6 (Education)

जिसमें Revenue में 154 अरब 18 लाख रुपये हैं तथा Capital में 5 अरब 21 करोड़ 76 लाख रुपये, कुल राशि 159 अरब 21 करोड़ 94 लाख रुपये सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 6 पास हुई

DEMAND NO. 7 (Medical & Public Health)

जिसमें Revenue में 75 अरब 45 करोड़ 55 लाख 82 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 2 अरब 35 करोड़ 21 लाख 93 हज़ार रूपये, कुल राशि 77 अरब 80 करोड़ 77 लाख 75 हज़ार रुपये सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 7 पास हुई

DEMAND NO. 8 (Social Welfare)

जिसमें Revenue में 92 अरब 57 करोड़ 14 लाख रुपये हैं तथा Capital में 17 अरब 61 करोड़ 75 लाख रूपये हैं, कुल राशि 110 अरब 18 करोड़ 89 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 8 पास हुई

DEMAND NO. 9 (Industries)

जिसमें Revenue में 5 अरब 5 करोड़ 34 लाख रुपये हैं तथा Capital में 8 करोड़ 49 लाख रूपये, कुल राशि 5 अरब 13 करोड़ 83 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 9 पास हुई

DEMAND NO. 10 (Development)

जिसमें Revenue में 38 अरब 48 करोड़ 39 लाख 77 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 5 अरब 88 करोड़ 84 लाख 78 हज़ार रूपये, कुल राशि 44 अरब 37 करोड़ 24 लाख 55 हज़ार रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 10 पास हुई

DEMAND NO. 11 (Urban Development & Public Works)

जिसमें Revenue में 123 अरब 30 करोड़ 29 लाख 13 हज़ार रुपये हैं तथा Capital में 125 अरब 51 करोड़ 67 लाख 87 हज़ार रुपये हैं, कुल राशि 248 अरब 81 करोड़ 97 लाख रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 11 पास हुई

DEMAND NO. 12 (Loans)

जिसमें Capital में 1 करोड़ 30 लाख रूपये हैं सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 12 पास हुई

DEMAND NO. 13 (Pensions)

जिसमें Revenue में 3 करोड़ रूपये सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Demand No. 13 पास हुई

हाउस ने कुल मिलाकर Revenue में 534 अरब 31 करोड़ 98 लाख 59 हज़ार रुपये एवं Capital में 167 अरब 23 करोड़ 59 लाख 41 हज़ार रुपये, कुल राषि 701 अरब 55 करोड़ 58 लाख रुपयों की Demands को मंजूरी दे दी है।

The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023

(Bill No. 04 of 2023)

माननीय अध्यक्षः अब वित्त मंत्री The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023(Bill No. 04 of 2023) को House में Introduce करने की permission मांगेंगे।

Hon"ble Finance Minister: Hon"ble Speaker Sir, I seek permission of the House to introduce The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023 (Bill No. 04 of 2023) to the House

माननीय अध्यक्षः वित्त मंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पास हुआ।

अब वित्त मंत्री Bill को सदन में Introduce करेंगे।

Hon"ble Finance Minister: Hon"ble Speaker Sir, I introduce The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023 (Bill No. 04 of 2023) to the House.

माननीय अध्यक्षः अब Bill पर Clause-wise विचार होगा।

प्रश्न है कि खण्ड-2, खण्ड-3 व Schedule बिल का अंग बनें-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड-2, खण्ड-3 एवं Schedule बिल का अंग बन गये।

प्रश्न है कि खण्ड-1, Preamble और Title Bill का अंग बनें-

श्री विजेंद्र गुप्ताः इस पर विचार होगा सदन के समक्ष।

माननीय अध्यक्षः किसका।

श्री विजेंद्र गुप्ताः इन्ट्रडयूस ऑफ बिल्स।

माननीय अध्यक्षः हो गया। पहले हो गया।

श्री विजेंद्र गुप्ताः पहले उन्होंने प्रमीशन मांगी। फिर आपने पूर्ण बिल पेश कर दिया। ..तो अभी तो बिल तो दो।

माननीय अध्यक्षः दे चुके हैं भई पहले। ये तो आ चुका।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी ये Appropriation भाई साहब विजेंद्र जी ये Appropriation Bill है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः जो भी है आपने..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं Appropriation Bill है। इस पर..

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः ये हर वर्ष ऐसे ही होता है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः प्रश्न है कि खण्ड-1, Preamble और Title Bill का अंग बनें-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड–1, Preamble और Title Bill का अंग बन गये।

अब वित्त मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023(Bill No. 04 of 2023) को पास किया जाए।

Hon'ble Finance Minister: Hon"ble Speaker, Sir, the House may now please pass The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023 (Bill No. 04 of 2023)

माननीय अध्यक्षः वित्त मंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

The Delhi Appropriation (No. 03) Bill, 2023 (Bill No. 04 of 2023) पास हुआ।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण सदन को स्थगित करूं उससे पहले एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा मेरे सामने आया है और ये सीधा विधान सभा की प्रभुता पर एक अटैक है जिसको मैं पूरा

पढ़कर सुना रहा हूँ। मैं आपका ध्यान विधानसभा सचिवालय पर थोपे गए एक महत्वपूर्ण संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। संविधान में यह स्पष्ट प्रावधान है कि संसद और राज्य विधानमंडलों के पास अध्यक्ष के अधीन एक स्वतंत्र सचिवालय और वित्तीय स्वायत्तता होनी चाहिए। दुर्भाग्य से, दिल्ली विधानसभा के गठन के 30 साल बीत जाने के बावजूद दिल्ली विधानसभा सचिवालय अभी भी अपने खर्च के लिए वित्त विभाग पर निर्भर है। विधानसभा सचिव ही इसके प्रशासनिक सचिव और विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं और उन्हें कुछ वित्तीय शक्तियां भी प्रदान की गई हैं। अब इन सीमित शक्तियों पर भी अंकुष लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वित्त विभाग ने एक तरफा घोषणा की है कि विधि सचिव, दिल्ली विधानसभा के प्रशासनिक सचिव और एचओडी होंगे। जबकि विधि विभाग ने बार-बार और स्पष्ट रूप से यह बताया है कि विधि विभाग, विधानसभा का प्रशासनिक विभाग नहीं हैं और न ही हो सकता है। इसके बावजूद भी वित्त विभाग इस बात पर एडामेंट है और उसने ये घोषण की है। यह विधायिका पर सीधा हमला है और इसके स्वतंत्र कामकाज पर अंकुष लगाने का खुल्लम-खुल्ला प्रयास है। यह इस सदन के उस निर्णय के भी विरुद्ध है, जिसके तहत दिनांक 27 फरवरी, 2019 को विधानसभा के स्वतंत्र सचिवालय के लिए सामान्य प्रयोजन समिति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया था। यह माननीय पूर्व उप मुख्यमंत्री द्वारा वित्त सचिव को दिनांक 12 दिसम्बर, 2017 को दिये गये निर्देश की सीधी अवहेलना

है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकसभा के महासचिव ने दिल्ली विधानसभा को, मैं दुबारा पढ़ रहा हूँ इसको कृपया ध्यान में रखें, सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि लोकसभा के महासचिव ने दिल्ली विधान सभा को वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की सिफारिश से भी दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को अपने पत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 2021 के माध्यम से अवगत कराया था। इन सभी घटनाक्रमों और विधि विभाग की राय की खुली अवहेलना करते हुए, वित्त विभाग ने दिल्ली विधानसभा सचिवालय के कार्य को बाधित करने का प्रयास किया है, जो सीधे तौर पर विधानसभा और इसकी समितियों को प्रभावित करता है। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूँ कि विधि विभाग की राय के बावजूद वित्त सचिव दिल्ली विधानसभा के कामकाज में बाधा डालने पर क्यों तुले हुए हैं। मुझे विधानसभा के कामकाज में बाधा डालने में इन अधिकारियों के षड्यंत्र का एहसास हो रहा है, जो राजनीति से प्रभावित लगता है। मैंने दिनांक 02 अगस्त, 2022 को वित्त विभाग और विधि विभाग के साथ मीटिंग भी बुलाई थी। प्रधान सचिव ने मीटिंग में भाग ही नहीं लिया लेकिन विशेष सचिव (सेवायें और वित्त विभाग) श्री कुलानंद जोषी जी ने आश्वासन दिया था कि इस मामले का समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। मेरे विचार से यह विशेषाधिकार हनन और विधानसभा की अवमानना का मामला है। मुझे बताया गया है कि एक पूर्व, ये भी मैं सदन के सामने

जानकारी दे रहा हूँ, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चौ. प्रेम सिंह जी ने बजट पर हस्ताक्षर करने से मना करने की धमकी दे दी थी क्योंकि उनकी मंजूरी के बिना अधिकारियों का विधानसभा से बाहर तबादला कर दिया गया था। तत्पश्चात् मुख्य सचिव को अध्यक्ष से मिलकर तबादलों का आदेश वापस लेना पड़ा। यदि इस बार हम ऐसा कोई कदम उठायेंगे तो मुझे एहसास है कि इससे जनता को परेशानी होगी। आखिर यह जनता का पैसा है और मेरा दृढ़ विश्वास है कि संवैधनिक अधिकारियों को हमेशा जनहित को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में रखना चाहिए। इससे पहले कि विधानसभा कोई कार्रवाई करे, मैं माननीय वित्त मंत्री से अनुरोध करता हूँ कि वित्त विभाग के पत्र दिनांक 22 मार्च, 2023 को तुरंत वापस लेने का निर्देश दिया जाए और सामान्य प्रयोजन समिति तथा अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की सिफारिश को लागू करने के लिए कदम उठाए जायें। उन्हें दिल्ली विधानसभा के कामकाज में बाधा डालने के इस अवैध और असंवैधनिक प्रयास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों और व्यक्तियों के बारे में भी सदन को सूचित करना चाहिए। मैं विधानसभा सचिव से अनुरोध करता हूँ कि इस व्यवस्था और इससे संबंधित दस्तावेजों को माननीय सदस्यों के साथ साझा कर दिया जाये। मैं यहां इसको और क्लीयर करने के लिए डिमांड नम्बर एक जो ये था, Legislative Assembly इसमें सबसे पहला ये है कि विधान सभा के लिए रेवेन्यु में 60 करोड़ 20 लाख 50 हजार रूपया तथा जिसमें कैपिटल में 27 करोड़ 55

लाख 50 हजार रूपया यानि कुल विधान सभा के लिए 87 करोड़ 76 लाख रूपये रखे गए है। ये जो 87 करोड़ 76 लाख रूपये खर्च करने के लिए भी इस विधान सभा को फाईनांस सैक्रेट्री से एक-एक रूपये की परमीशन लेनी पडती है। ये बड़ा दुर्भाग्य है विधान सभा के लिए किसी विभाग को लेनी नहीं पडती। यह विधान सभा पारित करती है। हम पारित करते हैं और इस पर एक माननीय मनीष जी ने लिखा भी था और अब लोक सभा से भी डायरेक्श्न आ गई उसके बाद इतनी बड़ी हिम्मत करना फाईनांस सैक्रेट्री का, ये पूरी विधान सभा के अधिकारों को छीनने के बराबर है। मैंने माननीय मंत्री जी से मैंने प्रार्थना की है इस पर तुरन्त निर्देश देंगे अन्यथा फिर अगली बैठक में विधान सभा इस पर क्या विचार करती है ये कैसे करती है ये सदन पटल पर रखा जाएगा।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अब सदन की कार्यवाही, नहीं आप सहमत है विजेंद्र गुप्ता जी ये होना चाहिए जो आप ये टिप्पणी कर रहे हैं आप सहमत हैं क्या।

श्री विजेंद्र गुप्ताः मुद्दा ठीक है लेकिन उठाने का तरीका गलत है।

माननीय अध्यक्षः चलिए ठीक है। उठाने का तरीका गलत है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अब सदन की कार्यवाही मंगलवार दिनांक 28 मार्च, 2023 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही दिनांक 28 मार्च, 2023 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।